RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-11 अंक:55 ता. 24 अगस्त 2022, बुधवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

संक्षिप्त समाचार

पाक सीमा में गलती से ब्रह्मोस मिसाइल दागने के मामले में तीन अधिकारी बर्खास्त

नई दिल्ली ।

वायुसेना ने पाक सीमा में गलती से ब्रह्मोस मिसाइल दागने के मामले में तीन अधिकारियों को बखार्स्ि त कर दिया है। एक अधिकारी ने बताया, 'कोर्ट ऑफ इंक्वायरी ने पाया कि दुर्घटनावश ब्रह्मोस मिसाइल दागे जाने की घटना में तीन अधिकारियों ने मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का पालन नहीं किया। 9 मार्च को ब्रह्मोस फायर किया गया था और मिसाइल पाकिस्तान में गिरी थी।' वायुसेना ने एक बयान में कहा, 'ब्रह्मोस मिसाइल गलती से 9 मार्च 2022 को दागी गई थी। इस घटना के लिए जिम्मेदारी तय करने सहित मामले की जांच के लिए गठित कोर्ट ऑफ इनक्वायरी ने पाया कि मानक संचालन प्रक्रिया का पालन नहीं करते हुए तीन अधिकारी इस एक्े सीडेंटल फायरिंग में शामिल थे।' इसमें कहा गया है, 'इन तीन अधिकारियों को मुख्य रूप से घटना के लिए जिम्मेदार ठहराया गया। केंद्र सरकार ने तत्काल प्रभाव से इनकी सेवाएं समाप्त कर दी है। 23 अगस्त 2022 को अधिकारियों को बर्खास्तगी के आदेश दिए गए हैं। 'रक्षा मंत्रालय ने इस घटना को बेहद खेदजनक बताते हुए इसके लिए तकनीकी खराबी को दोषी ठहराया था। पाकिस्तान के अनुसार, यह मिसाइल पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र में 100 किमी अंदर घुसी। उस समय यह 40 हजार फीट की ऊंचाई पर और ध्वनि की गति से तीन गुना रफ्तार हासिल किए थी। चूंकि इसमें कोई वारहेड नहीं था, इसलिए इसमें कोई विस्फोट नहीं हुआ।

सार्वजनिक उपक्रमों से वापस मिलीं 17 खदानों की नीलामी करेगी मोदी सरकार

नई दिल्ली । केंद्र सरकार सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) द्वारा लौटी 17 खदानों की नीलामी करने की योजना बना रही है। कोयला और खान मंत्री प्रह्लाद जोशी ने इसकी जानकारी देकर कहा कि इन ब्लॉकों को अभी तक चालू नहीं किया जा सका है। मोदी सरकार घरेलू कोयला उत्पादन में तेजी लाने के प्रयास कर रही है, ताकि विभिन्न क्षेत्रों में शुष्क ईंधन की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। इस सिलसिले में यह बयान महत्वपूर्ण है। जोशी ने कहा, एक दिन पहले (रविवार) मुझे 17 ब्लॉक वापस मिले हैं, ये बहुत अच्छे ब्लॉक हैं और मैं उन्हें अब नीलामी के लिए रख रहा हूं।'' एनएमडीसी और फिक्की द्वारा आयोजित भारतीय खनिज और धातु उद्योग पर उन्होंने कहा कि देश में कोयला जैसे क्षेत्रों में कई पीएसयू के पास बड़ी संख्या में खदानें हैं। मोदी सरकार ने इन पीएसयू से ऐसी सभी खदानों को वापस लेने का फैसला किया है, जिन्हें पांच से छह साल बीत जाने के बाद भी चालू नहीं किया गया। इन खदानों की नीलामी की जाएगी। जोशी ने कहा, मैंने कुछ राज्यों के मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों से बात की है और उनसे खदान लेकर काम नहीं करने के बारे में पूछा। ये खदानें 10 से 15 साल बाद भी चालू नहीं हो सकी हैं। जोशी ने कहा कि उनका मंत्रालय पर्यावरण और वन मंत्रालय के साथ विचार-विमर्श कर रहा है, ताकि पेड़ों को काटे बिना खदानों की खोज की जा सके।

लाल सिंह चड्ढा बाक्स ऑफिस में डूबी, यूएस ट्रिप पर जा रहे आमिर

मुंबई । आमिर खान की फिल्म लाल सिंह चड्ढा की बॉक्स ऑफिस रिपोर्ट ने मेकर्स और स्टारकास्ट को टेंशन दे रखी है। 4 साल बाद आमिर खान स्क्रीन पर लौटे मगर उनकी फिल्म नहीं चली। चड्ढा जहां बॉक्स ऑफिस पर 12 दिनों में ही दम तोड़ती नजर आ रही है, वहीं आमिर खान के यूएस ट्रिप पर जाने की खबरें हैं। आप सोच रहे यहां लाल सिंह चड्ढा का बॉक्स ऑफिस पर बुरा हश्र हो रहा है। इसके बाद आमिर कैसे ट्रिप पर जा सकते हैं? तब आपको बताना जरूरी है कि आमिर वेकेशन एंजॉय करने यूएस नहीं जा रहे बल्कि काम के सिलसिले में दो महीने के यूएस ट्रिप पर जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, आमिर खान के यूएस जाने की वजह लाल सिंह चड्ढा ही है। नए प्रोजेक्ट को शुरू करने से पहले दो महीने का गेटवे एक तरह का डाउनटाइम होगा। लाल सिंह चड्ढा को मिले लोगों के खराब रिस्पॉन्स ने आमिर का दिल तोड़ दिया है। अब आमिर आने वाले हफ्तों में लाल सिंह चड्ढा को इंटरनेशनल सेक्टर में रिलीज करने के प्लान पर काम करना चाहते हैं। जैसा कि सभी जानते हैं आमिर की फिल्मों का चीन में काफी क्रेज रहता है। चीन में आमिर खान का तगड़ा फैंडम है. उनकी कई फिल्मों ने चीन के बॉक्स ऑफिस पर दमदार कमाई की है। अब लाल सिंह चड्ढा के भारत में फेल होने के बाद क्या आमिर इसे चीन में रिलीज करते हैं या नहीं, कुछ दिनों में पता चल ही जाएगा।

कांग्रेस ने 'भारत जोड़ो' यात्रा के लोगो, टैगलाइन और वेबसाइट का विमोचन किया

नई दिल्ली ।

कांग्रेस ने 7 सितंबर से प्रस्तावित अपनी 'भारत जोड़ो' यात्रा से संबंधित लोगो, टैगलाइन, वेबसाइट और पुस्तिका का विमोचन किया। कांग्रेस ने कहा कि देश में आर्थिक विषमताओं, सामाजिक ध्रुवीकरण एवं राजनीतिक विभाजन के मद्देनजर यह यात्रा देश के लिए आवश्यक है। पार्टी ने कहा कि इस यात्रा के जरिए बड़े पैमाने पर जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा। पार्टी के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह और महासचिव जयराम रमेश ने इस यात्रा के लोगो, पुस्तिका और वेबसाइट का विमोचन किया। इस यात्रा के लिए टैगलाइन 'मिले कदम, जुड़े वतन' होगी। दिग्विजय सिंह ने कहा इस देश में नफरत का माहौल बना हुआ है, व्यवस्था भारतीय संविधान के विपरीत काम कर रही है, महंगाई-बेरोजगारी बढ़ती जा रही है, आर्थिक-सामाजिक दूरियां बढ़ती जा रही हैं, धार्मिक उन्माद फैलाया जा रहा है, नफरत फैलाई जा रही है, एक-दूसरे की आस्था पर प्रश्नचिन्ह लगाया जा रहा है, ऐसे माहौल में भारत जोड़ो यात्रा देश के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यह यात्रा देशहित में है। हम इस यात्रा को दलगत नहीं बनाना चाहते हैं। दिग्विजय सिंह ने बताया 100 पदयात्री होंगे जो शुरू से आखिर तक चलेंगे। वो 'भारत यात्री' होंगे। जिन प्रदेशों से यह यात्रा नहीं गुजर रही है उसके 100-100 लोग इसमें शामिल होंगे, ये लोग अतिथि यात्री होंगे। जिन प्रदेशों से यात्रा गुजरेगी उनसे 100-100 यात्री शामिल होंगे। ये प्रदेश यात्री होंगे। एक समय इसमें 300 पदयात्री शामिल रहेंगे। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा राहुल गांधी देश के बड़े नेता हैं और यात्रा में 'भारत यात्री' होंगे। कांग्रेस नेता ने कहा देश में इतने बड़े पैमाने पर न कोई पदयात्रा हुई है न कोई जनसंपर्क अभियान हुआ है। हमें इस बात पर गर्व है कि जिस कांग्रेस ने जन आंदोलन से देश को आजाद कराया, वह अब सामाजिक समरसता को दोबारा वापस लाने और जनता को मुखर करने के लिए यात्रा निकालने जा रही है। जयराम रमेश ने कहा हमारे देश में आर्थिक चुनौतियां हैं, विषमताएं बढ़ती जा रही हैं, एक तरीके से राजनीतिक विभाजन हो रहा है। इसलिए भारत को जोड़ना है। कांग्रेस की यह यात्रा तमिलनाडु के कन्याकुमारी से सात सितंबर को आरंभ होगी और इसके तहत 12 राज्यों तथा दो केंद्रशासित प्रदेशों से होते हुए 3500 किलोमीटर की दूरी तय होगी। यात्रा के पूरा होने में 150 दिनों का समय लगेगा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने पार्टी की प्रस्तावित इस 'भारत जोड़ो' यात्रा के संदर्भ में सोमवार को सिविल सोसायटी के कई प्रमुख लोगों के साथ बैठक की और कहा कि यह यात्रा उनके लिए 'तपस्या' की तरह है तथा भारत को एकजुट करने की लंबी लड़ाई के लिए वह तैयार हैं।

40 पाकिस्तानी शरणार्थियों को मिली भारत की नागरिकता, खुशी से गृह मंत्री से लिपट गई दिव्यांग बच्ची

अहमदाबाद .

शहर के कलेक्ट्रेट में पाकिस्तानी से आए 40 शरणार्थियों को भारत की नागरिकता क प्रमाण पत्र दिए गए. भारत की नागरिकता प्रमाण पत्र पाते ही शरणार्थियों में खुशी की लहर दौड़ गई. इस मौके पर खुशी से एक दिव्यांग बच्ची से गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी से लिपट गई. आज अहमदाबाद कलेक्टर कचहरी में पाकिस्तानी शरणार्थियों को भारत की नागरिता देने के एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था. जिसमें गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने सभी शरणार्थियों को नागरिकता के प्रमाण पत्र दिए. भारत की नागरिकता का प्रमाण पत्र मिलते ही शरणार्थियों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा. कई शरणार्थियों की आंखें खुशी के आंसू से छलक उठीं. एक दिव्यांग बच्ची रूही की खुशी तो देखने लायक थी. रूही प्रमाण पत्र लेने के बाद खुशी से हर्ष संघवी से लिपट गई. रूही समेत उसके माता-पिता को भारत की नागरिकता मिली है. इस मौके पर हर्ष संघवी ने कहा कि देश को नई ऊंचाई पर ले जाने का सपना देख है. जिन्हें नागरिकता दी गई है, वह कई वर्षों से अहमदाबाद में रह रहे थे. आज जिन शरणार्थियों को नागरिकता दी गई है उन सभी को मैंने शुभकामनाएं दी हैं. संघवी ने कहा कि आगामी समय में अन्य लोगों को भी नागरिकता देने का आदेश दिया गया है.

सेना ने राजौरी जिले में आंतकवादियों की घुसपैठ की कोशिश नाकाम की

जम्मू ।

जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में सेना ने नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास आतंकवादियों के एक समूह की घुसपैठ की कोशिश को नाकाम किया है। रक्षा विभाग के प्रवक्ता ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नौशेरा सेक्टर में सोमवार और मंगलवार की दरम्यानी रात को संदिग्ध घुसपैठियों के होने का आभास हुआ। इलाके में तलाश अभियान जारी है। विस्तृत जानकारी अभी नहीं मिली है। अधिकारियों के अनुसार, संदिग्ध आतंकवादियों के एक समूह ने सीमा पार से अंधेरे की आड़ में नौशेरा के लाम के पुखरनी गांव में घुसने की कोशिश की।

तभी एक आतंकवादी ने बारूदी सुरंग पर पैर रख दिया, जिससे विस्फोट हो गया। आतंकवादियों की गतिविधियों पर नजर रख रहे सेना के जवानों ने इलाके को घेरकर मंगलवार सुबह तलाशी अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि विस्फोट में किसी आतंकवादी के हताहत होने की तत्काल पुष्टि नहीं हो पाई है। नौशेरा सेक्टर में घुसपैठ की यह कोशिश उस समय हुई है, जब सेना ने लश्कर-ए-तैयबा के एक गाइड को रविवार को घायल हालत में गिरफ्तार कर लिया था। यह व्यक्ति पाकिस्तानी सेना की खुफिया इकाई के लिए भी काम करता था। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के सब्जकोट गांव के निवासी तबारक हुसैन (32) को नियंत्रण रेखा पार करने की कोशिश करते समय गिरफ्तार किया गया था। उसे छह वर्ष में दूसरी बार गिरफ्तार किया गया है।

भारत दुनिया में इस्पात का सबसे बड़ा उत्पादक बनेगा: सिंधिया

नई दिल्ली ।

केंद्रीय नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य एम सिंधिया ने भरोसा जताया कि भारत आने वाले दिनों में इस्पात का सबसे बड़ा उत्पादक होगा। चीन के बाद भारत दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा कच्चे इस्पात का उत्पादक है। मंत्री ने सार्वजनिक क्षेत्र की एनएमडीसी और उद्योग मंडल फिक्की की ओर से भारतीय खनिज और धातु उद्योग पर आयोजित सम्मेलन में यह बात कही। उन्होंने कहा कि भारत इस्पात के शुद्ध आयातक से शुद्ध निर्यातक बनने की ओर बढ़ा है। देश में प्रति व्यक्ति इस्पात खपत 2013-14 में 57.8 किलो थी, जो अब बढ़कर 78 किलो हो गई है। सिंधिया ने कहा कि मोदी सरकार का 2030 तक 30 करोड़ टन इस्पात उत्पादन का इरादा है। उन्होंने कहा, ''हमारी लक्ष्य भारत को इस्पात क्षेत्र में एक ताकत बनाना है...।''

अध्यक्ष चुनाव की प्रक्रिया 20 अगस्त से शुरु होकर 21 सितंबर चलेगी

नई दिल्ली ।

2019 से कांग्रेस का अध्यक्ष पद खाली है। सोनिया गांधी अंतरिम अध्यक्ष के तौर पर कार्य कर रही हैं। 2019 के आम चुनाव में मिली हार की जिम्मेदारी लेकर राहुल गांधी ने अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद से यह पद लगातार खाली है। इस बीच सबसे बड़ा सवाल यही है, कि कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए चुनाव कब होंगे? इसको लेकर कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश का बयान सामने आया है। रमेश ने कहा कि अध्यक्ष चुनाव की प्रक्रिया 20 अगस्त से शुरू होगी और 21 सितंबर को समाप्त हो जाएगी। लेकिन इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सटीक तारीख कुछ ही दिनों में आएगी। माना जा रहा है कि कांग्रेस को सितंबर के आखिर तक नया अध्यक्ष मिल सकता है। कांग्रेस के बड़े नेता लगातार अध्यक्ष पद के लिए राहुल गांधी के नाम का समर्थन कर रहे हैं। चुनाव तारीखों को लेकर कांग्रेस की एक बैठक भी होने वाली है। माना जा रहा है कि विस्तृत कार्यक्रम अगले तीन-चार दिनों में घोषित हो सकता है। कांग्रेस कार्य समिति ने पिछले साल जिस प्रस्ताव को मंजूरी दी थी उसके अनुसार, कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव की पूरी प्रक्रिया 21 अगस्त से 20 सितंबर के बीच संपन्न होनी है। कांग्रेस के केंद्रीय चुनाव प्राधिकरण के अध्यक्ष मधुसूदन मिस्त्री ने हाल ही में कहा था कि पार्टी अध्यक्ष के चुनाव की अंतिम तारीख को मंजूरी देना कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) पर निर्भर है, जो 21 अगस्त से 20 सितंबर के बीच कोई भी दिन हो सकता है। कांग्रेस महासचिव संचार प्रभारी रमेश ने %भारत जोड़ो% कार्यक्रम पर कहा कि यह समय की मांग है। महंगाई, जीएसटी, बेरोजगारी भारत को तोड़ रही है। धर्म, जाति, भाषा, भोजन, कपड़े के नाम पर सामाजिक ध्रुवीकरण किया जा रहा है। राजनीति में केंद्र का दबदबा है। यह कांग्रेस पार्टी की यात्रा है लेकिन हमने सभी दलों से शामिल होने का अनुरोध किया है, हमने सिविल सोसाइटी से भी अपील की है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 28 अगस्त को भुज में करेंगे स्मृति वन का लोकार्पण

- भूकंप के बाद के विकास और कच्छ के जज्बे को समर्पित विशेष संग्रहालय बनेगा आकर्षण का केंद्र

- रियल टाइम भूकंप का अनुभव कराने के लिए संग्रहालय में विशेष थियेटर का निर्माण

गांधीनगर .

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार, 28 अगस्त को कच्छ के भुज शहर में स्मृति वन का लोकार्पण करेंगे। 26 जनवरी, 2001 को आए विनाशक भूकंप ने कच्छ को तबाह कर दिया था। भूकंप का शिकार बने नागरिकों की याद में इस स्मृति वन का निर्माण किया गया है। इस त्रासदी के बाद एक अभूतपूर्व सफर तय करते हुए कच्छ फिर से पटरी पर लौटा है और आज कच्छ के विकास का डंका पूरी दुनिया में बज रहा है। तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने स्मृति वन बनाने का संकल्प व्यक्त किया था। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में राज्य सरकार ने इस परियोजना को धरातल पर उतारने के लिए उत्कृष्ट कार्य किया है, नतीजतन अब यह परियोजना साकार हो गई है। स्मृति वन में बनाया गया विशेष संग्रहालय लोगों के आकर्षण का केंद्र बनेगा। इस संग्रहालय के निर्माण का उद्देश्य भूकंप के उन पलों को फिर से जीवंत करना और उस विभीषिका से ली गई सीख को बताने के साथ ही युवाओं में भूगर्भशास्त्र के प्रति रुचि पैदा करना है। भूगर्भशास्त्र से संबंधित विभिन्न रोचक जानकारियों तथा भूकंप की स्मृतियों को यहां अलग-अलग गैलरियों में प्रदर्शित किया जाएगा। इसके लिए आधुनिक टेक्नोलॉजी और उपकरणों का उपयोग किया गया है।

भूकंप का अनुभव करने के लिए विशेष थियेटर

2001 में आए विनाशक भूकंप की अनुभूति के लिए एक विशेष थियेटर का निर्माण किया गया है जो दुनिया में सबसे बड़े स्टिम्युलेटर में से एक है। यहां कंपन, ध्वनि और प्रकाश के संयोजन से एक विशेष परिस्थिति का अनुभव कराया जाएगा। संग्रहालय में कुल आठ ब्लॉक हैं, जिन्हें पुनः संरचना, पुनः परिचय, पुनः प्रत्यावर्तन, पुनः निर्माण, पुनः विचार, पुनः आवृत्ति और पुनः स्मरण नाम दिया गया है। यहां ऐतिहासिक हड़प्पा सभ्यता की बस्तियों, भूकंप से संबंधित वैज्ञानिक जानकारी, गुजरात की कला और संस्कृति, चक्रवात का विज्ञान, रियल टाइम आपातकालीन स्थिति के संबंध में कंट्रोल रूम द्वारा सलाह व सुझाव तथा भूकंप के बाद भुज की सफलता गाथाओं एवं राज्य की विकास यात्रा को वर्कशॉप एवं प्रेजेंटेशन के जरिए दर्शाया गया है।

वर्चुअल रियलिटी, इंटरेक्टिव प्रोजेक्शन से उम्दा अनुभव

आगंतुकों को यहां एक उम्दा अनुभव देने के लिए उद्देश्य से आधुनिक टेक्नोलॉजी का उपयोग किया गया है। इसमें 50 ऑडियो-विजुअल मॉडल, होलोग्राम, इंटरेक्टिव प्रोजेक्शन और वर्चुअल रियलिटी का उपयोग किया गया है। लोग यहां जीवाश्मों की प्रदर्शनी भी देख सकेंगे। इस स्थल पर स्थानीय कला, संस्कृति और भूकंप के बाद कच्छ की सफलता गाथा के साथ ही विज्ञान का एक अद्भुत समन्वय किया गया है।

डिजिटल मशाल से श्रद्धांजलि

आगंतुक पुनः स्मरण ब्लॉक में बनी गैलरी में पहुंचकर भूकंप के शिकार बने नागरिकों को श्रद्धांजलि दे सकेंगे। यहां टच पैनल पर डिजिटल मशाल प्रज्जवलित करने पर वह एलईडी दीवार से होकर सीलिंग के बाहर एक प्रकाश बीम की तरह निकलेगी जिसे पूरे भुज शहर से देखा जा सकेगा।

स्थानीय खावड़ा स्टोन का उपयोग

कच्छ के विशेष रंग को शामिल करने के उद्देश्य से इस संग्रहालय की दीवारों और फ्लोर पर स्थानीय खावड़ा स्टोन का उपयोग किया गया है। इस पत्थर की विशेषता यह है कि यह समय के साथ-साथ लोगों की चहल-पहल से और अधिक मजबूत और खूबसूरत बन जाता है।

प्रधानमंत्री का लक्ष्य सिर्फ रेवाड़ियां बांटना नहीं : जेपी नड्डा

नई दिल्ली ।

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मोदी सरकार की उपलब्धियों को गिनाया। इस दौरान भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो कहा वह करके दिखाया है। मोदी ने कहा था एक देश, एक विधान और वह हमने पूरा होते हुए देखा है। इसके साथ ही सोच समझकर बोलना और जो बोलना है उसे करके दिखाना है, यह प्रधानमंत्री ने सार्थक किया है। नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री जनता के लिए सोचते हैं। सबका साथ, सबका विकास सोच समझकर कहा गया था। उन्होंने दावा किया कि मोदी सरकार में महिला सशक्तिकरण और किसानों के लिए काफी काम किया गया है। प्रधानमंत्री का लक्ष्य सिर्फ रेवाड़ियां बांटना नहीं हैं। नड्डा ने कहा कि मोदी जी 'एक जीवन' 'एक लक्ष्य' को लेकर सार्थक रूप से जीते हैं। मोदी जी हर पल देश की सेवा के लिए समर्पित हैं। ये सिर्फ कहने के लिए नहीं है, ये हम सभी ने देखा है, उन्हें जीते हुए। उन्होंने दावा किया कि हर दिन, हर पल, हर वर्ष मोदी जी की पॉपुलैरिटी बढ़ती ही गई है। जब-जब आप सर्वे कराते हो, तब देखते हो कि सीटों का आंकड़ा भी बढ़ा है और उनकी पॉपुलैरिटी भी बढ़ी हुई है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि मोदी जी के 50 साल के सार्वजनिक जीवन, 20 साल के प्रशासनिक जीवन में भ्रष्टाचार उन्हें छू तक नहीं सका है। मोदी जी ने जीवन की बहुत सी चीजों को बदलने का प्रयास किया है। मोदी जी ने राजनीति को देखने का नजरिया भी बदला है। भाजपा प्रमुख ने कहा कि वर्षों से कांग्रेस की सरकार थी। पाकिस्तान जब भी चाहता था (आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देता) था। पीएम मोदी कालीकट में सार्वजनिक समारोह में कहा कि उन्होंने जो किया है उसका करारा जवाब दिया जाएगा - सर्जिकल स्ट्राइक हुई। पाकिस्तान को अभी भी समझ नहीं आया। ऐसे में दूसरी घटना हुई। इसके बाद हवाई हमला किया गया। इससे पहले उन्होंने (पीएम मोदी) कहा- आपने बहुत बड़ी गलती की है और इसकी कीमत आपको चुकानी पड़ेगी। फिर हुई हवाई हमला।

सार समाचार

पंजाब में भारत-पाक सीमा पर बरामद हुआ हथियारों का जखीरा, बीएसएफ को सीमापार से तस्करी का शक

चंडीगढ़। पंजाब में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने भारत-पाकिस्तान सीमा पर मंगलवार को हथियारों का जखीरा बरामद किया। माना जा रहा है कि सीमा पार से हथियारों की तस्करी की गई लेकिन भारत-पाकिस्तान सीमा पर बीएसएफ के जवानों ने गश्त के दौरान इन हथियारों को बरामद किया। जिसमें अत्याधुनिक राइफल और पिस्टल शामिल हैं। बीएसएफ ने बताया कि पंजाब में भारत-पाकिस्तान सीमा पर हमले के हथियारों का एक जखीरा बरामद किया गया। फिरोजपुर सेक्टर में 6 मैगजीन वाली 3 एके-47 राइफल, 4 मैगजीन वाली 3 एम-3 राइफल और 2 मैगजीन के साथ 2 पिस्टल बरामद की। ऐसा लगता है कि हथियारों की तस्करी पाकिस्तान से की गई है।

अलर्ट पर सुरक्षा एजेंसिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पंजाब दौरे से पहले सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट पर रखा गया है। आपको बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी 24 अगस्त को मोहाली में 'होमी भाभा कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केंद्र' का उद्घाटन करेंगे। इस अस्पताल को 660 करोड़ रुपए की लागत से टाटा मेमोरियल सेंटर ने तैयार किया है। इससे पहले आतंकी अलर्ट जारी करते हुए सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क रहने की हिदायत दी गई। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई चंडीगढ़ और मोहाली को दहलाने की फिराक में है। खुफिया एजेंसी ने इस बारे में पंजाब पुलिस को इनपुट दिए हैं। जिसके बाद सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतेजाम किए गए हैं।

कर्नाटक में गणेश चतुर्थी उत्सव के पोस्टर पर सावरकर की तस्वीर पर उठा बवाल

बेंगलुरु । कर्नाटक में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर वीर सावरकर के पोस्टर पर उठा तूफान अभी थमा भी नहीं था कि आगामी गणेश चतुर्थी उत्सव के पोस्टर पर लगी सावरकर की तस्वीर को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। दरअसल, कुछ हिंदूवादी संगठनों के युवाओं ने शिवमोग्गा के अमीर अहमद सर्कल में वीर सावरकर का एक पोस्टर लगाया था। पोस्टर पर आपत्ति जताते हुए दूसरे समुदाय के युवक टीपू सुल्तान के फ्लेक्स को स्थापित करने के प्रयास में भिड़ गए। सावरकर के पोस्टर को हटाने के प्रयास किए जाने पर हिंदू समर्थक समूहों द्वारा विरोध प्रदर्शन शुरू करने के बाद झड़प शुरू हो गई। स्थिति को नियंत्रित करने और भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को हल्का लाठीचार्ज भी करना पड़ा था। ताजा घटनाक्रम में भाजपा कार्यकर्ताओं को सोमवार को राज्य में कांग्रेस कार्यालयों पर पोस्टर लगाते देखा गया था। वहीं दावणगेरे में हिंदू महासभा गौरी गणेश सेवा समिति ने अब गणेश चतुर्थी उत्सव पर सावरकर की तस्वीर को शामिल किया है। फ्लेक्स में वीर सावरकर के साथ बाल गंगाधर तिलक की तस्वीर भी शामिल है। दावणगेरे के होनाली टाउन में लगभग 10 ऐसे फ्लेक्स स्थापित किए गए हैं, जबकि 40 और ऐसे फ्लेक्स लगाने की योजना है। विवाद पर हिंदू महासभा गौरी गणेश सेवा समिति संगठन के अध्यक्ष राकेश राममूर्ति ने कहा कि कुछ लोग फ्लेक्स लगाने का विरोध कर रहे हैं, लेकिन वे ऐसे लोगों पर कोई ध्यान नहीं देंगे।

अन्ना आंदोलन की सिविल सोसाइटी भारत जोड़ो यात्रा में शामिल

नई दिल्ली । कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा में अन्ना आंदोलन को समर्थन देने वाली सिविल सोसाइटी भी शामिल होगी। स्वराज इंडिया के योगेंद्र यादव, एकता परिषद के पीवी राज गोपाल सहित लगभग 150 संगठन के प्रमुखों ने दिल्ली के कांस्टीट्यूसन क्लब में भारत छोड़ो आंदोलन से जुड़ने की सहमति जताई है। सिविल सोसाइटी ने 8 सदस्यों की टीम बनाई है। जो भारत जोड़ो यात्रा में नागरिकों, किसानों,बेरोजगारों से जुड़ने का आव्हान करेगी। भारत जोड़ो यात्रा 7 सितंबर से कन्याकुमारी से शुरु होगी। 12 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों से गुजरते हुए काश्मीर घाटी में इसका समापन होगा। कांग्रेस पार्टी भारतीय राजनीति में अभी अलग- थलग पडी हुई थी। राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा में सिविल सोसाइटी का समर्थन लेकर,इसे आम जनता से जोड़ने का काम किया है। एक बार फिर 1975 के जयप्रकाश आंदोलन की यादों को ताजा करने जैसी स्थिति बन गई है। 1975 में जयप्रकाश जी के नेतृत्व में तत्कालीन सरकार के खिलाफ आंदोलन में महंगाई, गरीबी और बेरोजगारी सबसे बड़ा मुद्दा था। इस आंदोलन में कांग्रेस संगठन का इंटक भी शामिल हो गया था। राष्ट्रीय स्तर पर एक बार फिर कांग्रेस ने भारत छोड़ो यात्रा के माध्यम से आम लोगों की लड़ाई को सड़कों पर लडने की तैयारी कर ली है। सिविल सोसाइटी के संगठन किसान, मजदूर और बेरोजगारों को भारत जोड़ो यात्रा से जोड़कर सरकार के खिलाफ आंदोलन का व्यापक असर पड़ना तय है।

40 पाकिस्तानी शरणार्थियों को मिली भारत की नागरिकता, खुशी से गृह मंत्री से लिपट गई दिव्यांग बच्ची

अहमदाबाद । शहर के कलेक्ट्रेट में पाकिस्तानी से आए 40 शरणार्थियों को भारत की नागरिकता क प्रमाण पत्र दिए गए। भारत की नागरिकता प्रमाण पत्र पाते ही शरणार्थियों में खुशी की लहर दौड़ गई। इस मौके पर खुशी से एक दिव्यांग बच्ची से गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी से लिपट गई। आज अहमदाबाद कलेक्टर कचहरी में पाकिस्तानी शरणार्थियों को भारत की नागरिता देने के एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जिसमें गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने सभी शरणार्थियों को नागरिकता के प्रमाण पत्र दिए। भारत की नागरिकता का प्रमाण पत्र मिलते ही शरणार्थियों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। कई शरणार्थियों की आंखें खुशी के आंसू से छलक उठीं। एक दिव्यांग बच्ची रूही की खुशी तो देखने लायक थी। रूही प्रमाण पत्र लेने के बाद खुशी से हर्ष संघवी से लिपट गई। रूही समेत उसके माता-पिता को भारत की नागरिकता मिली है। इस मौके पर हर्ष संघवी ने कहा कि देश को नई ऊंचाई पर ले जाने का सपना देख है। जिन्हें नागरिकता दी गई है, वह कई वर्षों से अहमदाबाद में रह रहे थे। आज जिन शरणार्थियों को नागरिकता दी गई है उन सभी को मैंने शुभकामनाएं दी हैं। संघवी ने कहा कि आगामी समय में अन्य लोगों को भी नागरिकता देने का आदेश दिया गया है।

सेना ने राजौरी जिले में आंतकवादियों की घुसपैठ की कोशिश नाकाम की

जम्मू । जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में सेना ने नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास आतंकवादियों के एक समूह की घुसपैठ की कोशिश को नाकाम किया है। रक्षा विभाग के प्रवक्ता ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नौशेरा सेक्टर में सोमवार और मंगलवार की दरम्यानी रात को संदिग्ध घुसपैठियों के होने का आभास हुआ। इलाके में तलाश अभियान जारी है। विस्तृत जानकारी अभी नहीं मिली है। अधिकारियों के अनुसार, संदिग्ध आतंकवादियों के एक समूह ने सीमा पार से अंधेरे की आड़ में नौशेरा के लाम के पुखरनी गांव में घुसने की कोशिश की। तभी एक आतंकवादी ने बारूदी सुरंग पर पैर रख दिया, जिससे विस्फोट हो गया। आतंकवादियों की गतिविधियों पर नजर रख रहे सेना के जवानों ने इलाके को घेरकर मंगलवार सुबह तलाशी अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि विस्फोट में किसी आतंकवादी के हताहत होने की तत्काल पुष्टि नहीं हो पाई है। नौशेरा सेक्टर में घुसपैठ की यह कोशिश उस समय हुई है, जब सेना ने लश्कर-ए-तैयबा के एक गाइड को रविवार को घायल हालत में गिरफ्तार कर लिया था। यह व्यक्ति पाकिस्तानी सेना की खुफिया इकाई के लिए भी काम करता था। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के सब्जकोट गांव के निवासी तबारक हुसैन (32) को नियंत्रण रेखा पार करने की कोशिश करते समय गिरफ्तार किया गया था। उसे छह वर्ष में दूसरी बार गिरफ्तार किया गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा योजनाओं के कार्यान्वयन को लेकर मंत्रालयों से मांगे सुझाव

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा, अधिकारियों के साथ टिफिन बैठकें करने और सार्वजनिक खरीद के लिए ऑनलाइन मंच ''जीईएम पोर्टल और केंद्र की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को प्रचारित-प्रसारित करने के लिए सोशल मीडिया के उपयोग को लेकर सुझाए गए कदमों की प्रगति के बारे में मंत्रालयों से विवरण मांगा है। शासन को अधिक दक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने कई मौकों पर अपनी मंत्रिपरिषद को यह सुनिश्चित करने का सुझाव देकर उनके मंत्रालयों द्वारा कोई भी खरीदी जेईएम पोर्टल के माध्यम से की जाए। सूत्रों ने बताया कि पीएम ने मंत्रिपरिषद को सुझाव दिया था, कि सदस्य अधिकारियों के साथ नियमित तौर पर टिफिन बैठकें करें और इस दौरान विचारों का आदान-प्रदान करें। उनके मुताबिक पीएम मोदी ने सरकार के फैसलों के बारे में जानकारी प्रचारित और प्रसारित करने तथा उन्हें लोगों तक पहुंचाने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करने पर भी जोर दिया था। सूत्रों ने बताया कि अब मंत्रालयों से इन सुझाए कदमों के कार्यान्वयन और उनकी प्रगति को लेकर विवरण मांगा गया है।

मोदी जी ने जो बोला वह करके दिखाया

नड्डा ने कहा- उनका लक्ष्य सिर्फ रेवड़ियां बांटना नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने Modi@20 के दौरान एक कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान भाजपा अध्यक्ष ने मोदी सरकार की उपलब्धियों को गिनाया। इस दौरान भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो कहा वह करके दिखाया है। मोदी ने कहा था एक देश, एक विधान और वह हमने पूरा होते हुए देखा है। इसके साथ ही सोच समझकर बोलना और जो बोलना है उसे करके दिखाना है, यह प्रधानमंत्री ने सार्थक किया है। नड्डा ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री जनता के लिए सोचते हैं। सबका साथ, सबका विकास सोच समझकर कहा गया था। उन्होंने दावा किया कि मोदी सरकार में महिला सशक्तिकरण और किसानों के लिए काफी काम किया गया है। प्रधानमंत्री का लक्ष्य सिर्फ रेवाड़ियां बांटना नहीं हैं।

अपने वक्तव्य में नड्डा ने कहा कि मोदी जी 'एक जीवन' एक लक्ष्य' को लेकर सार्थक रूप से जीते हैं। मोदी जी हर पल देश की सेवा के लिए समर्पित हैं। ये सिर्फ कहने के लिए नहीं है, ये हम सभी ने देखा है उनको जीते हुए। उन्होंने दावा किया कि हर दिन, हर पल, हर वर्ष मोदी जी की पॉपुलैरिटी बढ़ती ही गई है। जब-जब आप सर्वे कराते हो तो देखते हो कि सीटों का आंकड़ा भी बढ़ा है और उनकी पॉपुलैरिटी भी बढ़ी हुई है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि मोदी जी के 50 साल के सार्वजनिक जीवन, 20 साल के प्रशासनिक जीवन में भ्रष्टाचार उनको छू तक नहीं पाया है। मोदी जी ने जीवन की बहुत सी चीजों को बदलने का प्रयास किया है। मोदी जी ने राजनीति को देखने का नजरिया भी बदला है।

नड्डा ने कहा कि Modi@20 पुस्तक में मोदी जी की कार्यशैली के कई स्तंभ हैं। इसमें प्रमुख रुप से 1- लोग पहले, 2- एकता और विकास की राजनीति, 3- समावेशी अर्थव्यवस्था, 4- विश्व एक परिवार है आता है। भाजपा प्रमुख ने कहा कि वर्षों से कांग्रेस की सरकार थी। पाकिस्तान जब भी चाहता था (आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देता) था। पीएम मोदी कालीकट में एक सार्वजनिक समारोह में कहा कि उन्होंने जो किया है उसका करारा जवाब दिया जाएगा - सर्जिकल स्ट्राइक हुई। पाकिस्तान को अभी भी समझ नहीं आया। ऐसे में दूसरी घटना हुई। इसके बाद हवाई हमला किया गया। इससे पहले उन्होंने (पीएम मोदी) कहा- आपने बहुत बड़ी गलती की है और इसकी कीमत आपको चुकानी पड़ेगी। फिर हुई हवाई हमला।

27 अगस्त से पीएम मोदी और 14 सितंबर को अमित शाह गुजरात आएंगे

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगामी 27 अगस्त से दो दिवसीय गुजरात दौरे पर आ रहे हैं। पीएम मोदी के बाद अगले महीने 14 सितंबर से केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह गुजरात का दो दिवसीय दौरा करेंगे। पीएम मोदी के 27 अगस्त को कच्छ में होनेवाले कार्यक्रम को लेकर जोरदार तैयारियां की जा रही हैं। गुजरात विधानसभा चुनाव के आडे गिनती के महीने रह गए हैं और भाजपा, कांग्रेस व आम आदमी पार्टी (आप) समेत राजनीतिक दलों ने कमर कस ली है। पहली बार आप पूरे दम खम के साथ भाजपा और कांग्रेस को चुनौती देने क प्रयास कर रही है। वहीं भाजपा और कांग्रेस भी आप को धूल चटाने के लिए पूरी ताकत लगा रही हैं। भाजपा का गुजरात विधानसभा की सभी 182 सीटें जीतने का लक्ष्य है। अपने लक्ष्य को पाने के लिए भाजपा पूरे जी जान से जुटी हुई है। पीएम मोदी समेत भाजपा के राष्ट्रीय नेताओं की गुजरात में आवाजाही बढ़ गई है। इसी कड़ी में आगामी 27 अगस्त से पीएम मोदी दो दिवसीय गुजरात दौरे पर आ रहे हैं। इसके अंतर्गत 28 अगस्त पीएम मोदी कच्छ के भुज में निर्माणाधीन स्मृतिवन के पहले चरण के कार्यों क लोकार्पण करेंगे। पीएम मोदी भुज एयरपोर्ट से रोड शो करने के बाद भुजिया डुंगर में बन रहे स्मृति वन का दौरा करेंगे। इस दौरान पीएम मोदी म्युजियम के अलावा भूकंप पीड़ितों की याद में 350 करोड़ की लागत से तैयार हो रहे स्मृति वन प्रोजेक्ट की जानकारी लेंगे। जिसके पश्चात पीएम मोदी कच्छ यूनिवर्सिटी ग्राउंड में विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे।

रेवड़ी कल्चर पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा- मुफ्त उपहार एक महत्वपूर्ण मुद्दा, इस पर बहस की जरूरत

शिमला। (एजेंसी)।

चुनाव में मतदातों को रिझाने के लिए राजनीतिक दलों की ओर से की जाने वाली लुभावनी घोषणाओं को रेवड़ी कल्चर का नाम दिया गया है। जुलाई में देश के प्रधानमंत्री मोदी ने भी इस पर बयान दिया था। जिसके बाद देश की राजनीति में बड़ा मुद्दा बने रेवड़ी कल्चर पर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। मामले की सुनवाई सीजेआई एनवी रमना की अध्यक्षता वाली तीन जजों की बेंच ने किया। सुप्रीम कोर्ट ने आज सुनवाई करते हुए कहा कि मुफ्त उपहार एक महत्वपूर्ण मुद्दा है और इस पर बहस की जरूरत है। सीजेआई एनवी रमना का ने कहा कि मान लीजिए कि केंद्र एक कानून बनाता है कि राज्य मुफ्त नहीं दे सकते हैं, तो क्या हम कह सकते हैं कि ऐसा कानून न्यायिक जांच के लिए खुला नहीं है।

सीजेआई ने सुनवाई के दौरान कहा कि उदाहरण के तौर पर गांवों में कोई रोजगार देता है और कोई साइकल देकर कहता है कि इससे जीवन बेहतर होगा। मेरा कहना है कि यह वाकई में हाशिए पर रहने वालों के लिए जरूरी है। किस तरह से अंतर रखा जाए। अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि चुनाव के दौरान किए गए वादे और उसके बाद के वादों को अलग रखा जा सकता है। जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि देश के कल्याण के लिए हम इस मुद्दे को सुन रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि ग्रामीण गरीबी से पीड़ित व्यक्ति के लिए मुफ्त उपहार महत्वपूर्ण हैं। जिस प्रश्न का निर्णय किया जाना है वह है - फ्रीबी क्या है और कल्याण क्या है?

सुप्रीम कोर्ट ने इससे पहले कहा था कि हम यह फैसला करेंगे कि मुफ्त की सौगात क्या है। अदालत ने कहा कि क्या सार्वभौमिक स्वास्थ्य देखभाल, पीने के पानी तक पहुंच, शिक्षा तक पहुंच को मुफ्त सौगात माना जा सकता है। हमें यह परिभाषित करने की आवश्यकता है कि एक मुफ्त सौगात क्या है। रेवड़ी कल्चर पर सुप्रीम कोर्ट में चल रही आज की सुनवाई पूरी हो गई है। अब कल फिर इस मुद्दे पर सुनवाई होगी।

हैदराबाद में पैगम्बर विवाद- भाजपा विधायक टी राजा सिंह गिरफ्तार

हैदराबाद (एजेंसी)।

देश में सांप्रदायिक सौहार्द को नजर सी लग गई है। अब हैदराबाद में पैगम्बर विवाद को लेकर बवाल मचा है। यहां भाजपा विधायक टी राजा सिंह के बयान पर हंगामा हो रहा है। तमाम मुस्लिम संगठन और सैकड़ों लोग सड़कों पर जमा हो गए हैं और विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। लोगों ने प्रदर्शन के दौरान सिर तन से जुटा नारे भी लगाए। कई प्रदर्शनकारियों को इस दौरान हिरासत में लिया गया है। लोगों ने मांग की है कि टी राजा सिंह को तत्काल गिरफ्तार किया जाए। मुस्लिमों का आरोप है कि कॉमेडियन मुनव्वर फारूकी के शो को बाधित करने की धमकी देने के दौरान टी राजा ने पैगम्बर मोहम्मद पर आपत्तिजनक बयान दिया है। हैदराबाद के दक्षिणी इलाके में लगातार हंगामे हो रहे हैं। विधायक टी राजा सिंह के घर गोशामहल इलाके में भारी पुलिस फोर्स तैनात कि गई है। मामले ने राजनीति रंग ले लिया है क्योंकि इस प्रदर्शन में एआईएमआईएम के नेता और कांग्रेस भी शामिल हो गई है।

डीसीपी दक्षिण क्षेत्र पी साई चैतन्य ने बताया कि पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणियों के लिए बीजेपी विधायक राजा सिंह के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर बीती रात साउथ जोन डीसीपी कार्यालय में विरोध प्रदर्शन हुआ था। विधायक पर धारा 295 (ए), 153 (ए) और अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। एआईएमआईएम नेता ने कहा कि मुसलमान पैगम्बर से जान से ज्यादा प्यार करता है। पूरी दुनिया का मुसलमान उनके लिए जान भी दे सकता है। बीजेपी के आधिकारिक लोग जानबूझकर ऐसा बयान दे रहे हैं, ताकि मुसलमानों को भड़काएं। समाज को बांटने वाला या धर्म की आस्था को चोट पहुंचाने वाले बयान कतई बर्दाश्त नहीं हैं। उन्होंने वही बयान दोहराया है जो नुपुर शर्मा ने दिया था। विधायक टी राजा ने कॉमेडियन मुनव्वर फारूखी के शो को लेकर कहा था, 'भले ही आप मुझे या मेरे समर्थकों को गिरफ्तार करें, मैं आपको एक बात बता दूं.. पहले से ही हमारे कार्यकर्ताओं ने ऑनलाइन टिकट खरीदे हैं। यदि आप यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि कोई कानून और व्यवस्था का मुद्दा नहीं है, तो मंत्री केटीआर, डीजीपी, साइबराबाद सीपी को शो रद्द कर देना चाहिए।'

प्रियंका गांधी का सवाल, दागी मंत्रियों को कब तक बचाते रहेंगे प्रधानमंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा 'टेनी' द्वारा किसान नेता राकेश टिकैत के बारे में की गई टिप्पणी को लेकर मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा और सवाल किया कि वह दागी मंत्रियों को कब तक बचाते रहेंगे। उन्होंने ट्वीट किया, ''सत्ता के संरक्षण के नशे का असर देखिए: गृह राज्य मंत्री एक के बाद एक किसानों को अपमानित करने वाले बयान दिए जा रहे हैं। लखीमपुर किसान नरसंहार के पहले भी इन्होंने किसानों को धमकाया था।''

कांग्रेस की उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी ने सवाल किया, ''प्रधानमंत्री जी, दागी मंत्रियों को कब तक बचाते रहेंगे? कब तक इनकी बदजुबानी को हौसला देते रहेंगे?'' गौरतलब है कि लखीमपुर खीरी हिंसा मामले में अपने बेटे की कथित संलिप्तता को लेकर आलोचनाओं का सामना कर रहे 'टेनी' का एक वीडियो सामने आया है जिसमें वह भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के नेता राकेश सिंह टिकैत को ''दो कौड़ी का'' बताते हुए नजर आ रहे हैं।

तिकोनिया कांड में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा 'टेनी' की बर्खास्तगी समेत विभिन्न मांगों को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा की अगुवाई में उत्तर प्रदेश में किसानों ने गत बृहस्पतिवार को सुबह से राजापुर मंडी समिति परिसर में 75 घंटे लंबा धरना आयोजित किया था। इसमें राकेश टिकैत भी शामिल हुए थे।

लाउडस्पीकर पर अजान से किसी के मौलिक अधिकार का हनन नहीं : हाईकोर्ट

बेंगलुरु (एजेंसी)।

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने मस्जिदों में 'अजान' के लिए लाउडस?पीकर के इस्?तेमाल पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। उच्च न्यायालय ने कहा कि लाउडस्पीकर पर 'अजान' देने से अन्य धर्मों के लोगों के मौलिक अधिकार का उल्लंघन नहीं होता। अदालत ने मस्जिदों को लाउडस्पीकर पर अजान देने से रोकने का आदेश देने से इनकार कर दिया। हालांकि, अदालत ने अधिकारियों को लाउडस्पीकरों से संबंधित 'ध्वनि प्रदूषण नियम' लागू करने और अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया।

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति आलोक अराधे के नेतृत्व वाली खंडपीठ ने बेंगलुरु के मंजूनाथ एस हलावर की एक जनहित याचिका पर सुनवाई की। याचिका में कहा गया था कि 'अजान देना मुसलमानों की एक आवश्यक धार्मिक प्रथा है, हालांकि अजान की आवाज अन्य धर्मों को मानने वालों को परेशान करती है। न्यायालय ने अपने आदेश में कहा कि 'भारतीय संविधान का अनुच्छेद 25 और 26 सहिष्णुता के सिद्धांत का प्रतीक है, जो भारतीय सभ्यता की विशेषता है। संविधान का अनुच्छेद 25 (1) लोगों को स्वतंत्र रूप से अपने धर्म को मानने और उसका प्रचार करने का मौलिक अधिकार प्रदान करता है।

अदालत ने कहा हालांकि, उपरोक्त अधिकार एक पूर्ण अधिकार नहीं है, बल्कि सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता, स्वास्थ्य के मामले में भारतीय संविधान के भाग 3 के अन्य प्रावधानों के तहत आने वाले प्रतिबंधों के अधीन है। अदालत ने कहा कि इस तर्क को स्वीकार नहीं किया जा सकता कि अजान की आवाज याचिकाकर्ता के साथ-साथ अन्य धर्म के लोगों को प्राप्त मौलिक अधिकार का उल्लंघन करती है।

विष्णुपद मंदिर के गर्भगृह नीतिश के मंत्री मंसूरी प्रवेश, मंदिर प्रशासन ने कहा, हिन्दुओं की भावनाओं को ठेस पहुंची

आगे की कार्रवाई मंदिर प्रशासन के लोगों की बैठक के बाद होगी

पटना (एजेंसी)।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गया में थे। इस दौरान बोधगया में उन्होंने प्राचीन विष्णुपद मंदिर के गर्भगृह में पूजा अर्चना की थी। तभी उनके अल्पसंख्यक मंत्री मोहम्मद इसराइल मंसूरी भी मौजूद रहे। इससे बिहार में नया बवाल मच गया है। विष्णुपद मंदिर में गैर हिंदुओं का प्रवेश वर्जित है। यह मंदिर के बाहर साफ अक्षरों में लिखा भी हुआ है। बावजूद इसके मंसूरी प्रवेश कर गए। मंत्री नीतीश के साथ खड़े दिखाई दे रहे हैं। वहीं, मंदिर प्रशासन भी इससे नाराज बताया जा रहा है। मंदिर प्रशासन की ओर से कहा गया है, कि कोई मुस्लिम मंदिर में जानबूझकर प्रवेश कर गया। मंदिर प्रशासन की ओर से कहा गया है, कि हमें इसकी जानकारी नहीं थी। हम चेहरे को पहचान नहीं सके। जो स्थानीय लोग थे, उन्हें रोकना चाहिए था।

मंदिर प्रशासन ने कह दिया है कि इससे सनातन धर्म और पंडा समाज को ठेस पहुंची है। जानबूझकर ऐसा किया गया है। जिसने भी गलत की है, उस माफी मांगने चाहिए। इसपर भाजपा नीतीश पर हमलावर होकर हिंदू भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगा रही है। भाजपा नेता अरविंद कुमार सिंह ने कहा है, अपनी कुर्सी बचाने के लिए नीतीश कुमार हिंदुओं की भावनाओं को कितना ठेस पहुंच जाएंगे। 17-18 साल मुख्यमंत्री रहने वाले नीतीश कुमार को क्या पता नहीं है कि विष्णुपद मंदिर में गैर हिंदुओं का जाना वर्जित है।

भाजपा विधायक और लगातार नीतीश कुमार पर हमलावर रहने वाले हरी भूषण ठाकुर ने कहा है कि विधर्मियों ने मंदिर को अपमानित किया है। नीतीश ने हिंदुओं की भावनाओं को आहत किया है। मंदिर प्रशासन दावा कर रहा है, कि नीतीश के साथ मुस्लिम मंत्री का मंदिर के अंदर आना कानून के खिलाफ है। आगे की कार्रवाई मंदिर प्रशासन के लोगों की बैठक के बाद होगी। दूसरी ओर नीतिश के मंत्री मंसूरी का बयान सामने आ गया है। उन्होंने कहा है कि यह संयोग है, कि मैं नीतीश कुमार के साथ गर्भ गृह में प्रवेश किया और मुझे पूजा करने का अवसर मिला।

एससीओ बैठक से इतर राजनाथ चीनी रक्षा मंत्री से सीमा विवाद पर कर सकते हैं चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्री स्तर के सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए मंगलवार को तीन दिवसीय यात्रा पर उज्बेकिस्तान की राजधानी ताशकंद के लिए रवाना हो गए हैं। चीन के रक्षा मंत्री जनरल वेई फेंघे और रूसी रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगू के भी एससीओ बैठक में भाग लेने वाले हैं। माना जा रहा है कि रक्षामंत्री राजनाथ सिंह एससीओ बैठक से इतर सीमा विवाद पर चीनी समकक्ष से बातचीत कर सकते हैं। इनके अलावा समूह के अन्य सदस्य देशों के उनके समकक्षों के भी एससीओ बैठक में शामिल होने की संभावना है। प्रभावशाली समूह के वार्षिक शिखर सम्मेलन से लगभग तीन सप्ताह पहले एससीओ सदस्य देशों के रक्षा मंत्री स्तर की बैठक हो रही है। शिखर सम्मेलन 15-16 सितंबर को समरकंद में निर्धारित है।

राजनाथ सिंह ने एक ट्वीट में बताया, कल 23 अगस्त को मैं ताशकंद में होने वाली, एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए उज्बेकिस्तान में रहूंगा। मैं उज्बेकिस्तान के रक्षा मंत्री लेफ्टिनेंट जनरल निजामोविच के साथ द्विपक्षीय बैठक करूंगा और भारतीय समुदाय के साथ भी बातचीत करूंगा। इसे लेकर उत्साहित हूं। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सिंह 23-25 अगस्त तक ताशकंद की अपनी यात्रा के दौरान एससीओ के कुछ सदस्य देशों के रक्षा मंत्रियों से मुलाकात करेंगे। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि सिंह और शोइगू के बीच बैठक होगी या नहीं। भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच पूर्वी लद्दाख में दो साल से अधिक समय से टकराव के कई बिंदुओं को लेकर गतिरोध बरकरार है। राजनाथ सिंह 24 अगस्त को एससीओ की बैठक को संबोधित करने वाले हैं। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा ताशकंद की यात्रा के दौरान, रक्षा मंत्री उज्बेकिस्तान गणराज्य के रक्षा मंत्री लेफ्टिनेंट जनरल बखोदिर कुर्बानोव से मुलाकात करेंगे, जो मेजबान देश भी है। बयान के अनुसार इसके अलावा इस बैठक के इतर उनकी एससीओ के कुछ अन्य सदस्य देशों के रक्षा मंत्रियों के साथ भी बैठकें निर्धारित हैं, जहां द्विपक्षीय मुद्दों और आपसी हित के मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

एससीओ की बैठक में यूक्रेन और अफगानिस्तान की स्थिति सहित क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों पर विचार-विमर्श होने की उम्मीद है। एससीओ एक प्रभावशाली आर्थिक और सुरक्षा समूह है और यह सबसे बड़े अंतर-क्षेत्रीय अंतरराष्ट्रीय संगठनों में से एक के रूप में उभरा है। 2017 में भारत और पाकिस्तान इसके स्थायी सदस्य बने। एससीओ की स्थापना 2001 में शंघाई में रूस, चीन, किर्गिज गणराज्य, कजाकिस्तान, तजाकिस्तान और उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपतियों द्वारा एक शिखर सम्मेलन में की गई थी।

इंडियाना के गवर्नर ने ताइवान की राष्ट्रपति से मुलाकात की

ताइवे। अमेरिका के इंडियाना प्रांत के गवर्नर एरिक होलकोम्ब ने सोमवार को ताइवान की राष्ट्रपति साई इंग-वेन के साथ मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच यह मुलाकात ऐसे समय हुई है जब अमेरिकी नेताओं की हाल ही में दो हाई-प्रोफाइल यात्रा हुई थी। इन यात्राओं को लेकर चीन ने नाराजगी जतायी थी और चीन की सेना ने सैन्य अभ्यास किया था। होलकोम्ब के कार्यालय की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, एरिक होलकोम्ब चार दिवसीय यात्रा पर रविवार शाम ताइवान पहुंचे थे। यह यात्रा आर्थिक आदान-प्रदान पर ध्यान केंद्रित होगी, विशेष रूप से सेमीकंडक्टर के मामले में। इस महीने की शुरुआत में प्रतिनिधि सभा की स्पीकर नैंसी पेलोसी ताइवान की यात्रा पर आई थीं। उसके बाद अमेरिकी कांग्रेस का एक नया प्रतिनिधिमंडल ताइवान के दौरे पर आया था। चीन स्व-शासित द्वीप को अपना क्षेत्र बताता है और विदेशी सरकारों के साथ किसी भी आदान-प्रदान को अपने दावे के उल्लंघन के रूप में देखता है। साई ने बैठक से पहले भाषण में तनाव को स्वीकार किया और आगे के आदान-प्रदान का स्वागत किया। उन्होंने कहा, ''ताइवान जलडमरूमध्य में और उसके आसपास चीन की ओर से सैन्य खतरों का सामना कर रहा है। इस समय, लोकतांत्रिक सहयोगियों को एकसाथ खड़ा होना चाहिए और सभी क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देना चाहिए।'' अलग से, जापानी सांसद केजी फुरुया और मिनोरू किहारा सोमवार को ताइवान पहुंचे और मंगलवार को साई से मुलाकात करेंगे।

भारतीय छात्रों के लिए चीन फिर जारी करेगा स्टूडेंट्स वीजा

बीजिंग । चीन ने कोविड प्रतिबंधों के कारण फंसे सैकड़ों भारतीय छात्रों के लिए दो साल से अधिक समय बाद सोमवार को वीजा जारी करने की योजना की घोषणा की। इसके अलावा भारतीयों के लिए व्यापार वीजा सहित विभिन्न श्रेणियों के लिए भी वीजा जारी किए जाने की योजना की घोषणा की गई। चीनी विदेश मंत्रालय में एशियाई मामलों के विभाग में काउंसलर जी रोंग ने ट्वीट किया भारतीय छात्रों को हार्दिक बधाई! आपका धैर्य सार्थक साबित हुआ। मैं वास्तव में, आपके उत्साह और खुशी को साझा कर सकती हूं। चीन में आपका स्वागत है! उनके ट्वीट ने नई दिल्ली में चीनी दूतावास द्वारा छात्रों, व्यापारियों और चीन में काम करने वालों के परिवारों के लिए वीजा शुरू करने की विस्तृत घोषणा का हवाला दिया। घोषणा के अनुसार, एक्स1-वीजा, उन छात्रों को जारी किया जाएगा जो उच्च शैक्षणिक शिक्षा के लिए लंबी अवधि की खातिर चीन जाना चाहते हैं। इनमें नए छात्रों के अलावा वे छात्र भी शामिल हैं जो अपनी पढ़ाई आगे जारी रखने के लिए चीन लौटना चाहते हैं। कोविड वीजा प्रतिबंधों के कारण 23,000 से अधिक भारतीय छात्र घर वापस गए थे। उनमें से ज्यादातर मेडिकल के छात्र हैं। चीन ने अपनी पढ़ाई के लिए तुरंत लौटने के इच्छुक लोगों के नाम मांगे थे और उसके बाद भारत ने कई सौ छात्रों की सूची सौंपी थी। श्रीलंका, पाकिस्तान, रूस और कई अन्य देशों के कुछ छात्र हाल के हफ्तों में चार्टर्ड उड़ानों से चीन पहुंच चुके हैं। दिल्ली में चीनी दूतावास की वेबसाइट पर प्रकाशित घोषणा में कहा गया है कि नए छात्रों के साथ ही उन पुराने छात्रों को छात्र वीजा जारी किए जाएंगे जो कोविड वीजा प्रतिबंध के कारण चीन की यात्रा नहीं कर सके थे। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार 1,000 से अधिक पुराने भारतीय छात्रों ने अपनी पढ़ाई जारी रखने की इच्छा व्यक्त की है।

श्रीलंका की नौसेना-वायुसेना को ईंधन मुहैया कराने में भारत के साथ मदद कर रहा ऑस्ट्रेलिया: पॉल स्टीफंस

कोलंबो । श्रीलंका में ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त पॉल स्टीफंस ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया और भारत संकटग्रस्त श्रीलंका की नौसेना तथा वायुसेना को ईंधन मुहैया कराने पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि रणनीतिक हिंद महासागर में क्षेत्रीय सुरक्षा के संरक्षण को लेकर तीनों देशों की प्रतिबद्धता है। श्रीलंका अभूतपूर्व आर्थिक संकट का सामना कर रहा है, जिसके कारण ईंधन और अन्य आवश्यक वस्तुओं की भारी कमी हो गई है। स्टीफंस ने कहा श्रीलंका की नौसेना और वायुसेना को ईंधन प्रदान करने के लिए भारत के साथ काम करके ऑस्ट्रेलिया प्रसन्न है। यह अंतरराष्ट्रीय अपराध के खिलाफ हमारे लंबे समय से चले आ रहे सहयोग को जारी रखने में मदद करेगा। हिंद महासागर के पड़ोसियों के रूप में, तीनों देशों की क्षेत्रीय सुरक्षा के संरक्षण के लिए एक प्रतिबद्धता है।卐 संकट का सामना कर रहे श्रीलंका की भारत लगातार मदद कर रहा है।

अमेरिकी शहर प्लीजैंटन में भारतीय राष्ट्रीय ध्वज फहराकर स्वतंत्रता दिवस मनाया गया

वाशिंगटन । अमेरिका में कैलिफोर्निया के एक छोटे-से शहर प्लीजैंटन ने पहली बार राष्ट्रीय ध्वज फहराकर भारत का स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। यह अमेरिका में भारत की बढ़ती लोकप्रियता का संकेत है। भारतवंशी अमेरिकी नागरिकों के समुदाय के सदस्यों द्वारा आयोजित आजादी का अमृत महोत्सव में प्लीजैंटन शहर की मेयर कार्ला ब्राउन ने भी हिस्सा लिया। प्रवासी भारतीय सम्मान से सम्मानित और डीआंजा कम्युनिटी कॉलेज में हिंदी भाषा की प्रो नीलू गुप्ता ने तिरंगा फहराया। खाड़ी क्षेत्र में हिंदी और भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए उन्हें 2021 में यह पुरस्कार मिला। ब्राउन ने आशा व्यक्त की कि यह आयोजन शहर में विभिन्न संस्कृतियों के कई और समारोहों की शुरुआत के रूप में काम कर सकता है। उन्होंने कहा जब हम मित्रों और पड़ोसियों के नाते एकजुट होते हैं तो विभिन्न संस्कृतियों और मूल्य प्रणालियों के बारे में सीखते हैं और उन्हें अपनाते हैं। एक समुदाय के रूप में हम यहां आजादी के बाद से 75 वर्षों में भारत की आजादी की राह और उसकी अविश्वसनीय उपलब्धियों का जश्न मना रहे हैं। नीलू गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा मैं प्लीजैंटन के इतिहास में इस तरह के एक प्रमुख, ऐतिहासिक क्षण का हिस्सा बनने को लेकर बहुत आभारी हूं। मैं नगर प्रशासन को उनके उत्कृष्ट सहयोग के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं। प्लीजैंटन में लंबे समय से निवासी सेवानिवृत्त शिक्षक और सक्रिय रोटरी सदस्यों गैरी और नैन्सी हैरिंगटन ने अमेरिकी ध्वज भी फहराया। गैरी और नैन्सी हैरिंगटन ने कहा प्लीजैंटन के भारतीय समुदाय ने हमेशा नैन्सी और मुझे आकर्षित किया है। मुझे रोटरी क्लब के माध्यम से भारत में और अधिक परियोजनाओं को जारी रखने की उम्मीद है।

बढ़ती महंगाई के कारण वेश्यावृति को मजबूर हुई ब्रिटेन की महिलाएं

लंदन । ब्रिटेन में महंगाई की मार का सबसे ज्यादा सामना घरेलू महिलाओं को करना पड़ रहा है वे अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए वेश्यावृत्ति का काम करने लगी हैं। इंग्लिश कलेक्टिव ऑफ प्रॉस्टिट्यूट नामक संस्था की रिपोर्ट के अनुसार महंगाई बढ़ने के कारण अब पहले के मुकाबले वेश्यावृत्ति का कारोबार कई गुना तक बढ़ गया है। यह संस्था महिलाओं को वेश्यावृत्ति के कारोबार से बाहर निकालने में सहायता करती है। एक रिपोर्ट के अनुसार महिलाएं अपनी रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने के लिए अपने देह का व्यापार करने लगी हैं। उत्तरी लंदन में स्थित यह राष्ट्रीय संस्था महिलाओं को यौन कार्य के सभी क्षेत्रों में सलाह देता है कि कैसे खुद को सुरक्षित रखें। साथ ही कानूनी सलाह भी महिलाएं इंग्लिश कलेक्टिव ऑफ प्रॉस्टिट्यूट से लेती रहती हैं। संस्था के मुताबिक अब ऐसी सलाह मांगने वाली महिलाओं में 33 फीसदी की वृद्धि देखी गई है। 30 वर्षों में हजारों महिलाओं की मदद करने वाली प्रवक्ता निकी एडम्स ने कहा कि कॉस्ट ऑफ़ लिविंग के बढ़ने से अब महिलाएं अब विभिन्न तरीकों से यौन कार्यों में खुद को धकेल रही है फिर चाहे वह सड़क पर, परिसर में या ऑनलाइन ही क्यों न करने पड़े। यह महिलाएं अब वेश्यावृत्ति से मिलनी वाली धन राशि का उपयोग कर अपने घर को चला रही हैं। बढ़ती महंगाई की चपेट में जानवर भी आ रहे हैं। लोगों के अपने पालतू जानवरों को खाना देने में विफल होने के बाद आरएसपीसीए संस्था ने गत माह इंग्लैंड में 19,500 कुत्तों-बिल्लियों को भोजन उपलब्ध कराया, जबकि जनवरी में यह संख्या नौ हजार थी। यह संस्था जानवरों को भोजन उपलब्ध कराती हैं जिससे भोजन की कमी के कारण जानवरों की मृत्यु न हो।

द. अफ्रीका के समुद्र तट पर मरा मिला विशालकाय स्क्विड, बड़ी-बड़ी आखें देख हैरान हुए लोग

केपटाउन । दक्षिण अफ्रीका में समुद्र तट पर एक दैत्याकार स्क्विड मरा हुआ पाया गया है। ट्विटर यूजर टिम डी ने इस दुर्लभ प्रकार के समुद्री जीव को केपटाउन स्थित एक बीच पर मंगलवार को पाया है। टिम डी नाम के ट्विटर हैंडल पर इसकी फोटो और वीडियो शेयर किया गया है, जिसमें रंगीन स्क्विड की बड़ी-बड़ी आंखें दिख रही हैं। ट्वीट में उन्होंने लिखा, स्कारबोरो बीच पर ये अजीब तरह का दिखने वाला समुद्री जीव मिला है। ट्विटर पर शेयर किए गए वीडियो में दिख रहा है कि एक समुद्री जीव विज्ञानी ने स्क्विड की विशाल शिकारी चोंच को पकड़ा है। ये जीव अपनी बड़ी-बड़ी आंखों के लिए जाना जाता है। आमतौर पर ये 3.5 इंच की पुतली के साथ 11 इंच व्यास तक होता है। इसकी बड़ी आंखों की खासियत है कि इनमें ज्यादा रोशनी आ सकती है। इसकी बड़ी आंखें बायोल्यूमिनसेंट प्रकाश का भी पता लगा सकती है, जिसे गहरे समुद्र में खोजना मुश्किल है। इससे पहले भी पास के इलाके में एक स्क्विड कुछ दिनों पहले मिला था।

वैलिंगटन में न्यूजीलैंड संसद के बाहर प्रदर्शन करते हुए लोग।

प्रधानमंत्री सना मरिन का ड्रग टेस्ट नेगेटिव आया

हेलसिंकी । फिनलैंड की प्रधानमंत्री सना मरिन का ड्रग टेस्ट नेगेटिव आया है। हाल के दिनों में पीएम सना का वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रहा था, जिसमें वह जमकर पार्टी करती दिख रही थी। पार्टी में डांस, गाना और ड्रिंक भी हो रहे थे, जिसके बाद विपक्षी पार्टी ने सना पर पार्टी में ड्रग्स लेने का आरोप लगाया था। लेकिन अब मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से आई खबर के अनुसार, सना मरीन का ड्रग टेस्ट नेगेटिव आ गया है। इसकी जानकारी खुद सरकार ने साझा किया है। सना पर इस दौरान कई सवाल और आरोप लगे और इन्हीं सबका जवाब देने के लिए 36 साल की मरिन ने ड्रग्स टेस्ट कराया। पीएम ने अपने बयान में कहा कि उन्होंने कभी भी ड्रग्स नहीं लिया और न ही पार्टी में कुछ अवैध किया गया। मरीन ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों से इनकार किया। हालांकि,उन्होंने पार्टी में शराब पीने की बात स्वीकारी। बता दें कि एक वीडियो लीक हो गया जिसमें वह फिनिश पॉपस्टार सहित दोस्तों के साथ पार्टी करती दिख नजर आ रही हैं। सरकार ने बयान जारी कर कहा कि टेस्ट में ड्रग्स नहीं मिली है। पीएम ने टेस्ट के पैसे भी खुद ही दिए। कोकीन, एम्फैटेमिन, भांग और ओपिओइड के लिए उनका यूरीन टेस्ट किया गया था। वीडियो सामने आने के बाद सना मरीन की काफी आलोचना की गई थी। विपक्षी पार्टी ने उनके ड्रग्स टेस्ट की मांग की थी। बता दें कि सना दिसंबर 2019 से फिनलैंड की सत्ता संभाल रही है।

भारत के साथ ब्रिटेन के रिश्तों को नई ऊंचाई प्रदान कर दोतरफा बनाएंगे: ऋषि सुनक

लंदन।(एजेंसी)।

इंग्लैंड में पीएम पद की दौड़ में लिज ट्रस से भारतीय मूल के ऋषि सुनक का सीधा मुकाबला है हालांकि वे फिलहाल पिछड़ गए है। सुनक ने कहा कि वे भारत के साथ ब्रिटेन के रिश्तों को नई ऊंचाई प्रदान करेंगे। साथ ही दोनों देशों के बीच रिश्तों को दोतरफा बनाएंगे। इससे ब्रिटेन के छात्रों और कंपनियों को भारत में फायदा होगा। भारतीय मूल के लोगों के एक कार्यक्रम में ऋषि सुनक ने अपने भाषण की शुरुआत हिंदी में की और कहा, 'नमस्ते, सलाम और केम छो और किद्दा। आप सब मेरे परिवार हो।' उन्होंने इस दौरान चीन पर फिर से निशाना साधा।

कंजरवेटिव फ्रेंड्स ऑफ इंडिया के कार्यक्रम में ऋषि सुनक ने ब्रिटेन में बसे भारतीय मूल के लोगों का स्वागत किया। उन्होंने कहा, 'हम जानते हैं कि भारत और ब्रिटेन का रिश?ता बहुत महत?वपूर्ण है। हम दोनों देशों के बीच एक जीवंत पुल का काम करते हैं।' उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा, 'हम सभी जानते हैं कि ब्रिटेन के लिए भारत में अपनी चीजों को बेचने और चीजों का करने के लिए मौका है लेकिन वास्तव में हमें रिश्तों को अलग तरीके से देखना होगा क्योंकि हम यहां ब्रिटेन में बहुत सारी चीजों को भारत से सीख सकते हैं।'

ऋषि सुनक ने कहा, 'मैं यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि यह आसान है कि हमारे छात्र भी भारत की यात्रा पर जाएं और वहां सीखें। यह हमारी कंपनियों और भारतीय कंपनियों के लिए भी आसान है कि वे एक साथ काम करें क्योंकि यह एक तरफा रिश्ता नहीं है। यह दोतरफा रिश्ता है। यह उसी तरह का बदलाव है जिसे मैं रिश्तों में लाना चाहता हूं।' उन्होंने एक बार फिर से चीन पर निशाना साधते हुए कहा कि ब्रिटेन को बीजिंग की आक्रामकता से रक्षा करना होगा।

सुनक ने कहा, 'चीन और उसकी कम्युनिस्ट पार्टी हमारी अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा है।' उन्होंने कहा कि आप लोग किसी संदेह में नहीं रहें। अगर मैं प्रधानमंत्री बना तो मैं आपको, आपके परिवार और हमारे देश को सुरक्षित रखूंगा क्यूंकि कंजरवेटिव प्रधानमंत्री के रूप में यह मेरी पहली जिम्मेदारी है। इस दौरान वहां मौजूद भारतीयों ने सुनक को जीत का आशीर्वाद दिया। ऋषि सुनक इस समय लिज ट्रस से पीएम पद की दौड़ में पीछे चल रहे हैं लेकिन वह हार नहीं मान रहे हैं और लगातार मुकाबले में डटे हुए हैं।

यूएनएससी में भारत की चीन को दो टूक, आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को भी सुनाई खरी-खरी

जिनेवा (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में भारत ने चीन दो टूक शब्दों में खरी-खरी सुनाई। भारत ने क्षेत्रीय अखंडता और हस्ताक्षर किए गए विभिन्न समझौतों का सम्मान करने का आह्वान किया है। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने कहा कि यथास्थिति को बदलने के लिए बलपूर्वक की गई जबरदस्ती और एकतरफा कार्रवाई आम सुरक्षा का अपमान है। भारत की ओर से ये बयान तब आया है जब चीन के साथ एलएसी पर लगातार तनाव है। 2020 में गलवान घाटी की हिंसा के बाद दोनों देशों के संबंधों में गिरावट देखने को मिली है।

भारत के स्थायी प्रतिनिधि ने कहा, 'साझा सुरक्षा तभी संभव है जब देश एक दूसरे की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करें, ठीक उसी तरह जैसा वह दूसरे से उनकी संप्रभुता के सम्मान की उम्मीद करते हैं।' विस्तारवाद चीन की पुरानी नीति रही है। 2017 में भी चीन ने डोकलाम का विवाद किया था। डोकलाम तनाव के दौरान चीन ने भूटान के क्षेत्र पर सड़क बनाने की कोशिश की थी।

सामान्य सुरक्षा के मुद्दे पर राजदूत रुचिरा कंबोज ने कहा, 'सामान्य सुरक्षा तभी संभव है जब देश दूसरों के साथ किए समझौतों का सम्मान करें। भले ही यह द्विपक्षीय हों या बहुपक्षीय। समझौतों को रद्द करने के लिए एकतरफा उपाय नहीं करना चाहिए।' भारत की ओर से कई बार इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि चीन 1996 और 1993 के समझौतों का सम्मान नहीं कर रहा है, जिसके तहत सीमा पर सैनिकों को न इकट्ठा करने का आह्वान किया गया है।

चीन के खतरों से निपटने जापान तैनात करेगा 1000 लंबी रेंज वाली क्रूज मिसाइलें!

टोयो (एजेंसी)।

ताइवान पर अपना हक जता रहे चीन के संभावित खतरों से निपटने के लिए जापान लंबी रेंज वाली क्रूज मिसाइलें तैनात कर सकता है। जापान की मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ये मिसाइलें नैंसेई द्वीप पर तैनात की जा सकती हैं जो उत्तर कोरिया और चीन के पास है। जापान 100 किमी की रेंज वाली कम से कम 1000 मिसाइलें तैनात कर सकता है जिन्हें जहाजों और विमानों से लॉन्च किया जा सकता है। जापान की तरफ से ये खबरें ऐसे समय पर आ रही हैं जब चीन ने अमेरिकी संसद की स्पीकर नैंसी पेलोसी की यात्रा के बाद ताइवान के चारों ओर सबसे बड़ा सैन्य अभ्यास किया था। इस ड्रिल की आंच जापान तक भी पहुंची थी।

जापानी अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक जापान अपनी एक मिसाइल टाइप 12 की क्षमता को बढ़ाने पर विचार कर रहा है। ये मिसाइल पूरी तरह से जापान में ही तैयार हुई है। इस मिसाइल को जमीन से किसी भी वॉरशिप पर हमले के लिए प्रयोग किया जा सकता है। इसका प्रयोग इस समय जापान की ग्रांउड सेल्फ डिफेंस फोर्स कर रही है और ये 1000 किमी तक के किसी भी टारगेट को नष्ट कर सकती है।

रिपोर्ट के अनुसार अपग्रेडेड ग्राउंड-लॉन्च्ड टाइप 12 को योजना से दो साल पहले 2024 में तैनात किया जाएगा। इसके अलावा जापान अपनी जमीनी हमले की क्षमताओं को भी अपग्रेड करेगा। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से जापान शांतिवादी विदेश नीति का पालन करता है और अपनी सेना को सिर्फ आत्मरक्षा के लिए इस्तेमाल करता है। आक्रामक क्षमताओं की कमी के बावजूद जापान की सेना एशिया की सबसे सक्षम सेनाओं में से एक है।

हालांकि मौजूदा समय में चीन और उत्तर कोरिया के तेजी से बढ़ते खतरों को देखते हुए जापान अपनी 'सेल्फ डिफेंस' मुद्रा में बदलाव करने के लिए विचार कर सकता है। अखबार मे अमेरिकी रक्षा विभाग (डीओडी) के विश्लेषण का हवाला दिया जिसमें कहा गया है कि चीन के पास 1,900 जमीन से लॉन्च की जाने वाली मध्यम दूरी की मिसाइलें और 300 मध्यम दूरी की क्रूज मिसाइलें हैं जो जापान पर हमला करने में सक्षम हैं।

तुर्की में तैयार हुआ था भारत के खिलाफ 'मानव बम', रूस ने किया पर्दाफाश, देश को थी दहलाने की साजिश

मास्को (एजेंसी)।

भारत में किसी बड़े आत्मघाती हमले की साजिश रचने वाले इस्लामिक स्टेट के एक आतंकवादी को रूस ने पकड़ लिया। उसके बाद उस आतंकवादी ने जो खुलासे किए हैं, इससे जाहिर होता है कि भारत के खिलाफ कितनी बड़ी साजिश रची जा रही थी। भारत को दहलाने का पूरा गेम प्लान था। लेकिन अपने नापाक साजिश को अंजाम देने से पहले ही आतंकवादी भारत के दोस्त रूस के शिकंजे में फंस गया। आतंकवादी ने आपने खुलासे में साफ तौर पर कहा है कि वह भारत में किसी बड़े आतंकवादी हमले की तैयारी में था। उसने भारत को दहलाने के लिए तुर्की में ट्रेनिंग भी ली थी। वह मानव बम बन गया था और आत्मघाती हमले की फिराक में भारत पहुंचने वाला था। इससे साफ तौर पर जाहिर होता है कि यह आतंकी साजिश बेहद खतरनाक थी और इसे रचा था आईएस के आतंकियों ने।

रूस की खुफिया एजेंसी ने फिलहाल आतंकवादी की पहचान उजागर नहीं की। उसने स्वीकार किया है कि वह पैगंबर मोहम्मद का अपमान करने के लिए भारत के सत्तारूढ़ दल के एक सदस्य के खिलाफ आतंकवादी कृत्य को अंजाम देने की तैयारी कर रहा था। सीपीआर की ओर से उससे पूछताछ का वीडियो सोमवार को जारी किया गया है जिसमें आतंकवादी का चेहरा धुंधुला किया गया है और वह टूटी-फूटी रूसी बोल रहा था। वीडियो में वह कह रहा है कि उसने अप्रैल 2022 में आईएसआईएस के 'अमीर' के प्रति निष्ठा की शपथ ली थी और एक विशेष प्रशिक्षण लिया था जिसके बाद वह रूस आया और यहां से भारत जाता। उसने कहा, 'पैगंबर मोहम्मद का अपमान करने के लिए आईएसआईएस के इशारे पर आतंकवादी हमला करने के लिए मुझे वहां चीजें दी जानी थीं।' रूस की शीर्ष खुफिया एजेंसी ने बताया कि यह व्यक्ति एक मध्य एशियाई देश का रहने वाला है और उसने आत्मघाती हमला करने के लिए प्रशिक्षण लिया था।

आपको बता दें कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तत्कालीन प्रवक्ता नुपुर शर्मा और पार्टी के दिल्ली ईकाई के मीडिया प्रकोष्ठ के तत्कालीन प्रमुख नवीन कुमार जिंदल ने पैगंबर को लेकर विवादित टिप्पणियां की थी जिसके बाद मुस्लिम देशों ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी थी और पार्टी ने नुपुर को निलंबित और कुमार को निष्कासित कर दिया था। खूंखार आतंकवादी संगठन आईएसआईएस और इससे संबंधित सभी संगठनों को भारत में प्रतिबंधित किया गया है। वे इराक और सीरिया में कई हमले करने के लिए जिम्मेदार हैं। गृह मंत्रालय ने आतंकवादी समूह पर प्रतिबंध लगाते हुए कहा है कि भारत के युवाओं की संगठन में भर्ती और उन्हें कट्टर बनाया जाना देश के लिए गंभीर चिंता का विषय है, खासकर जब ऐसे युवा भारत लौटते हैं तो राष्ट्रीय सुरक्षा पर इसके संभावित प्रभाव पड़ सकते हैं।

जरदारी का इमरान खान पर परोक्ष वार, सत्ता की लालसा बना रही है उन्हें पागल

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

इमरान खान पर परोक्ष रूप से प्रहार करते हुए पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने मंगलवार को कहा कि सत्ता के लिए पूर्व प्रधानमंत्री की लालसा उन्हें 'पागल' बना रही है तथा न्यायपालिका को यह तय करना चाहिए कि क्या ''सत्ता लालसा'रखने वाला ये व्यक्ति कानून से ऊपर हैं? उनकी इस टिप्पणी से दो दिन पहले अधिकारियों ने खान के खिलाफ पिछले सप्ताह यहां एक रैली में पुलिस, न्यायपालिका एवं अन्य सरकारी संस्थानों को धमकाने को लेकर आतंकवाद संबंधी आरोप दर्ज किये थे। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक जरदारी ने सिंध के मंत्रियों के साथ एक बैठक के दौरान कहा, '' सभी प्रांत इस आपात स्थिति में हमारी ओर देख रहे हैं लेकिन एक ऐसा व्यक्ति है जिसकी सत्ता की लालसा उसे हर बीतते दिन पागल बना रही है।''

डॉन अखबार के अनुसार पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख का नाम लिये बगैर जरदारी ने कहा कि यह व्यक्ति सेना, पुलिस और एक महिला मजिस्ट्रेट को कथित रूप से धमका रहा है। उनके अनुसार '' यह व्यक्ति प्रशासन को उसे गिरफ्तार करने की चुनौती देता है।'' पीपीपी सह अध्यक्ष ने कहा, '' यह व्यक्ति प्रतिदिन हमारी सेना को निशाने पर ले रहा है, यह वही सेना है जो आतंकवादियों से लोहा ले रही है तथा देश की खातिर अपनी जान कुर्बान कर रही है।'' जरदारी का बयान खान के हाल के बयानों की पृष्ठभूमि में आया है। खान ने सैन्य प्रतिष्ठान को 'तटस्थ' करार देकर उसके बारे में कुछ बातें कही थी। उन्होंने अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश जेबा चौधरी के बारे में भी कुछ कहा था जिन्होंने उनके प्रमुख कर्मी शहबाज गिल को इस्लामाबाद पुलिस की हिरासत में भेजा था।

जरदारी ने सरकार से अपने अधिकार को स्थापित करने का आह्वान किया और चेतावनी दी कि ''अन्यथा संस्थानों पर उनका हमला जारी रहेगा।'' शनिवार को यहां एक रैली में खान ने इस्लामाबाद के पुलिस महानिरीक्षक एवं उप पुलिस महानिरीक्षक के विरूद्ध मामले दर्ज करने की धमकी दी थी और कहा था, '' हम आपको नहीं बख्शेंगे।'' उन्होंने न्यायपालिका को उनकी पार्टी के प्रति उसके 'भेदभावपूर्ण' रवैये को लेकर चेतावनी दी थी और कहा था कि उसे परिणाम के लिए तैयार रहना चाहिए।

संपादकीय

रूस ने पकड़ा भारत का दुश्मन

अब से तीन माह पहले 'इस्लामिक स्टेट' ने 50 पृष्ठ का एक दस्तावेज इसी मुद्दे पर जारी किया था, जिस पर गाय के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चित्र भी था। तुर्किए में प्रशिक्षित यह 30 वर्षीय उजबेक आजमोव रूस पहुंच कर भारत आने की फिराक में था।

(लेखक-डॉ वेदप्रताप वैदिक)

रूस से संबंधित अभी-अभी दो घटनाएं ऐसी हुई हैं, जिन्होंने सारी दुनिया का ध्यान खींचा है। पहली घटना है-दारिया दुगिना की हत्या। यह लड़की रूसी नेता व्लादिमीर पूतिन के मुख्य रणनीतिकार अलेक्जेंडर दुगिना की बेटी थी। दूसरी घटना भारतीयों के लिए और भी ज्यादा गंभीर है। वह है आजमोव की गिरफ्तारी की ! आजमोव को रूसी पुलिस ने गिरफ्तार किया है, क्योंकि उससे कई ठोस प्रमाण मिले हैं, जिनसे पता चलता है कि उज़बेकिस्तान का यह नागरिक किसी बड़े भारतीय नेता की हत्या के लिए तैयार किया गया था। यह 'इस्लामिक स्टेट ऑफ खुरासान प्रॉविंस' का कारिंदा है। यह मुसलमान युवक किसी पूर्व-सोवियत राज्य से आकर तुर्किए में प्रशिक्षित हुआ है। इसे जिम्मेदारी दी गई थी कि वह भारत जाकर किसी नेता पर आत्मघाती हमला करे। यह हमला नुपूर शर्मा के बयान के विरोध में होना था। अब से तीन माह पहले 'इस्लामिक स्टेट' ने 50 पृष्ठ का एक दस्तावेज इसी मुद्दे पर जारी किया था, जिस पर गाय के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चित्र भी था। तुर्किए में प्रशिक्षित यह 30 वर्षीय उजबेक आजमोव रूस पहुंच कर भारत आने की फिराक में था। इसके पीछे काम कर रही 'इस्लामिक स्टेट' चाहती थी कि वह 'अल-क़ायदा' के उग्रवाद से भी आगे निकल जाए। जब रूसी गुप्तचर एजेंसी ने आज़मोव को गिरफ्तार करके कड़ी पूछताछ की तो उसने बहुत-से रहस्यों को उगल दिया। मध्य एशिया के इन पूर्व-सोवियत देशों में इस्लामिक कट्टरवाद को रूसी कम्युनिस्टों ने कभी पनपने नहीं दिया था। इन पांच राष्ट्रों के सात करोड़ लोग ठीक से नमाज़ पढ़ना भी नहीं जानते थे। वे रोज़े भी ठीक से नहीं रखते थे। उन्होंने अपने तुर्की और फारसी नामों का भी रूसीकरण कर लिया था। जैसे आजम का आजमोव और रहमान का रहमानोव। लेकिन पड़ौसी मुस्लिम राष्ट्रों की मेहरबानी से वहां उग्रवाद और आतंकवाद की भट्टियां धधकने लगी हैं। इन स्वतंत्र हुए सभी प्राचीन आर्य राष्ट्रों में मुझे पहले और अब भी रहने का अवसर मिला है। मैं उनकी भाषा भी बोल लेता हूं। वे यदि उग्रवाद और आतंकवाद को नियंत्रित नहीं कर पाएंगे तो इन देशों को बर्बाद होने से कोई रोक नहीं पाएगा। रूस को इन देशों के खिलाफ भी कार्रवाई करनी पड़ सकती है। जहां तक दारिया दुगिना की हत्या का सवाल है, रूसी अधिकारियों का कहना है कि एक यूक्रेनी औरत, जिसका नाम नतालिया वोक है, उसने दारिया की हत्या की है। वह भेजी तो गई थी अलेक्जेंडर दुगिना की हत्या के लिए लेकिन दारिया ही उसके हाथ लग गई। दारिया को श्रद्धांजलि देते हुए राष्ट्रपति पूतिन ने उसे गहन राष्ट्रवादी और निर्भीक युवती बताया है। हालांकि यूक्रेन के राष्ट्रपति तथा अन्य अधिकारियों ने इस हत्याकांड से अपना कोई भी वास्ता नहीं बताया है लेकिन यह घटना रूस-यूक्रेन युद्ध को और भी गंभीर रूप प्रदान कर सकती है। रूसी जांच एजेंसी को शक है कि हत्या करने के बाद नतालिया तुरंत भागकर एस्टोनिया में छिप गई है। एस्टोनिया एक पूर्व-सोवियत राष्ट्र है और आजकल रूस से उसके संबंध सामान्य नहीं हैं। कोई आश्चर्य नहीं कि अब यह रूसी युद्ध यूक्रेन के बाहर भी फैल जाए।

सूक्ति

अगर हम विफलता से शिक्षा प्राप्त करते है तो वह सफलता ही है। - मैल्कम फोर्ब्स

अज्ञानता और विचार हीनता मानवता के विनाश के दो सबसे बड़े कारण है। जॉन टिलोटसन

विकास मंत्रों का यथार्थ धरातल पर भी दिखे

लेखक- सुरेश सेठ

राष्ट्रीय एकता की भावना के लिए यह एक जीवनदायी बात है कि देश ने इस स्वाधीनता दिवस पर फिर से गर्व भरी भावना महसूस की कि हम क्षेत्रीयता, कट्टरता, जातीयता और अंधधार्मिकता के कटघरों में कैद लोग नहीं, विशुद्ध भारतीय हैं। सदियों पुरानी गुलामी की जंजीरें तोड़ने में जिन आजादी के दीवानों ने बलिदान दिया, उन्हें याद करते हुए आम लोगों को एक अलग-सी राष्ट्रीयता की भावना का अहसास हुआ। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब लालकिले की प्राचीर से तिरंगा फहराते हुए विकास मंत्र दिया, तो सच सबको लगा कि इस देश में भ्रष्टाचारी सोच का शुद्धीकरण हो जायेगा। अंतर्राष्ट्रीय सर्वेक्षणों की यह बात गलत हो जायेगी कि उस देश में संपर्क की बैसाखियों के बिना कुछ नहीं सधता। दरअसल, परिवारवाद और वंशवाद राजनीति में ही नहीं, सामाजिक, व्यावसायिक और प्रशासनिक जीवन में भी रोग बनकर घर कर गया है। लालकिले से राष्ट्रीय जीवन में उपलब्धि हासिल करने के लिये देश के कोने-कोने में उजागर होते वंशवाद को उखाड़ फेंकने का आह्वान देश के इस शीर्षस्थ नेता ने किया। अवश्य इस वंशवाद, इस भाई-भतीजावाद को उखाड़ फेंकने की यह प्रतिबद्धता प्रशस्ति योग्य है। लेकिन कतार के आखिरी आदमी के रूप में बरसों से ठिठके हुए साधारण जन यह अवश्य चाहते हैं कि उन्हें अब और रियायतों की रेवड़ियों से न बहलाया जाये। बहुत हंगामा रहा रियायतों की रेवड़ियों को तुष्टिकरण की नीति बनाने का। प्रधानमंत्री ने बार-बार अपने उद्बोधनों में इस मुद्दे को उठाया। शीर्षस्थ न्यायालय ने इसकी विसंगति को उठाया। चुनाव आयोग को इसका सहारा ले चुनाव लड़ने वालों को प्रतिबंधित करने के लिये कहा। लेकिन चुनाव आयोग ने कहा, यह काम उनकी शक्तियों से नियंत्रित होना कठिन है। इन पर नियंत्रण कसना है, तो शीर्ष अदालत द्वारा नियुक्त विशेषज्ञ कमेटी अपने गंभीर सुझावों के साथ करे, या समय की सरकार अपने देश को आत्मनिर्भर कर देने के मंत्र से करे। लेकिन राजनीति के रंग न्यारे हैं। स्वनाम-धन्य नेताओं ने बताया कि शिक्षा, रोजगार या भुखमरी से किसी को न मरने देने के प्रयास रेवड़ियां बांटना नहीं, उचित जनकल्याण है, जो पीड़ित और दलित वर्ग को मिलना ही चाहिए। दूसरी ओर अर्थ विशारदों ने इसकी आर्थिक परिभाषा निर्धारित करके जनकल्याण करने को कहा। यह न हो कि मुफ्तखोरी का हलुआ बांटने की इस अंधदौड़ में देश खुद संकट में आ जाये और देश का वंचित वर्ग हर क्षण मुट्ठी भर धनिकों की ऊंची होती अटारियों को देखकर यही कहता रहे कि 'दुविधा में दोनों गये, माया मिली न राम।' खैर, प्रधानमंत्री ने स्वाधीनता दिवस पर अपने सपनीले भाषण में जोर देकर बता दिया, कि 'महोत्सव मना लिया, अब अगले पच्चीस बरस के लिए श्रमशील विकास पथ का विस्तार फैला है। हमें निरंतर उस पर चलना है। देश के लिए मूलभूत आर्थिक ढांचे का निर्माण करते हुए ताकि पच्चीस बरस बाद अपना शतकीय उत्सव मनाते हुए हम विश्वास के साथ कह सकें, हम विकसित राष्ट्र हो गये।' जी हां, वैसे ही विकसित राष्ट्र जैसे अमेरिका, रूस या यूरोप के अन्य पश्चिमी देश हैं। इस बीच हमें वित्तमंत्री निर्मला जी से लेकर रिजर्व बैंक तक सबने बार-बार समझाया कि महामारी के इन विकट दिनों में, कुलाचें भरती हुई महंगाई के इस चक्रव्यूह में, रूस-यूक्रेन के भयावह युद्ध और चीन ताईवान की तनातनी में अमेरिका की पासा बदल नीतियों के बावजूद एक अपना देश ही है जो तीसरी दुनिया ही नहीं विश्व भर के सब देशों में एक बहुत तेजी से विकसित होती हुई अर्थव्यवस्था बनकर उभरा है। अब तो उम्मीद यही है कि आने वाले आर्थिक वर्षों में यह स्वतःस्फूर्त आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था बन जायेगा। विकट दिनों के काले बादल छंट रहे हैं। हमने कोरोना विरोधी टीकाकरण में अभूतपूर्व सफलता हासिल कर ली है, और अब फिर करोड़ों लोगों के सही उपचार का संदेश भारत ने दिया है, आयुष का मंत्र देकर जिसमें ऐलोपैथी के साथ भारत की सदियों पुरानी आयुर्वेदिक चिकित्सा का भी संबल रहेगा। स्वस्थ भारत, कर्मशील भारत, नया भारत, नव जागरण की अर्चना के रूप में इस अमृत महोत्सव में स्वाधीन दिवस के फहराते तिरंगे के साथ उभर कर सामने आया है। जन-जन ने इसका स्वागत किया है। लेकिन सवाल है कि निर्यात अभी तक इस आयात आधारित अर्थव्यवस्था में बजट घाटे से लेकर बढ़ते व्यापार घाटे के रोग से ग्रस्त क्यों? आत्मनिर्भरता के मुखर दावों के बावजूद आज भी हम अपने महत्वपूर्ण उत्पादनों का कच्चा माल विदेशों से क्यों मंगवाते हैं? चीन से आयात के बहिष्कार के नारे तो बहुत बुलंद हुए लेकिन तनिक पड़ताल तो कर लो, आज भी चीन से होने वाला आयात, निर्यात से कहीं अधिक है। आयल और नेचुरल गैस कमीशन ने तेल-गैस के कुएं खोज निकालने के वादे तो बहुत से किये थे, लेकिन अब तक भी उसकी वार्षिक औसत प्राप्ति में कोई वृद्धि नहीं, हां महंगी तेल गैस के कारण उसकी कुल आय अवश्य बढ़ गयी है। उधर कल भी देश की कुल जरूरत का पच्चासी प्रतिशत तेल गैस हम विदेश से मंगवाते थे, आज भी मंगवाते हैं। तेल गैस की अंतर्राष्ट्रीय दरें गिरे, तो भी इस देश का साधारण कर्मी कोई राहत नहीं पाता, हां देश की तेल कंपनियां अवश्य अपना घाटा बढ़ जाने का रुदन राग तीव्र कर देती हैं। लेकिन फिर भी आत्मावलोकन के इन उत्सव दिनों में हमें अनुभूत हुआ है, कि विश्व के मानचित्र में अपने देश की महत्ता बढ़ गयी। अब दुनिया का कोई भी फैसला भारत की चिंता, चिन्तन, परामर्श और उसके स्टैंड के परवाह किये बगैर नहीं होता। हमारी कूटनीति, विदेश नीति सफल है। इसका लोहा तो पाक के अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खां ने फिर माना है। इस बार प्रधानमंत्री ने लालकिले से देश के विकास के मूल मंत्र को भी विस्तार दिया है। कभी भूतपूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी ने कहा था, 'जय जवान, जय किसान।' फिर इसके साथ जुड़ गया 'जय विज्ञान' और इस वर्ष इसके साथ मोदी जी ने एक और आयाम जोड़ा है, 'जय अनुसंधान'। बेशक शिक्षा और ज्ञान के नये प्राचीर इस देश में विज्ञान के अमिट उत्थान और अनुसंधान की अन्यतम गहराइयों के साथ प्रतिबद्ध हुए बिना खड़े नहीं किये जा सकते। इंटरनेट की इस नयी दुनिया में भारत के डिजिटल हो जाने के सिवा कोई और विकल्प भी तो नहीं। लेकिन हर हाथ स्मार्ट फोन और हर उपेक्षित कोने में मोबाइल सुविधा देने को टावरों का जाल तो बिछाना होगा? नहीं तो ऑनलाइन शिक्षा के नाम पर परीक्षाओं में खुलेआम नकल और सौ में से सौ अंक प्राप्त करने के मिथ्या आडंबर मिलेगा। वहीं आनलाइन बैंकिंग के नाम पर आम आदमी को बैंक खाता हैकिंग और अबूझ साइबर अपराधों के सिवा कुछ नहीं मिलेगा। बेशक नव अनुसंधान के बिना विज्ञान कैसे प्रगति करेगा? लेकिन तनिक यह भी तो यथार्थ बांच लो कि शिक्षा परिसरों में प्रतिबद्ध अनुसंधान प्रवृत्ति के स्थान पर आइलैट अकादमियों और बैंड प्राप्ति की अन्ध दौड़ का माहौल पैदा हो गया है।

धर्म

आदत

श्रीराम शर्मा आचार्य

लालकिले से राष्ट्रीय जीवन में उपलब्धि हासिल करने के लिये देश के कोने-कोने में उजागर होते वंशवाद को उखाड़ फेंकने का आह्वान देश के इस शीर्षस्थ नेता ने किया। अवश्य इस वंशवाद, इस भाई-भतीजावाद को उखाड़ फेंकने की यह प्रतिबद्धता प्रशस्ति योग्य है। लेकिन कतार के आखिरी आदमी के रूप में बरसों से ठिठके हुए साधारण जन यह अवश्य चाहते हैं कि उन्हें अब और रियायतों की रेवड़ियों से न बहलाया जाये। बहुत हंगामा रहा रियायतों की रेवड़ियों को तुष्टिकरण की नीति बनाने का।

आदतों को आरम्भ करने में तो कुछ भी नहीं करना पड़ता है पर वे बिना किसी कारण के भी क्रियान्वित होती रहती हैं। इतना ही नहीं, कई बार तो ऐसा भी होता है कि मनुष्य आदतों का गुलाम हो जाता है, और कोई विशेष कारण न होने पर भी उपयुक्त-अनुपयुक्त आचरण करने लगता है। बाद में स्थिति ऐसी बन जाती है कि उस आदत के बिना काम ही नहीं चलता। आलसियों और गंदगी पसन्द लोगों के कुटेचों को लोग नापसन्द भी करते हैं, और इनके लिए टीका-टिप्पणी भी करते हैं। पर अभ्यस्त व्यक्ति को यह प्रतीत ही नहीं होता कि उसने कोई ऐसी आदत पाल रखी है, जिसे लोग नापसन्द करते हैं, और बुरा मानते हैं। अच्छी आदतों के संबंध में यह बात है। साफ-सुथरे रहना, किफायत बरतना और किसी न किसी उपयोगी काम में लगे रहना, न होने पर प्रयत्नपूर्वक सौंपा हुआ काम कर लेना, एक प्रकार की अच्छी आदत ही है, जो आपके व्यक्तित्व का वजन बढ़ाती है। कुछ न कुछ उपयोगी प्रक्रिया बन पड़ने पर अनायास ही सहज श्रेय प्राप्त होता है। तिनके-तिनके इकट्ठे करने पर मोटा या मजबूत रस्सा बन जाता है। अच्छी या बुरी आदतों के संबंध में भी ऐसी बात है। आरम्भ में वे अनायास ही आरम्भ हो जाती हैं, और थोड़ा सा प्रयत्न करने, कुछ बार दुहरा देने भर से मनःस्थिति अनुकूल बन जाती है। स्वभाव का अंग बन जाने पर समूचे व्यक्तित्व को ही उस ढांचे में ढाल लेती हैं। अच्छी आदतों का अभ्यास किया जाए तो व्यक्तित्व सुणी स्तर का बन जाता है। दूसरों के मन में अपने लिए सम्मानजनक स्थान बना लेता है। उसे सभ्य या शिष्ट माना जाता है। उसके संबंध में लोग और भी अच्छे सुणों की मान्यता बना लेते हैं। उसके कार्यों में सहयोग करने लगते हैं, या अवसर मिलते ही उसे अपना सहयोगी बना लेते हैं। सहयोग या असहयोग ही किसी की उन्नति या अवनति का प्रमुख कारण है। अच्छी आदतें फलतः अपना हित साधन करती हैं। इनका देर-सबेर में उपयोगी लाभ मिलता है। इसके विपरीत बुरी आदतों से प्रत्यक्षतः और परोक्षतः निकट भविष्य में हानि ही उठाने की आशंका रहती है। कहा भी जाता है कि पहले आप आदतों को बनाते हैं, फिर वे आपको बनाती हैं। इसलिए जरूरी हो जाता है कि बराबर सचेत रहें और गलत आदतों को अपने भीतर जगह बनाने ही न दें।

अध्यात्मवाद के सूर्य - परम संत कृपाल सिंह जी महाराज

सावन कृपाल रूहानी मिशन द्वारा 21 अगस्त को परम संत कृपाल सिंह जी महाराज के 48वें बरसी भंडारे के अवसर पर कृपाल बाग, दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में भाई-बहन उन्हें अपनी भाव-भीनी श्रद्धांजलि देने के लिए इकट्ठे हुए।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सावन कृपाल रूहानी मिशन के अध्यक्ष संत राजिन्दर सिंह जी महाराज ने अपने विडियो सत्संग में कहा कि, "परम संत कृपाल सिंह जी महाराज इस दुनिया में अध्यात्मवाद के सूर्य बनकर उदय हुए। जब ऐसे महापुरुष इस संसार में आते हैं तो सिर्फ हमारा ही उद्धार करने के लिए नहीं आते बल्कि हमारी भविष्य की पीढ़ी का भी उद्धार कर देते हैं। वो हमें समझाया करते थे कि हरेक जीव पिता-परमेश्वर को पा सकता है। उनकी याद में इकट्ठे होने का मकसद यही है कि हम सब उनके द्वारा दिखाए हुए रास्ते पर चलें। हम अपना ध्यान प्रभु की ओर करें ताकि हमारी जिंदगी का मकसद जोकि अपने आपको जानना और पिता-परमेश्वर का अनुभव करना है, वो इसी जीवन में पूरा हो।"

इस अवसर पर उनके जीवन से संबंधित अनेक फिल्में भी दिखाई गई, जिनमें यह दिखाया गया कि किस प्रकार उन्होंने लाखों लोगों का ध्यान रूहानियत की ओर किया। इसके अलावा अनेक लोगों ने उनके साथ बीते अपने रूहानी अनुभवों को भी लोगों को बताया।

इसी दिन परम संत कृपाल सिंह जी महाराज की प्यार भरी याद में भारत के अनेक राज्यों एवं दिल्ली में 101 केन्द्रों पर हजारों की संख्या में लोगों को भोजन वितरित किया गया तथा इसके साथ ही उन्हें मिशन का साहित्य भी नि:शुल्क दिया गया।

इस अवसर पर शांति अवेदना सदन, राज नगर, नई दिल्ली में कैंसर के मरीजों को दवाईयाँ एवं फल आदि भी बांटे गए।

विभिन्न धर्मों के संत-महात्माओं को एक ही मंच पर बिठाने का श्रेय परम संत कृपाल सिंह जी महाराज को ही जाता है। जिसके परिणामस्वरूप उनकी अध्यक्षता में चार विश्व धर्म सम्मेलन आयोजित किए गए, जिसमें उन्होंने विभिन्न धर्मों के अनेक संत-महात्माओं को एक ही मंच पर बिठाने का महान कार्य किया। जहाँ उन सभी ने आपस में विचार-विमर्श कर यह अनुभव किया कि भले ही हम अलग-अलग धर्मों से संबंध रखते हों पर एक ही पिता-परमेश्वर की संतान होने के नाते वास्तव में हम सब एक ही हैं। उनके इस महान योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा।

वे पहले ऐसे महापुरुष थे जिन्होंने भारतीय संसद को 1 अगस्त, 1974 को संबोधित किया। जिसमें उन्होंने कहा कि, "यदि हम विश्व-कल्याण की कामना करते हैं तो शासन में रूहानियत को लाना ही होगा।"

21 अगस्त, 1974 को परम संत कृपाल सिंह जी महाराज के निजधाम प्रस्थान करने के पश्चात दयाल पुरुष संत दर्शन सिंह जी महाराज ने उनके इस कार्य को आगे बढ़ाया और उनके उपरांत संत राजिन्दर सिंह जी महाराज आज संपूर्ण विश्वभर में परम संत कृपाल सिंह जी महाराज द्वारा शुरू किए गए रूहानियत के कार्य को बड़ी ही तेज गति से फैला रहे हैं।

सावन कृपाल रूहानी मिशन के अध्यक्ष संत राजिन्दर सिंह जी महाराज आज संपूर्ण विश्व में ध्यान-अभ्यास द्वारा प्रेम, एकता व शांति का संदेश प्रसारित कर रहे हैं, जिसके फलस्वरूप उन्हें विभिन्न देशों द्वारा अनेक शांति पुरस्कारों के साथ-साथ पाँच डॉक्टरेट की उपाधियों से भी सम्मानित किया जा चुका है।

सावन कृपाल रूहानी मिशन के आज संपूर्ण विश्व में 3200 से अधिक केन्द्र स्थापित हैं तथा मिशन का साहित्य विश्व की 55 से अधिक भाषाओं में प्रकाशित हो चुका है। इसका मुख्यालय विजय नगर, दिल्ली में है तथा अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय नेपरविले, अमेरिका में स्थित है।

संकल्प

संकल्पशक्ति कैसे जागृत हो?

लेखक-आचार्य प्रशान्त

संकल्प का जो बल है वो ऊँचे-से-ऊँचा तब होगा जब संकल्प का विषय ऊँचे-से-ऊँचा होगा। और यही उचित भी है क्योंकि अगर इससे अलग कुछ हो गया तो बात भयानक हो जानी है। किसी छोटे, निचले, विषय को ले कर के आपने बड़ा ज़बरदस्त संकल्प बना लिया तो आपको अधिक-से-अधिक हासिल भी होगा तो क्या? कुछ नहीं। एक तो ये कि बहुत ज़्यादा कुछ हासिल होगा नहीं। दूसरी बात ऊँचा विषय ही आपकी ऊँची ऊर्जा को जागृत कर सकता है। जब आप किसी ऊँचे विषय को ले करके संकल्प बनाते हैं तो ही आपकी ऊँची ऊर्जा जागृत होती है। हममें से बहुत लोग कहा करते हैं कि आलस रह जाता है या इच्छा शक्ति नहीं उठती या मनोबल कुछ दूर चल कर टूट जाता है। उसकी वजह समझिए। आप जिस चीज़ की कामना कर रहे हैं, जिस चीज़ को लक्ष्य कर रहे हैं, वो इतना ऊँचा है ही नहीं कि उसके लिए बहुत जान या ताकत या संकल्प लगाना पड़े। तो फिर आपकी ज़िन्दगी में बहुत ऊर्जा की ज़रुरत ही नहीं है। आप करोगे क्या उतनी ऊर्जा का? ऊर्जा उठती भी नहीं। जितनी ऊँची चीज़ माँगोगे उसके लिए उतने ज़्यादा प्रयत्न की ज़रुरत पड़ेगी न? जितने ज़्यादा प्रयत्न की ज़रुरत पड़ती है भीतर से समझलो उतनी ही शक्ति खुल जाती है। आपकी शक्ति अगर नहीं खुल रही तो उसकी वजह ही यही है कि आपके पास कोई ऊँचा लक्ष्य होगा नहीं। और ऊँचा लक्ष्य क्यों नहीं है? क्योंकि आप तर्क देते हो कि, 'मेरे पास ज़्यादा शक्ति और ऊर्जा नहीं है।' लेकिन, शक्ति और ऊर्जा बाद में आती है, पहले आता है लक्ष्य। पहले वो लक्ष्य आता है जिसका आपने संकल्प किया। पर आप कहते हो कि, 'मैं अभी ज़िन्दगी को देख रहा हूँ उसमें दिखाई पड़ रही है थोड़ी बहुत शक्ति, थोड़ी ऊर्जा, थोड़ा मनोबल, तो इसी के अनुपात में मैंने अपने लिए एक छोटा सा लक्ष्य निर्धारित कर लिया।' वो छोटा सा लक्ष्य अगर मिल भी गया तो क्या मिला? आपने अपने लिए लक्ष्य ही यही बनाया है कि आपको यहाँ से उठ कर उस दरवाज़े तक जाना है तो आप करोगे क्या दौड़ लगा करके? साधारण चाल चलोगे तो भी पहुँच जाओगे, बहुत ऊर्जा की आपको ज़रुरत ही नहीं। समझ रहे हो? जो छोटी-छोटी कामनाएँ हैं वो आपको सीमित ही नहीं रखती हैं वो आपके मन में ये बात डाल देती हैं कि सीमित होना आपकी किस्मत है। छोटी कामना खुद ही छोटी नहीं है वो आपको भी छोटा बना देती है। बड़े की माँग करिए, बड़े की चाहत करिए। बड़े से मतलब समझ रहे हो? आध्यात्मिक भाषा में बड़े का क्या अर्थ होता है? वो जो आपका आतंरिक छुटपन मिटा दे। आतंरिक छुटपन क्या होता है? किसी से दो रूपए झपट लिए, किसी को आगे बढ़ते देखा तो ईर्ष्या होने लग गई, किसी ने थोड़ा धमका दिया तो डर गए, कहीं कुछ गलत होते भी देखा तो कहा, 'इसमें मेरा क्या जाता है।' ये आतंरिक छुटपन है। तो फिर बड़ा लक्ष्य क्या हुआ? कुछ ऐसा पाने निकलिए, कुछ ऐसा करने बढ़िए, जो आपके भीतर इन चीज़ों को बचा न रहने दे। आप अपने-आपको भूल जाएँ जिसकी सेवा में वो लक्ष्य बड़ा कहलाता है। आप अपनी सब छोटी-छोटी ख़्वाहिशों को एकदम बस भूल ही जाएँ बिना कोशिश किए, ऐसा लक्ष्य बड़ा कहलाता है। और ऐसा बड़ा लक्ष्य जब आप बना लेते हैं तो फिर देखिए कि भीतर से कितनी जान अपने आप उठती है। उठनी ही पड़ेगी, समझ रहे हो? छोटी माँगों में, एक छोटी ज़िन्दगी जीना, और छोटे ही बन कर रह जाना, इसमें कुछ नहीं रखा है। यही करते-करते एक दिन ख़त्म हो जाओगे। 'मेरी इच्छा, मेरा पैसा, मेरी इज़्ज़त', इनमें कुछ नहीं रखा। कुछ समझ में आई बात? बड़ा काम वो नहीं होता जिसमें आपको बड़ा पैसा मिल रहा है, या दुनिया जिसमें आपको कह रही है कि, 'ये तो बड़ी पदवी पर है, बड़ी कंपनी है, करियर प्रॉस्पेक्ट्स (रोज़गार के अवसर) अच्छे हैं।' बड़ा काम वो नहीं होता। बड़ा काम वो होता है जो आपको छोटा न रहने दे। वो काम ऐसा है कि अगर पूरा करना है तो तुम्हें भीतर से खुद को बदलना पड़ेगा। तुम, तुम रहकर उस संकल्प को पूरा ही न कर पाओ, ऐसा संकल्प बड़ा कहलाता है।

कॅरियर गाइडेंस देश व दुनिया में आज हेल्थ सेक्टर का जितना विस्तार हो रहा है, उसे देखते हुए कहा जा सकता है कि आगे चलकर काबिल फिजियोथैरेपी की मांग और बढ़ेगी। फिजियोथैरेपी विज्ञान की ऐसी विधा है जिसके अंतर्गत शारीरिक व्यायाम के जरिए व्यक्ति के रोगों व व्याधियों का उपचार किया जाता है।

फिजियोथैरेपी
वक्त की मांग

फिजियोथैरेपिस्ट का काम रोगियों में किसी बीमारी, चोट, अक्षमता या बढ़ती उम्र की वजह से उपजी शारीरिक व्याधियों का उपचार करना है। आज लोग बीमारी के उपचार के लिए समग्र नजरिया अपनाने लगे हैं। इसकी वजह से दुनिया भर में फिजियोथैरेपिस्ट्स की मांग में तेजी से इजाफा हुआ है।

काम का दायरा

फिजियोथैरेपिस्ट्स अस्पतालों, विकलांगों की लिए बने पुनर्वास केन्द्रों, स्वास्थ्य केन्द्रों, शारीरिक व मानसिक रूप से अक्षम व्यक्तियों के लिए बने स्कूलों, स्वास्थ्य संगठनों के

अलावा डिफेंस मेडिकल प्रतिष्ठानों और स्पोर्ट्स क्लबों में भी अपनी सेवाएं देते है। इंजुरी व फ्रैक्चर्स, जोड़ों के दर्द, खिंचाव, मोच, स्ट्रोक्स के उपचार में काबिल फिजियोथैरेपिस्ट की सेवाएं कारगर साबित होती हैं।

बढ़ती मांग

आज जिस तरह के अत्याधुनिक अस्पताल, स्वास्थ्य केन्द्र व क्लीनिक्स खुल रहे हैं और हेल्थ सेक्टर का विस्तार हो रहा है, उसे देखते हुए कहा जा सकता है कि फिजियोथैरेपिस्ट की मांग आगे चलकर और बढ़ेगा। कई राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी खुद को फिट रखने व फिटनेस संबंधी सुझाव लेने के लिए फुलटाइम पर्सनल फिजियोथैरेपिस्ट्स की सेवाएं लेते हैं। विदेशों में और खासकर अमेरिका कनाडा व आस्ट्रेलिया जैसे देशों में पर्सनल फिजियोथैरेपिस्ट्स की जबदस्त मांग है।

योग्यता

फिजियोथैरेपी में कोई डिग्री अथवा डिप्लोमा/सर्टिफिकेट कोर्स करने के लिए अभ्यर्थी को फिजिक्स, केमिस्ट्री या बायोलॉजी के साथ 12वीं या इसके समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए। अस्पताल व क्लीनिक्स अमूमन ऐसे लोगों को रोजगार देते हैं, जिनके पास फिजियोथैरेपी में बैचलर डिग्री (बीपीटी) हो। बीपीटी करने के बाद छात्र यदि चाहें तो अपनी विशेषज्ञता बढ़ाने के लिए पोस्ट ग्रेजुएशन भी कर सकते हैं। फिजियोथैरेपी में डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स की अवधि छह महीने से लेकर दो साल तक हो सकती है। डिग्री स्तर अवधि

तीन से चार साल तक होती है। प्रतिष्ठित संस्थान कॉमन टेस्ट सीईटी के जरिए बीपीटी में छात्रों की दाखिला देते है।

व्यक्तिगत योग्यता

फिजियोथैरेपिस्ट्स बनने के चाह रखने वाले अभ्यर्थियों में लंबे समय तक खड़े रहकर काम करने की क्षमता होनी चाहिए। काबिल फिजियोथैरेपिस्ट वहीं है जो मरीज की जरूरत को अच्छी तरह समझ सके, उसके प्रति संवेदनशील रवैया अपनाए। सफल फिजियोथैरेपिस्ट बनने के लिए व्यक्ति में इन खूबियों के अलावा मानवीय संरचना का सम्पूर्ण ज्ञान होना भी अति आवश्यक है।

पारिश्रमिक

इस क्षेत्र से जुड़े कोई फ्रेश ग्रेजुएट किसी हॉस्पिटल या क्लीनिक में टेनी फिजियोथैरपिस्ट के तौर पर 8,000 से 12,000 रूपए वेतन पाने की उम्मीद कर सकता है। हालांकि प्रतिष्ठित अस्पतालों में आपको और भी अच्छा वेतन मिल सकता है। अनुभव हासिल करने के बाद आपके वेतन में खासा इजाफा हो सकता है। अनुभवी फिजियोथैरपिस्ट चाहे तो निजी क्लीनिक खोल कमाई कर सकते हैं।

डायटीशियन
कॅरियर का बेहतर विकल्प

आहार जीवन की प्राथमिक आवश्यकता है। हम जो आहार लेते है उसका शरीर में पाचन किया जाता है। प्रकृति ने विभिन्न खाद्य-पदार्थों को भोजन का रूप दिया है जिसे कच्चा या पका कर हम उपयोग करते हैं ऐसे पदार्थ हमारे पाचक अंगों द्वारा पचा लिए जाते हैं, जिनसे ऊतकों का निर्माण एवं पोषण होता है। चलने, फिरने दौडने या अन्य शारीरिक कार्य करते रहने से शरीर के भीतर के ऊतक टूटते-फूटते एवं घिसते रहते है। भोजन द्वारा हमारे शरीर की संरचना तथा मरम्मत के लिए विभिन्न पोषक तत्व मिलते रहते हैं, जिनसे हमें शक्ति मिलती हैऔर हमारे शीरीरिक के विभिन्न अंग अपना कार्य सुचारू रूप से करते रहते हैं ।सन्तुलित आहार और सही आहार हमारे शरीर के लिए बेहद जरूरी है लिहाजा हमारी शारीरिक जरूरतों के अनुसार कितने पोषक तत्वों की जरूरत होती हैं और कौन से खाद्य-पदार्थ से सेहत को नुकसान पंहुच सकते है, इसका जवाब डायटीशियन ही बता सकता है। जीवनशैली में आ रहे बदलावों और उसके दुष्णपरिणाम के चलते डायटीशियन एक बेहतर केरियर ऑप्शन के रूप में उभरा है। यह कोर्स अपनाकर आप अपना ही नहीं दूसरो की सेहत का भी ख्याल रख सकते है। एक डायटीशियन के रूप में आप नवजात शिशु से लेकर बुजुर्ग, बीमार, अभिनेताओं और खिलाडियों तक की डाइट का चार्ट बना सकते हैं। डायटीशियन लोगों को सलाह देता है, कि उसे स्वस्थ रहने के लिए किस तरह का भोजन करना चाहिए। डायटीशियन का कार्य जितना आसान दिखाई देता है वास्तव में वह उतना आसान नहीं हैं, क्योंकि रोगियों के लिए व्यक्तिगत आहार योजना बनाते हुए विभिन्न क्लीनिकल घटकों को ध्यान में रखना होता है। साथ ही रोगियों की जीवनशैली, खान-पान की आदतों पर भी विचार करना होता है ।पोरेट स्तर पर डायटीशियन की मांग बढ रही है और पांच सितारा होटलों में भी डायटीशियनों की सेवाएं ली जा रहीं हैं।

करोटे- दुश्मन को बिना किसी हथियार से हराने की तकनीक

कराटे निहत्थे लडने की एक मार्शल आर्ट है। यह एक प्रकार की कला है जिसमें हाथों तथा पैरों से वार करना तथा दुश्मन के वार को रोकना शामिल होता है। जिस व्यक्ति को कराटे की तकनीक पता हो वह अपने दुश्मन को बिना किसी हथियार के हरा सकता है। एक कराटे एक्सपर्ट सामने वाले को एक ही वार में चित्त भी कर सकता है। जहां जूडो आत्मरक्षा के लिए इस्तेमाल की जाती है वहीं कराटे में दुश्मन पर वार भी किया जा सकता है। कराटे में शारीरिक संपर्क बहुत सीमित रखा जाता है और चोट से बचने के लिए वार को नियंत्रित रखा जाता है।

कराटे एक जापानी शब्द है जिसका अर्थ है 'खाली हाथ'। कराटे में शरीर की ताकत स्ट्राइकिंग प्वाइंट पर केंद्रित की जाती है। स्ट्राइकिंग प्वाइंट में हाथ, पैर का अलग भाग, एड़ी, बाजू, घुटना तथा कोहनी शामिल होते हैं। इन सभी भागों को कड़ी मेहनत और प्रैक्टिस से कठोर बनाया जाता है। एक कराटे एक्सपर्ट कई इंच मोटी लकड़ी को अपने हाथ या पैर से तोड़ सकता है। सही टाइमिंग, कुशलता तथा जज्बा तो इसके लिए जरूरी है ही साथ ही जरूरी होती है शारीरिक कठोरता।

कराटे के खेल में वार को शरीर के संपर्क में आने से एक इंच पहले ही रोक लिया जाता है। कराटे में मैच सिर्फ 3 मिनट के होते हैं। एक खेल के तौर पर इसमें कुशलता का स्तर परखने के लिए दोनों में नकली लड़ाई और औपचारिक परीक्षण दोनों का आयोजन किया जाता है। यदि प्रतियोगी अच्छे से वार न कर पाए तो जज अपना फैसला मूवमैंट्स और डिफैंस तकनीक के आधार पर सुना सकते हैं ।जजों द्वारा खिलाडियों के प्रदर्शन को वैसे ही रेटिंग दी

जाती है, जैसे जिम्नास्टिक में होता है। कराटे एशिया में विकसित हुआ जिसे कई शताब्दियां लग गईं और 17वीं शताब्दी के दशक में जाकर यह कला के रूप में व्यवस्थित होने लगा। 1920 के दशक में यह जापान में बहुत प्रसिद्ध हुआ। आज पूरे विश्व में कई स्कूल कराटे की ट्रेनिंग देते हैं। 1970 में कराटे वर्ल्ड चैम्पियनशिप टाइटल की स्थापना की गई थी।

प्राचीन चीन से शुरू और जापान में प्रसिद्ध हुआ युद्ध कौशल (मार्शल आर्ट) कराटे आज पूरे विश्व में अत्यधिक लोकप्रिय है। कराटे खेल भी, कला भी कराटे निहत्थे लडने की एक मार्शल आर्ट है। यह एक प्रकार की कला है जिसमें हाथों तथा पैरों से वार करना तथा दुश्मन के वार को रोकना शामिल होता है।

जिस व्यक्ति को कराटे की तकनीक पता हो वह अपने दुश्मन को बिना किसी हथियार के हरा सकता है। एक कराटे एक्सपर्ट सामने वाले को एक ही वार में चित्त भी कर सकता है। जहां जूडो आत्मरक्षा के लिए इस्तेमाल की जाती है वहीं कराटे में दुश्मन पर वार भी किया जा सकता है। कराटे में शारीरिक संपर्क बहुत सीमित रखा जाता है और चोट से बचने के लिए वार को नियंत्रित रखा जाता है। कराटे एक जापानी शब्द है जिसका अर्थ है 'खाली हाथ'। कराटे में शरीर की ताकत स्ट्राइकिंग प्वाइंट पर केंद्रित की जाती है। स्ट्राइकिंग प्वाइंट में हाथ, पैर का अलग भाग, एड़ी, बाजू, घुटना तथा कोहनी शामिल होते हैं।

स्वरोजगार

कागज़ उद्योग

देश में सामाजिक-आर्थिक विकास की दृष्टि से कागज़ उद्योग देश का सबसे पुराना और अति महत्वपूर्ण उद्योग है। इस उद्योग का अनुमानित आकार 25000 करोड़ रुपये (5.95 बिलियन डॉलर) है। विश्व के कागज और कागज बोर्ड उत्पाद में इसका हिस्सा लगभग 1.6 प्रतिशत है। इस उद्योग से 1.20 लाख लागों को प्रत्यक्ष रूप से और 3.40 लाख लोगों को परेक्ष रूप से रोजगार मिला हे। अधिकतर पेपर मिल पिछले लम्बे अर्से से कार्य कर रहे हैं और इस प्रकार वर्तमान समय में इनमें पुरानी से लेकर अति आधुनिक तकनीक वाली दोनों प्रकार की प्रौद्योगिकियाँ इस्तेमाल हो रही हैं।

पिछले पाँच वर्षों से कागज़ की खपत लगभग 6 प्रतिशत वार्षिक दर से बढ़ रही है। कागज़ उद्योग को कागज के उत्पादन की किस्म के आधार पर वर्गीकृत किया जा सकता है; जैसे क्रीमवोव, मैपलिथो, कोपलर, कोटेड पेपर, इंडिस्ट्रयल पेपर और स्पेस्लिटी पेपर। इंडिस्ट्रयल पेपर अधिक मात्रा में इस्तेमाल होता है, जो कि कुल खपत का लगभग 60 प्रतिशत है। अभी तक कागज उद्योग की वृद्धि सकल घरेलू उत्पाद में हुई वृद्धि के बराबर रही है और पिछले कुछ वर्षों के दौरान इसमें औसतन 6-7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। विश्व स्तर पर भारत में कागज का बाजार तेजी से बढ़ रहा है ओर यह उत्सावर्धक स्थिति को दर्शाता है। आर्थिक संवृद्धि के साथ कागज की खपत में भी अत्याधिक उछाल आने की संभावनाएँ हैं और यह 2015-16 तक 13.95 मिलियन टन तक पहुँच सकता है। भावी अनुमान यह हे कि कागज की खपत में सकल घरेलू उत्पाद के गुणांकों में वृद्धि होगी और इस प्रकार प्रति व्यक्ति 1 किलाग्राम खपत की वृद्धि से उसकी मांग में 1 मिलियन टन की वृद्धि होगी। उद्योग के अनुमानानुसार वर्ष 2012-13 तक कागज़ उत्पादन 8.4 प्रतिशत संचयी वार्षिक वृद्धि दर(सीएजीआर) से बढ़ा है, जबकि कागज की खपत 9 प्रतिशत संचयी वार्षिक वृद्धि दर(सीएजीआर) से बढ़ी है। कम खर्च व लागत में कागज उद्योग स्वरोजगार का बेहतर जरिया बन सकता है।

पैरा-मैडीकल कोर्सेज
में संवारें कॅरिअर

यदि आपकी बारहवीं परीक्षा की श्रेणी या अंक बहुत अच्छे नहीं हैं तो निराश होने की आवश्यकता नहीं है। इसकी वजह यह है कि पैरा-मैडीकल कोर्सेज में प्रवेश के लिए सी.पी.एम.टी. जैसी कठिन प्रवेश परीक्षा नहीं देनी होती। डॉक्टर जब मरीज को देख लेता है उसके बाद (कुछ मामलों में डाक्टर से पहले भी) सारा काम पैरा-मैडीकल के लोग ही संभालते हैं।

मरीज के खून, पेशाब, बलगम, वीर्य, टिश्यू आदि की जांच करनी हो, उसका एक्स-रे, ई.सी.जी., ई.ई.जी., एम.आर.आई., अल्ट्रा साऊंड, सी.टी. स्कैन, टी.एम.टी.,पी.एफ.टी., मैमोग्राफी आदि इंजैक्शन व दवा देनी हो तथा इसके अलावा भी अनेक ऐसे काम हैं जिसे पैरा-मैडीकल स्टाफ ही करता है। आप्रेशन करते समय एक डाक्टर को असिस्ट करने के लिए पैरा-मैडीकल स्टाफ होता है। मैडीकल फील्ड का लगभग सारा टैक्निकल स्टाफ पैरा-मैडीकल के अंतर्गत ही आता है।

इसके तहत प्रमुख कोर्स व संबंधित कार्य इस प्रकार हैं- मैडीकल लैब टैक्नोलॉजी , एक्स-रे टैक्नोलॉजी एंड रेडियोलॉजी/रेडियोग्राफी, ऑप्टोमीट्री या ऑप्थाल्मिक टैक्नोलॉजी, प्रॉस्थैटिक एवं ऑथोटिक इंजीनियरिंग, फिजियोथैरिपी एंड ऑक्यूपेशनल थैरेपी, डैंटिस्ट असिस्टैंट, स्पीच थैरेपी एंड ऑडियोलॉजी, क्लीनिकल चाइल्ड डिवैल्पमैंट, रिहैबिलिटेशन, मैडीकल ट्रांसक्रिप्शन, कम्युनिटी हैल्थ वर्कर्स कोर्स (मेल/फीमेल/मल्टीपर्पज़) ऑप्रेशनल थैरेपिस्ट असिस्टैंट/ ऑप्रेशन थिएटर असिस्टैंट व टैक्नीशियन कोर्स, कॉर्डियोलॉजी टैक्नीशियन कोर्स, सी.टी. स्कैन टैक्नीशियन कोर्स।

इनके साथ ही फॉर्मेसी, नर्सिंग एवं मिडवाइफरी तथा साइकोलॉजी की गणना भी पैरा-मैडीकल के अंतर्गत ही की जाती है। उपरोक्त सभी कोर्सों में सर्टीफिकेट, डिप्लोमा, बी.एससी., एम.एससी., बैचलर या मास्टर डिग्री विभिन्न मान्यता प्राप्त संस्थानों में प्रदान की जाती है।

संस्थान

- पोस्ट ग्रैजुएट इंस्टीच्यूट ऑफ मैडीकल एजुकेशन एंड रिसर्च, सैक्टर-11,चंडीगढ़-1600012
- पंडित भगवत दयाल शर्मा पोस्ट ग्रैजुएट इंस्टीच्यूट ऑफ मैडीकल साइंसेज, रोहतक-124001, हरियाणा।
- गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, कश्मीरी गेट, दिल्ली-110007

सोने, चांदी में बढ़त

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में मंगलवार को सोने और चांदी की कीमतों में तेजी आई है। दिल्ली सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोना 157 रुपये बढ़कर 51,707 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। इससे पहले के कारोबारी सत्र में सोना 51,550 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वहीं चांदी भी 364 रुपये के लाभ के साथ ही 55,662 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतें बढ़त के साथ ही 1,739 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गयीं। चांदी भी 19.03 डॉलर प्रति औंस पर स्थिर बनी थी।

ऑडी अगले महीने कीमतों में 2.4 फीसदी तक बढ़ोतरी करेगी

मुंबई । कार विनिर्माता ऑडी ने कहा कि वह अगले माह अपने सभी मॉडलों की कीमतों में 2.4 फीसदी की बढ़ोतरी करेगी। कंपनी ने कहा कि कच्चे माल और आपूर्ति श्रृंखला की लागत बढ़ने के कारण यह फैसला किया। बढ़ी हुई कीमतें 20 सितंबर 2022 से प्रभावी होगी। ऑडी इंडिया के प्रमुख बलबीर सिंह ढिल्लों ने कहा, ऑडी इंडिया में हम एक स्थायी व्यापार मॉडल के लिए प्रतिबद्ध हैं। कच्चे माल और आपूर्ति श्रृंखला की बढ़ती लागत के चलते हमें अपने मॉडलों की कीमतों में 2.4 प्रतिशत तक बढ़ोतरी करने की जरूरत है। ऑडी इंडिया पेट्रोल मॉडल ए4, ए6, ए8 एल, क्यू5, क्यू7, क्यू8, एस5 स्पोर्टबैक, आरएस 5 स्पोर्टबैक और आरएस क्यू8 की बिक्री करती है। कंपनी ने ई-ट्रॉन ब्रांड के तहत इलेक्ट्रिक वाहनों की पेशकश की है।

मस्क ने ट्विटर के पूर्व सीईओ जैक डोर्सी अदालत में आने का नोटिस भेजा

न्यूयॉर्क । टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने अपने दोस्त और ट्विटर के पूर्व सीईओ जैक डोर्सी को अदालत में हाजिर होने का नोटिस भेज दिया है। अदालती दस्तावेजों के अनुसार यह समन मस्क के ट्विटर सौदे से पीछे हटने पर शुरू हुई कानूनी कार्रवाई के संबंध में भेजा गया है। इसके बाद डोर्सी को गवाही देने अदालत में आना होगा। मस्क ने 44 अरब अमेरिकी डॉलर में ट्विटर के अधिग्रहण का सौदा किया था, हालांकि बाद में वह अपनी पेशकश से पीछे हट गए। ट्विटर और मस्क के बीच विवाद पर 17 अक्टूबर को डेलावेयर की अदालत में सुनवाई होनी है, जहां यह तय किया जाएगा कि सोशल मीडिया कंपनी अरबपति कारोबारी को अधिग्रहण के लिए मजबूर कर सकती है या नहीं। इस संबंध में डोर्सी के वकील को भेजे गए सवालों के जवाब खबर लिखे जाने तक नहीं आए थे।

जून तिमाही के लिए इंफोसिस ने कर्मचारियों का 'वैरिएबल-पे' घटाया

नई दिल्ली । देश की सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी कंपनी इंफोसिस के कर्मचारियों के लिए बुरी खबर है। कंपनी ने मर्जिन में कमी और कर्मचारियों की उच्च लागत के बीच जून तिमाही के लिए कर्मचारियों के औसत 'वैरिएबल-पे' को घटाकर लगभग 70 प्रतिशत कर दिया है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। विप्रो ने भी हाल में मार्जिन घटने और टेक्नोलॉजी में निवेश के कारण कर्मचारियों के 'वैरिएबल पे' को रोक दिया था। इसके अलावा टाटा कंसल्टंसी सर्विस (टीसीएस) ने भी कुछ कर्मचारियों के तिमाही वैरिएबल-पे को एक महीने के लिए टाल दिया है। सूत्रों के अनुसार, इंफोसिस ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के लिए वैरिएबल-पे को घटाकर 70 फीसदी कर दिया है और कर्मचारियों को भी इस बारे में सूचित कर दिया है। इस संबंध में भेजे गए ई-मेल का इंफोसिस ने फिलहाल कोई जवाब नहीं दिया। इंफोसिस ने बढ़ती लागत के बीच जून तिमाही में अपने नेट प्रॉफिट में 3.2 फीसदी की वृद्धि दर्ज की थी। यह हालांकि, कंपनी के अनुमान से कम था। हाल ही में कंपनी ने कहा था कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उसका कन्सॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट 3.2 फीसदी बढ़कर 5,360 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने अप्रैल-जून तिमाही के नतीजों की शेयर बाजारों को जानकारी देते हुए कहा था कि एक साल पहले की समान तिमाही में उसका नेट प्रॉफिट 5,195 करोड़ रुपये रहा था। जून तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 23.6 फीसदी बढ़कर 34,470 करोड़ रुपये हो गया।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार मंगलवार को तेजी के साथ बंद हुआ। इसी के साथ ही बाजार में पिछले दो दिनों से जारी गिरावट पर अंकुश लग गया। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन सुबह बाजार गिरावट के साथ खुला पर इसके बाद लिवाली से बाजार में बढ़त आने लगी। बैंक, धातु और वाहन शेयरों में तेजी से बाजार में यह उछाल आया। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 257.43 अंक करीब 0.44 फीसदी ऊपर आकर 59,031.30 अंक पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 86.80 अंक तकरीबन 0.50 फीसदी उछलकर 17,577.50 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज फिनसर्व, टाइटन, टाटा स्टील, भारतीय स्टेट बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, सन फार्मा और इंडसइंड बैंक के शेयरों में लाभ के कारण बढ़त रही। वहीं दूसरी ओर, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इन्फोसिस, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, हिंदुस्तान यूनिलीवर, टेक महिंद्रा, विप्रो और एचडीएफसी बैंक के शेयर नुकसान के कारण नीचे आये। घरेलू बाजार में बैंक, वाहन और धातु कंपनियों के शेयर लाभ में रहे जबकि आईटी शेयरों में बिकवाली हुई। वहीं एशियाई बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में रहे। दूसरी ओर यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में मिला-जुला रुख देखा गया। अमेरिकी बाजार वॉल स्ट्रीट भी गिरा। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.43 फीसदी की बढ़त के साथ 97.85 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया।

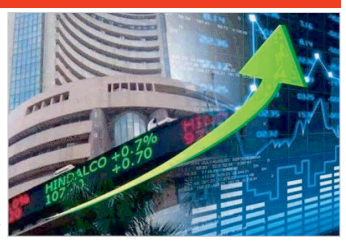

डॉलर के मुकाबले रुपया 79.88 पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपये में गिरावट आई है। रुपया चार पैसे की गिरावट के साथ ही 79.88 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 79.85 पर खुला। इसने दिन के कारोबार के दौरान अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 79.81 के ऊपरी और 79.90 के निचले स्तर पर पहुंचा। इसके बाद रुपया कारोबार के अंत में पिछले बंद भाव के मुकाबले चार पैसे नीचे आकर 79.88 पर बंद हुआ जबकि पिछले सत्र में रुपया 79.88 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। बाजार जानकारों के अनुसार डॉलर के मजबूत होने से यूरो में गिरावट आई है। वहीं रुपया डॉलर के मुकाबले 79.40 और 80.05 के दायरे में रहेगा। इसी बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 फीसदी बढ़कर 109.07 पर पहुंच गया।

रिजर्व बैंक गवर्नर बोले- महंगाई चरम स्तर पर पहुंची, धीरे-धीरे होगी कम

नई दिल्ली । बैंकों की शीर्ष नियामक भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बढ़ती महंगाई को लेकर बड़ा बयान दिया है उन्होंने कहा कि मुद्रास्फीति अपने चरम को छू चुकी है और अब कीमतों में गिरावट आएगी। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बैंक हर डेटा पर नजर बनाए हुए हैं और अभी कोई ढिलाई बरतने का स्कोप नहीं है। आपको बता दें कि पिछले 4 महीने में आरबीआई महंगाई पर काबू पाने के लिए 3 बार रेपो रेट बढ़ा चुका है। शक्तिकांत दास ने कहा है कि अब सधे हुए कदमों के साथ 4 फीसदी के मुद्रास्फीति लक्ष्य तक पहुंचना है। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसा करते हुए वृद्धि को बहुत अधिक नुकसान नहीं पहुंचाया जा सकता है। बर्कौल दास, बॉन्ड यील्ड्स की स्थिर कीमतों से ऐसा लग रहा है कि महंगाई काबू करने की केंद्रीय बैंक की नीति ने काम किया है। उन्होंने कहा कि चालू खाते में जो अंतर है उसे संभाला जा सकता है। आने वाले महीनों में निर्यात बढ़ेगा। उन्होंने क्रिप्टोकरेंसी पर बोलते हुए कहा कि इससे बहुत अधिक वित्तीय अस्थिरता उत्पन्न हो सकती है और इसका फॉरेक्स रेट व नीति पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। दास का कहना है कि अर्थव्यवस्था को डॉलर से चलाने की नीति भारत के हितों के खिलाफ जा सकती है। उन्होंने बैंकों के निजीकरण पर कहा कि आरबीआई न इसके पक्ष में और न खिलाफ है। 10-वर्षीय बॉन्ड यील्ड 1 फीसदी की तेजी के साथ 7.28 फीसदी पर ट्रेड कर रहे थे। जबकि आज का इसका हाई 7.31 फीसदी था। अगस्त में मौद्रिक नीति की घोषणा, कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और विदेशी निवेश के आगमन के बाद बॉन्ड यील्ड्स में भी स्थिरता देखने को मिल रही है। बॉन्ड कंपनी और सरकार के लिए पैसा जुटाने का एक माध्यम है। यह कर्ज की श्रेणी में आता है। सरकार और कंपनियां पैसा जुटाने के लिए बॉन्ड जारी करती हैं। सरकारी बॉन्ड को जी-सेक यानी गवर्नमेंट सिक्योरिटीज कहा जाता है।

जेट एयरवेज कर्मचारियों के पीएफ खातों में घोटाला, अधिकारी ने फर्जी क्लेम से निकाले 1000 करोड़

मुंबई।

कर्मचारियों के भविष्य की सुरक्षा की गारंटी देने वाले ईपीएफओ संगठन से एक दुखदायी खबर आ रही है। संस्थान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सैकड़ों कर्मचारियों को भविष्य अंधकार में डाल दिया। मुंबई के कांदीवली क्षेत्र स्थित कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ऑफिस में तैनात सोशल सिक्योरिटी ऑफिसर ने फर्जी तरीके से क्लेम कर कर्मचारियों के 1000 करोड़ रुपये हड़प लिए। ईपीएफओ ने आरोपी अधिकारी महिंद्र बामने को निलंबित कर दिया है और मामले में जांच के लिए उच्च अधिकारी को नियुक्त किया है। इस फर्जीवाड़े में बामने ने अपने मित्र कर्मचारियों को फायदा दिलाने के लिए एयरलाइन के कई घरेलू कर्मचारियों के हितों को सूली पर चढ़ा दिया। मामले में शामिल लोगों ने कई दस्तावेज नष्ट कर दिए और फर्जी कागजों के सहारे पूरे खेल को अंजाम दिया।

ईपीएफओ से जुड़े सूत्रों ने बताया कि वैसे तो पीएफ लूट की शुरुआत 2019 में ही हो गई थी, लेकिन लॉकडाउन के दौरान इसमें तेजी आई। बाद में कई कर्मचारियों ने पीएफ कार्यालय से डॉक्यूमेंट गायब होने की शिकायतें भी की। हालांकि, अब जेट एयरवेज पायलटों से संपर्क तक उनका इंडियन पैन कार्ड और बैंक चेक मांग रहा है, ताकि उन्हें पीएफ के पैसे वापस कर सके। ईपीएफओ के सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज के सदस्य प्रभाकर बानासुरे ने बताया कि कर्मचारियों के पीएफ के पैसे हड़पने के लिए आरोपियों ने बोगस खाते खोले और निष्क्रिय हो चुकी कंपनियों में फर्जी तरीके से क्लेम सेटलमेंट किए जिसमें जेट एयरवेज भी शामिल है। हमारा अनुमान है कि नियमों के इस उल्लंघन और टैक्स चोरी से ईपीएफओ को करीब 1000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। दोषियों को इसके लिए कड़ी सजा मिलेगी।

मामला सामने आने के बाद ईपीएफओ के आईएएस अधिकारियों और श्रम मंत्री के साथ मामले पर बैठक भी गई। 29-30 जुलाई को हुई बैठक में इस ईपीएफओ कमिश्नर के साथ इस पर चर्चा हुई। ट्रस्टी सदस्य सुकुमार दामले का कहना है कि बैठक में जेट एयरवेज का मुद्दा भी उठा और लोगों ने इस पर बात की। कांदीवली शाखा से जुड़े इस मैटर से श्रम मंत्री को भी अवगत कराया गया। मामले में कई विदेशी कर्मचारियों के पीएफ में सेंधमारी की बात सामने आई है। प्रभाकर बानासुरे ने कहा, मैं खुद मीटिंग में मौजूद था और मैंने जेट एयरवेज के पीएफ खातों के फॉरेंसिक ऑडिट की मांग की है। वैसे तो मामले की जांच चीफ विजिलेंस जीतेंद्र खरे करेंगे, लेकिन वे कांदीवली की उसी ब्रांच में काम करते हैं जहां का यह मामला है। ऐसे में हमें सही जांच की उम्मीद कम है। लिहाजा मेरी मांग है कि इसकी जांच सीबीआई से कराई जाए, क्योंकि इसमें कई व्हाइट कॉलर भी शामिल होंगे।

आरबीआई अगले माह रेपो रेट में कर सकता है वृद्धि

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) एक बार फिर रेपो रेट में वृद्धि कर सकता है। अगले माह होने वाली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक के बाद इसकी घोषणा हो सकती है। एमपीसी इस बार रेपो रेट में 0.25 फीसदी की बढ़ोतरी कर सकती है। जर्मनी के डॉयचे बैंक ने इस वृद्धि का अनुमान लगाया है। बैंक इस वित्त वर्ष में अब तक 3 बार रेपो रेट बढ़ाकर इसे कोविड-19 पूर्व के स्तर पर ले गया है। फिलहाल नीतिगत दरें 5.40 फीसदी पर है। अगर इसमें और 0.25 फीसदी का इजाफा होता है तो ये 5.65 फीसदी तक पहुंच जाएंगी। आरबीआई ने पिछले चार महीने में नीतिगत दरों में 1.40 फीसदी का इजाफा किया है। डॉयचे बैंक का कहना है कि भले ही आरबीआई रेपो रेट में वृद्धि करेगा लेकिन अब दरों में वृद्धि की रफ्तार कम होती जाएगी। दरअसल, आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा है कि अब महंगाई को धीरे-धीरे काबू में लाया जाएगा। उन्होंने ईटी को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि महंगाई अपने शीर्ष स्तर पर पहुंच चुकी है और अब इसे सधे कदमों के साथ 4 फीसदी तक लाया जाएगा। उन्होंने कहा है कि इसमें करीब 2 साल का वक्त लगेगा और यह ढिलाई बरतने का समय नहीं है। बता दें कि आरबीआई के प्रयासों के बावजूद महंगाई केंद्रीय बैंक की तय सीमा (2-6 फीसदी) के ऊपर बनी हुई है। आरबीआई अगर रेपो रेट में वृद्धि करता है बैंकों द्वारा दिया जाने वाला कर्ज महंगा हो जाएगा। दरअसल, बैंक के कई लोन सीधे रेपो रेट से जुड़े होते हैं। इसलिए रेपो रेट में होने वाला कोई भी बदलाव आम जनता तक पहुंचता है। पिछली 3 बार से नीतिगत दरों में वृद्धि के कारण होम लोन 8 फीसदी के करीब पहुंच गया है। इस बार यह 8 फीसदी को पार कर सकता है। ऐसे में लोगों के लिए लोन लेना और महंगा हो जाएगा। रेपो रेट या नीतिगत दर पर बैंक आरबीआई से कर्ज लेते हैं। इसलिए जितना महंगा लोन उन्हें मिलेगा उसका वजन बैंक आम लोगों पर ट्रांसफर करेंगे। इसी तरह जिस रेट पर आरबीआई बैंकों से पैसा लेता है उसे रिवर्स रेपो रेट कहा जाता है।

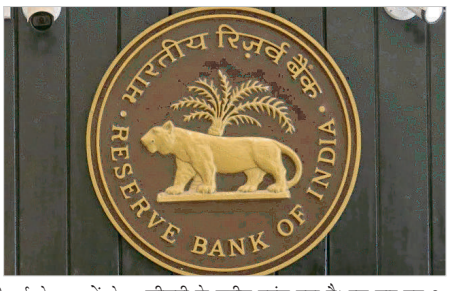

सड़क परियोजनाओं के वित्त पोषण के लिए अगले माह पूंजी बाजार का रुख करेगी सरकार : गड़करी

नई दिल्ली । केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को कहा कि चार सड़क परियोजनाओं के लिए धन जुटाने को सरकार अगले महीने पूंजी बाजार का रुख करेगी। उन्होंने कहा कि यह धन अवसंरचना निवेश ट्रस्ट (इनविट) के जरिये जुटाया जाएगा और खुदरा निवेशकों के लिए इसमें 10 लाख रुपये की निवेश सीमा होगी। गडकरी ने उद्योग मंडल फिक्की के एक कार्यक्रम में कहा हम चार सड़क परियोजनाओं के लिए पूंजी बाजार का रुख करेंगे। इसमें सात से 8 प्रतिशत का सुनिश्चित रिटर्न होगा। गडकरी ने कहा कि सड़क मंत्रालय एक बार फिर बनाओ, चलाओ, स्थानांतरित करो (बीओटी) मॉडल के तहत परियोजनाएं खोलेगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उन्होंने 2024 तक राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क की लंबाई को दो लाख किलोमीटर तक ले जाने का लक्ष्य रखा है। देश में राष्ट्रीय राजमार्गों का नेटवर्क अप्रैल, 2014 के 91,287 किलोमीटर से बढ़कर नवंबर, 2021 में 1,40,937 किलोमीटर पर पहुंच गया है।

भविष्य में मोबाइल फोन लेना होगा महंगा, डिस्प्ले पर कस्टम ड्यूटी बढ़ी

नई दिल्ली ।

आप नया मोबाइल खरीदने जा रहे है तो यह खबर आपके काम की है। आने वाले समय में मोबाइल की कीमत में इजाफा देखने हो सकता है। भारत के ऐपक्स इनडायरेक्ट टैक्स ने ऑर्डर जारी किया है। इसमें कहा गया है कि मोबाइल फोन में लगने वाले इनपुट्स के आधार इस पर ज्यादा कस्टम चार्ज लगाया जाएगा। अगर फोन में लगने वाले कंपोनेंट पर ज्यादा चार्ज लगाया जाता है तो मोबाइल कंपनियां इसकी कीमत बढ़ा सकती है। इससे कंज्यूमर्स को एडिशनल पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि बैक सपोर्ट फ्रेम के साथ स्मार्टफोन के डिस्प्ले एसेंबली पर 10 परसेंट बेसिक कस्टम ड्यूटी लगेगा। सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टैक्सेस और कस्टम्स यानी सीबीआईसी ने बताया है कि अगर इसमें एंटीना पिन, पावर की और दूसरे कंपोनेंट्स को डिस्प्ले के साथ एसेंबली किया जाता है तो कस्टम ड्यूटी चार्ज 5 परसेंट तक बढ़ सकती है। इससे टोटल चार्ज 15 परसेंट तक लग सकता है।

सीबीआईसी ने बताया कि सिम ट्रे, एंटीना पिन, स्पीकर नेट, पावर की, स्लाइडर स्विच, बैटरी कम्पार्टमेंट, वॉल्यूम, पावर, सेंसर, स्पीकर, फिंगरप्रिंट के लिए फ्लेक्सिबल प्रिंटेड सर्किट (एफपीसी) जैसी कोई अन्य चीज डिस्प्ले असेंबली के साथ फिट आती है तो पूरी असेंबली में 15 प्रतिशत का बीसीडी रेट लगेगा। मेटल/ प्लास्टिक के बैक सपोर्ट फ्रेम के साथ या उसके बिना भी ये चार्ज लिया जाएगा।

ये फैसला ऐसे समय में आ रहा है जब चीनी कंपनियां जैसे वीवो और ओप्पो पर आरोप है इसने टैक्स की चोरी की है। टेक कंपनियां दावा कर रही हैं कि ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि सेल्युलर फोन के जरूरी कंपोनेंट्स पर कस्टम ड्यूटी चार्जेज पर क्लियरिटी नहीं है।

सीबीआईसी ने कहा है कि अगर डिस्प्ले एसेंबली के साथ एडिशनल कंपोनेंट हैं तो इसे नोटिस का उल्लंघन माना जाएगा।

दूसरी तरह इंडस्ट्री कह रही है कि मोबाइल डिस्प्ले के साथ अटैच सभी कंपोनेंट को डिस्प्ले एसेंबली का हिस्सा माना जाना चाहिए। इस वजह से कस्टम ड्यूटी 10 परसेंट से अधिक नहीं होना चाहिए।

पीएनबी ग्राहक अब एफडी पर ले सकेंगे ऑनलाइन कर्ज

नई दिल्ली ।

देश के अग्रणी सरकारी बैंक पीएमबी के ग्राहकों को अब घर बैठे फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) पर ओवरड्राफ्ट (पीएनबी ओवरडॉफ्ट फेसलिटी) की सुविधा मिलेगी। इसके जरिए ग्राहक बैंक के पीएनबी वन (पीएनबी वन) ऐप या इंटरनेट बैंकिंग के जरिए घर बैठे ओवरड्राफ्ट के लिए अप्लाई कर सकते हैं। यही नहीं, बैंक ने पीएनबी वन जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म से आवेदन करने पर ब्याज पर 0.25 फीसदी छूट देने की भी घोषणा की है। ओवरड्राफ्ट एक तरह का लोन होता है। इसके चलते ग्राहक अपने बैंक अकाउंट से मौजूदा बैलेंस से ज्यादा पैसे निकाल सकते हैं। इस अतिरिक्त पैसे को एक निश्चित अवधि के अंदर चुकाना होता है और इस पर ब्याज भी लगता है। इसमें ग्राहक को अपेक्षाकृत कम ब्याज देना पड़ता है। दूसरा फायदा यह है कि ओवरड्राफ्ट में जितने समय के लिए पैसा लेते हैं, उतने समय के लिए ही ब्याज देना पड़ता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, पंजाब नेशनल बैंक का कहना है कि फिक्स्ड डिपॉजिट पर ओवरड्रॉफ्ट सुविधा का लाभ उठाने के लिए ग्राहक को बैंक ब्रांच आने की जरूरत नहीं है। पीएनबी वन ऐप और रिटेल इंटरनेट बैंकिंग के जरिए ऑनलाइन आवेदन कर ग्राहक इस सुविधा को प्राप्त कर सकते हैं। पीएनबी ने प्री-क्वालिफाइड क्रेडिट कार्ड भी लॉन्च किया है। इंश्योरेंस सहित कई खूबियों से लैस यह कार्ड सैलरी अकाउंट कस्टमर को मिलेगा। इसके लिए पीएनबी वन ऐप और इंटरनेट बैंकिंग सर्विस के माध्यम से अप्लाई किया जा सकता है। अगर आपका भी सस्ता घर या फिर जमीन खरीदने का प्लान है तो पंजाब नेशनल बैंक आपके लिए अच्छा मौका लेकर आया है। पंजाब नेशनल बैंक ई-ऑक्शन के जरिए हाउसिंग, रेजिडेंशियल और कॉमर्शियल प्रॉपर्टी की नीलामी करेगा। इस नीलामी में कोई भी व्यक्ति भाग ले सकता है। यह नीलामी 25 अगस्त को होगी। बता दें कि पीएनबी उन प्रॉपर्टी की नीलामी करता है जिनको गिरवी रखकर लोन लेने वाले लोग बैंक का पैसा नहीं लौटाते हैं। ऐसे में उनकी प्रॉपर्टी पर बैंक कब्जा कर उसे नीलामी में बेचकर अपना पैसा वसूलता है। प्रॉपर्टी का मालिकाना हक बैंक के पास होने के कारण बैंक उसे नीलाम करने का अधिकारी होता है।

दिल्ली में हर 15 ई-वाहनों पर 2024 तक होगा एक चार्जिंग केंद्र

-दिल्ली सरकार ने जारी किया ई-वाहन नीति दस्तावेज

नई दिल्ली ।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व दिल्ली सरकार ने सन 2024 तक प्रत्येक 15 इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के लिए एक सार्वजनिक चार्जिंग केंद्र उपलब्ध कराने की कार्य योजना बनाई है। इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के लिए नयी नीति के दस्तावेजों के तहत सरकार का इस नीति के तहत बैटरी अदला-बदला सुविधा का संचालन करने वालों को प्रोत्साहन प्रदान करने का भी इरादा है। दिल्ली सरकार की इस नीति में बिजली वितरण कंपनियां भी शामिल है, जो ग्रिड पर ईवी चार्जिंग के प्रभाव का अध्ययन करेंगी।

दिल्ली सरकार ने अपनी ईवी नीति के दो साल पूरे होने पर इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए 'चार्जिंग कार्य योजना' जारी की। इसे पहली बार 2020 में पेश किया गया था। इस नीति का नाम '2022-25 के लिए चार्जिंग/ (बैटरी) अदला-बदली के बुनियादी ढांचे की कार्य योजना' रखा गया है। नीति के तहत राज्य में बैटरी अदला-बदली की सुविधा प्रदान करने वाले संचालकों को प्रोत्साहन प्रदान किया जाएगा।

योजना में कहा गया है कि यदि वाहन के साथ बैटरी नहीं बेची जाती है, तो बिजली संचालकों को खरीद प्रोत्साहन का 50 प्रतिशत तक यह सुनिश्चित करने के लिए दिया जाएगा कि अंतिम उपयोगकर्ता को बड़ी जमा राशि का भुगतान नहीं करना पड़े।

दस्तावेज में कहा गया है कि वाहन विनिर्माताओं को अपने अदला-बदली मॉडल को अलग से पंजीकृत करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इसके अनुसार बैटरियों की लागत आमतौर पर कुल ईवी लागत का 40 से 50 प्रतिशत होती है और यह ईवी उपयोगकर्ता को बैटरी खराब होने के जोखिम से भी बचाती है। इसलिए, समाधान के रूप में बैटरी की अदला-बदली भारत के ई-वाहन क्षेत्र को बढ़ावा देने में मदद कर सकती है।

कार्य योजना में यह भी कहा गया है कि नीति आयोग द्वारा 20 अप्रैल, 2022 को प्रकाशित बैटरी अदला-बदला नीति के मसौदे और बाद के किसी भी संशोधन के साथ भविष्य के उपायों को भी ध्यान में रखा जाएगा। दस्तावेज में कहा गया है कि दिल्ली सरकार का लक्ष्य 2024 तक प्रत्येक 15 ईवी के लिए एक सार्वजनिक चार्जिंग केंद्र प्रदान करना है। चार्जिंग केंद्र का यह जाल पूरे दिल्ली में फैलाया जाएगा और दिल्ली में कहीं से भी तीन किमी के भीतर एक चार्जिंग केंद्र उपलब्ध होगा।

श्रीलंका : राजकोषीय घाटे को पिछले वर्ष के 9.9 फीसदी से घटाकर 6.8 फीसदी पर लाने का लक्ष्य

कोलंबो ।

श्रीलंका के 2023 के बजट का लक्ष्य राजकोषीय घाटे को पिछले वित्त वर्ष के अनुमानित 9.9 प्रतिशत से घटाकर 6.8 प्रतिशत करना है। मंत्रिमंडल के एक वरिष्ठ सदस्य ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने संकटग्रस्त द्वीपीय राष्ट्र के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के प्रतिनिधिमंडल की यात्रा से पहले यह जानकारी दी।

श्रीलंका इन दिनों अभूतपूर्व आर्थिक संकट से जूझ रहा है, जिससे यहां ईंधन और अन्य आवश्यक वस्तुओं की भारी कमी हो गई है। हाल के दिनों में 2.2 करोड़ लोगों के देश में बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शनों के बाद पूर्व राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे को देश से भागने और अपने पद से इस्तीफा देने के लिए मजबूर होना पड़ा था। मंत्रिमंडल के प्रवक्ता और सूचना मंत्री बंडुला गुनावर्धने ने मंगलवार को कहा कि श्रीलंका की इस वित्त वर्ष में बजट घाटे को सकल घरेलू उत्पाद के 6.8 प्रतिशत तक कम करने की योजना है।

2022 में यह आंकड़ा अनुमानित 9.9 प्रतिशत था। उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल ने वर्ष 2023 से 2025 के लिए एक राजकोषीय रूपरेखा को मंजूरी दी है।

गुनावर्धने ने कहा कि हमें कर्ज का प्रबंधन करने, मुद्रा की छपाई को कम करने और मुद्रास्फीति को कम करने के लिए घाटे को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के पांच प्रतिशत तक लाना होगा। आईएमएफ के प्रतिनिधिमंडल के दौरे से पहले राजकोषीय घाटे के लक्ष्य की घोषणा की गई। द्वीपीय राष्ट्र को 24 से 31 अगस्त के बीच कर्मचारी स्तर के समझौते पर पहुंचने के लिए बातचीत दोबारा शुरू करनी है।

दो सितंबर को होंगे एआईएफएफ कार्यकारी समिति के चुनाव , नामांकन प्रक्रिया 25 अगस्त से शुरू होगी

नई दिल्ली . अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) चुनावों के लिए नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया 25 अगस्त से शुरू होगी। वहीं कार्यकारी समिति के चुनाव अगले माह दो सितंबर को होंगे। इससे पहले सुपीम कोर्ट ने सोमवार को प्रशासकों की समिति को बर्खास्त करते हुए एआईएफएफ चुनावों को एक सप्ताह के लिये टाल दिया था। अह निर्वाचन अधिकारी उमेश सिन्हा ने नयी सूचना जारी की जिसमें नये सिरे से तारीख घोषित की गयी हैं। इसमें विभिन्न पदों के लिये नामांकन गुरुवार से शनिवार तक दाखिल होगी और इनकी छंटनी 28 अगस्त से होगी। नामांकन वापिस लेने की अंतिम तारीख 29 अगस्त है जिसके बाद निर्वाचन अधिकारी अंतिम सूची तैयार करके उसे 30 अगस्त को एआईएफएफ की वेबसाइट पर जारी करेंगे। चुनाव दो सितंबर को दिल्ली में एआईएफएफ मुख्यालय पर होंगे और परिणाम दो या तीन सितंबर को आ जाएंगे। इससे पहले फीफा ने एआईएफएफ के कामकाज में हस्तक्षेप का आरोप लगाते हुए उसे निलंबित कर दिया था जिससे भारत की अंडर 17 महिला विश्व कप की मेजबानी भी खतरे में पड़ गयी थी। इसके बाद शीर्ष अदालत ने केन्द्र की अपील पर प्रशासकों की समिति (सीओए) को बर्खास्त कर दिया था। जिससे सभी अधिकार अब एआईएफएफ को मिल गये हैं।

एशिया कप में विराट के प्रदर्शन पर रहेंगी नजरें

दबाव में ही होती है महान खिलाड़ी की परीक्षा : अफरीदी

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली पिछले काफी समय से फार्म में नहीं हैं। ऐसे में एशिया कप में उनके प्रदर्शन पर सबकी नजरें रहेंगी। एशिया कप में 28 अगस्त को भारत का मुकाबला पाकिस्तान से होगा। ऐसे में इस मुकाबले में विराट कैसा प्रदर्शन करते हैं यह देखना होगा। प्रशंसकों को भारत-पाक के इस मुकाबले का बेताबी से इंतजार है। एशिया कप में भारत-पाक टीमें पिछले साल हुए टी20 विश्वकप के बाद एक बार फिर आमने-सामने होंगी। इस टूर्नामेंट से विराट पिछले एक महीने के लंबे ब्रेक के बाद खेल में वापसी करेंगे। विराट के फॉर्म और उनके भविष्य को लेकर जब एक प्रशंसक ने पूर्व पाकिस्तानी कप्तान शाहिद अफरीदी से बात की तो उन्होंने कहा कि यह उनके ऊपर है। उन्होंने कहा कि बड़े खिलाड़ियों का प्रदर्शन कठिन समय में ही सामने आता है। विराट लंबे समय से शतक नहीं लगा पाये हैं। इसके बाद से ही उनके टीम में रहने पर भी सवाल खड़े हो गये थे। विराट ने अंतिम बार इंग्लैंड दौरे में भाग लिया था, जिसके बाद वह मैदान से दूर हो गए थे। विराट अब एशिया कप में बेहतर प्रदर्शन कर अपने आलोचकों को करारा जवाब देना चाहेंगे। वह पाक के खिलाफ मैच से पुरानी लय हासिल करना चाहेंगे। पिछली बार भारत ने दुबई में पाकिस्तान के खिलाफ खेला था, तब उन्होंने 49 गेंदों में 57 रनों की पारी खेली थी। तब भारत को पाक के हाथों 10 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। यह किसी आईसीसी टूर्नामेंट में भारत की पाक के खिलाफ पहली हार थी।

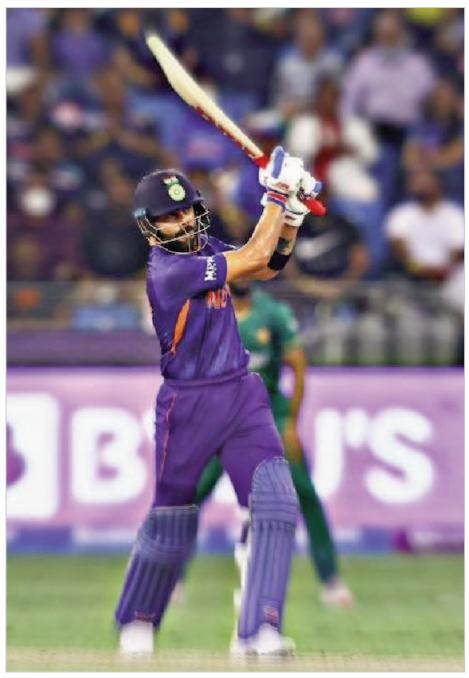

चेन्नई ओपन : अंकिता रैना को महिला एकल ड्रॉ में मिला वाइल्ड कार्ड

चेन्नई :

भारत की शीर्ष महिला एकल खिलाड़ी अंकिता रैना को 12 से 18 सितंबर तक आयोजित होने वाले चेन्नई ओपन टेनिस के लिए मंगलवार को वाइल्ड कार्ड दिया गया। डब्ल्यूटीए 250 स्तर के इस टूर्नामेंट में 29 साल की अंकिता के साथ 2014 विंबलडन की उपविजेता कनाडा की यूजिन बूचार्ड को भी वाइल्ड कार्ड दिया गया है। तमिलनाडु टेनिस संघ (टीएनटीए) के अध्यक्ष और भारत के पूर्व खिलाड़ी विजय अमृतराज ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा- 32 खिलाड़ियों के मुख्य एकल ड्रॉ के लिए अंकिता और बूचार्ड को वाइल्ड कार्ड दिया गया है। दो अन्य (वाइल्ड कार्ड) शीर्ष-20 में किसी ऐसे खिलाड़ी को मिलेगा जो यहां आने और खेलने के इच्छुक हैं। अमृतराज ने कहा कि रैना और बूचार्ड दोनों को महिला एकल ड्रा में डब्ल्यूटीए नियमों के अनुसार वाइल्ड कार्ड दिए गए है। इस बीच, शर्मादा बालू और रिया भाटिया की भारतीय जोड़ी को युगल ड्रॉ में वाइल्ड कार्ड मिला है। अमृतराज ने कहा कि वह इस बात की पुष्टि नहीं कर सकते कि दिग्गज टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा इस टूर्नामेंट का हिस्सा बनेंगी की नहीं। सानिया ने पैर में चोट के कारण यूएस ओपन से नाम वापस ले लिया है। विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान की पूर्व खिलाड़ी कैरोलिन गार्सिया को एकल ड्रॉ में शीर्ष वरीयता मिलने की संभावना है। उन्होंने हाल ही में पेट्रा क्रितोवा को शिकस्त देकर सिनसिनाटी मास्टर्स खिताब के साथ रैंकिंग में शीर्ष 20 में वापसी की है। दुनिया की 29वें नंबर की एलिसन-रिस्के और बेल्जियम की एलिस मर्टेंस (विश्व रैंक 32) टूर्नामेंट में भाग लेने वाली अन्य प्रमुख खिलाडियों में शामिल है।

करणदीप कोचर ने चेन्नई ओपन गोल्फ चैम्पियनशिप में बनाई बढ़त

चेन्नई ।

चंडीगढ़ के खिलाड़ी करणदीप कोचर चेन्नई ओपन गोल्फ चैम्पियनशिप में मंगलवार को शुरुआती दौर में सात अंडर 65 का शानदार कार्ड खेल तालिका में शीर्ष पर पहुंच गए। पीजीटीआई में चार बार के विजेता कोचर ने इस दौरान 15 फुट की दूरी से शानदार बर्डी लगाई। श्रीलंका के एन थंगराज 66 के स्कोर के साथ दूसरे जबकि पिछले सप्ताह के पीजीटीआई टूर्नामेंट के विजेता खलिन जोशी 67 के स्कोर के साथ 50 लाख इनामी प्रतियोगिता में तीसरे स्थान पर हैं। अर्जुन शर्मा ने इस दौरान छठे होल में 'होल इन वन' लगाया। वह 69 के स्कोर के साथ संयुक्त रूप से नौवें स्थान पर है। नेपाल के सुकरा बहादुर राय, गुरुग्राम के कार्तिक शर्मा और मनु गंडास, चंडीगढ़ के रंजीत सिंह और हैदराबाद के मोहम्मद अजहर 68 के स्कोर के साथ संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर हैं।

विश्व चैंपियनशिप : शटलर साइना नेहवाल, त्रिशा-गायत्री ने पहले दौर में जीत दर्ज की

टोक्यो ।

भारत की शीर्ष शटलर साइना नेहवाल ने बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (बीडब्ल्यूएफ) विश्व चैंपियनशिप 2022 में विजयी की शुरुआत करते हुए मंगलवार को पहले दौर में हॉन्ग कॉन्ग की चिउंग न्यान यी को 2-0 से मात दी। विश्व चैंपियनशिप 2015 की सिल्वर मेडलिस्ट साइना ने टोक्यो मेट्रोपोलिटन जिम्नेजियम में 38 मिनट में न्यान यी को 21-19, 21-9 से मात दी। साइना का सामना दूसरे दौर में जापान की नोजोमी ओकुहारा से होना था, लेकिन उसके नाम वापस लेने के बाद भारतीय शटलर सीधा प्री-क्वार्टरफाइनल में पहुंच गई हैं। प्री-क्वार्टरफाइनल में उनका सामना थाईलैंड की बुसानन ओंगबामरुंगफान और जर्मनी की यवोन ली के बीच होने वाले दूसरे दौर के संघर्ष की विजेता से होगा। साइना (32) विश्व चैंपियनशिप में पहुंचने वाली महिला एकल प्रतियोगिता में एकलौती भारतीय खिलाड़ी हैं। इनके अलावा 2019 की चैंपियन पीवी सिंधु ने टखने की चोट के कारण प्रतियोगिता से नाम वापस ले लिया था, जबकि युवा मालविका बंसोड़ पहले दौर में डेनमार्क की लाइन क्रिस्टोफरसन से हारकर प्रतियोगिता से बाहर हो गयी थीं। साइना नेहवाल के अलावा त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की भारतीय जोड़ी ने महिला युगल के पहले दौर में मलेशिया की लो यीन युआन और वैलेरी सियो को 21-11, 21-13 से हरा कर दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। अब त्रिशा-गायत्री का सामना दूसरे दौर में राष्ट्रमंडल खेलों की मलेशियाई चैंपियन जोड़ी टैन पर्ली और तिनाह मुरलीधरन से होगा। दूसरी ओर, अश्विनी भट्ट और शिखा गौतम की महिला युगल जोड़ी ने इटली की मार्टिना कोर्सिनी और जूडिथ मेयर को 21-8, 21-14 से परास्त करके दूसरे दौर में जगह बना ली है। मिश्रित युगल मुकाबले में हालांकि भारत के हाथ निराशा लगी। जहां ईशान भटनागर और तनीषा क्रास्टो की जोड़ी दूसरे दौर में थाइलैंड के सुपक जोमकोह और सुपिसारा पॉसमप्रन से 14-21, 17-21 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए। वेंकट प्रसाद और जूही देवांगन की मिश्रित युगल जोड़ी को भी पहले दौर में इंग्लैंड के ग्रेगोरी मेयर्स और जेनी मूर के हाथों 10-21, 21-23 से हार मिली। फ्रांस के फेबियन डेल्यूर और विलियम विलेगर ने पहले दौर में कृष्णा प्रसाद गरग और विष्णुवर्धन पंजला की भारतीय पुरुष जोड़ी को 21-14, 21-18 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर का रास्ता दिखा दिया।

संक्षिप्त समाचार

द्रविड़ एशिया कप के लिए दुबई नहीं जाएंगे : शाह

म्हाम्ब्रे या लक्ष्मण संभालेंगे कोच की जिम्मेदारी

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव जय शाह ने कहा है कि टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ कोविड-19 संक्रमित होने के कारण 27 अगस्त से शुरू होने वाले एशिया कप के लिए दुबई नहीं जाएंगे। भारतीय टीम एशिया कप में 28 अगस्त को अपने शुरुआती मैच में पाकिस्तान को सामना करेगी। शाह ने कहा, ''भारतीय टीम के मुख्य कोच द्रविड़ का कोविड-19 के लिए किया गया रूटीन परीक्षण पॉजिटिव आया है।'' उन्होंने कहा, ''द्रविड़ अभी बीसीसीआई चिकित्सा टीम की निगरानी में हैं और उनमें मामूली लक्षण हैं। अब कोविड-19 की रिपोर्ट नेगेटिव आने पर ही वह वापस टीम से जुड़ सकेंगे।'' ऐसे में अभी कुछ समय के लिए सहायक कोच पारस म्हाम्ब्रे टीम के प्रभारी होंगे। वहीं राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण को टीम के साथ दुबई भेजने का फैसला बाद में किया जाएगा। लक्ष्मण के टीम से जुड़ने तक म्हाम्ब्रे टीम के प्रभारी होंगे। भारतीय टीम के अधिकतर खिलाड़ी आज सुबह ही यूएई रवाना हो गए हैं।'' उपकप्तान केएल राहुल, दीपक हुड्डा और रिजर्व खिलाड़ी अक्षर पटेल हरारे से सीधे ही वहां पहुंचेंगे।

चोट से उभरे नीरज चोपड़ा , डाइमंड लीग प्रतियोगिता में लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली ।

ओलिम्पिक चैम्पियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा पिछले महीने लगी ग्रोइन की मामूली चोट से उबर चुके हैं और 26 अगस्त को स्विट्जरलैंड के लुसाने में डाइमंड लीग प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए तैयार हैं। लुसाने में अच्छा प्रदर्शन चोपड़ा की सात और आठ सितंबर को ज्यूरिख में डाइमंड लीग फाइनल में जगह सुनिश्चित कर सकता है क्योंकि वह अभी तालिका में चौथे स्थान पर हैं। तालिका में शीर्ष छह में रहने वाले खिलाड़ी ज्यूरिख में होने वाले फाइनल में जगह बनाएंगे। लुसाने प्रतियोगिता आखिरी चरण है जिसमें पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा को शामिल किया गया है। अमेरिका के यूजीन में 24 जुलाई को विश्व चैम्पियनशिप के फाइनल में ऐतिहासिक रजत पदक जीतने के दौरान 24 साल के चोपड़ा को चोट लगी थी जिसके कारण वह बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों से भी हट गए थे। चिकित्सा टीम ने चोपड़ा को 4 हफ्ते के आराम की सलाह दी थी जिसके बाद वह बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों (28 जुलाई से 8 अगस्त) की शुरुआत से सिर्फ दो दिन पहले इन खेलों से हट गए थे। वह इसके बाद जर्मनी में रिहैबिलिटेशन से गुजरे। चोपड़ा ने ट्वीट किया- मजबूत और शुक्रवार के लिए तैयार महसूस कर रहा हूं। समर्थन के लिए सभी का धन्यवाद। लुसाने में मिलते हैं। आयोजकों ने 17 अगस्त को जब प्रतिभागियों की सूची जारी की थी तो उसमें चोपड़ा का नाम भी था लेकिन चोट के कारण इस प्रतियोगिता में उनके हिस्सा लेने को लेकर अटकलें लगाई जा रहीं थी। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के अध्यक्ष आदिले सुमारिवाला ने कहा था कि अगर चोपड़ा 'मेडिकल रूप से फिट' हुए तो लुसाने में प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे।

चीन के क्रिकेटरों की मदद करेगा बंगाल क्रिकेट संघ

कोलकाता। बंगाल क्रिकेट संघ (कैब) चोंगकिंग शहर में क्रिकेट के विकास के लिए यहां चीन के महावाणिज्य दूत के साथ एक सहमति पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने की प्रक्रिया में है। कोलकाता में चीन के महावाणिज्य दूत झा लियू के नेतृत्व में देश के तीन सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने ईडन गार्डन्स में कैब अध्यक्ष अभिषेक डालमिया से मुलकाता की। वे एमओयू पर हस्ताक्षर का प्रस्ताव लाए थे जिसके जिसके तहत वे खिलाड़ियों को प्रशिक्षण के लिए यहां भेज सकते हैं। इसमें चीन के शहर के साथ अधिक सहयोग जिसमें आपसी यात्राएं, कोच की सेवाएं और मैत्री मुकाबलों सहित अन्य सहयोग का प्रस्ताव रखा गया है। डालमिया ने कहा, 'हमने सहयोग का आश्वासन दिया है क्योंकि हम विश्व स्तर पर क्रिकेट के प्रसार में विश्वास करते हैं और चीन को इस खेल को खेलने की पहल करते देखना उत्साहजनक है।' आर्थिक और व्यावसायिक वाणिज्य दूत झांग होंगजी और द्विपक्षीय संबंध विभाग के प्रमुख झांग झिझोंग भी प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे।

विश्वकप के लिए टीम में जगह नहीं मिलने पर निराशा हुई थी : चहल

नई दिल्ली । एशिया कप के लिए भारतीय टीम में शामिल स्पिनर युजवेंद्र चहल ने खुलासा किया है कि साल 2021 के विश्व कप में नहीं चुने जाने पर उन्हें निराश हुई थी पर तब उन्होंने इस बारे में किसी से नहीं कहा था। चहल ने कहा कि इसके बाद उन्होंने अपना ध्यान आईपीएल के दूसरे सत्र में बेहतर प्रदर्शन करने पर लगाया था। चहल ने कहा, जब आज विश्वकप के लिए जगह नहीं बना पाते तो बुरा लगता है पर मैंने कभी किसी से नहीं पूछा कि मेरा चयन 2021 के विश्व कप में क्यों नहीं हुआ। चहल आईपीएल 2021 के शुरुआती 7 मैचों में केवल 4 विकेट ही ले पाए थे,जिसके कारण वह विश्व कप में नहीं चुने गए थे पर बाद में उन्होंने आईपीएल के दूसरे सत्र में 15 मैचों में 18 विकेट लेकर सत्र का अच्छा समापन कियाथा। चहल ने अब तक आईपीएल में कुल 131 मैच खेलकर 166 विकेट लिए है। टी20 अंतराष्ट्रीय करियर में चहल ने 62 मैचों में 78 विकेट लिए हैं। इस आंकड़े के बाद भी चहल के टीम में नहीं होने से प्रशंसकों को निराश हुई। ऐसा नहीं था कि चहल को ज्यादा तेज गेंदबाजों को टीम में रखने के लिए बाहर किया गया था, स्पिनरों में आर अश्विन, रवींद्र जडेजा, वरुण चक्रवर्ती और राहुल चाहर जैसे खिलाड़ियों को शामिल किया गया था. बता दें कि युजवेंद्र चहल 27 अगस्त से शुरू होने जा रहे एशिया कप में भारतीय टीम का हिस्सा है. टूर्नामेंट में भारत अपना पहला मैच पाकिस्तान के खिलाफ 28 अगस्त को खेलेगी.

क्रिकेटर नहीं होते तो टेनिस खिलाड़ी होते ऋतुराज

मुम्बई । टीम इंडिया के युवा बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक वीडियो में कहा कि अगर वह एक क्रिकेटर नहीं होते तो टेनिस खिलाड़ी होते। जब उनसे पूछा गया कि कि वह किसके साथ अभ्यास करते। तो उनका कहना था कि वह स्विटजरलैंड के रोजर फेडरर के साथ अभ्यास करते। वहीं जब ऋतुराज से उनके पसंदीदा क्रिकेटर के बारे में पूछा गया तो उन्होंने सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और रोहित शर्मा के नाम लिए। ऋतुराज को आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर भारतीय टीम में जगह मिली है। वह जिम्बाब्वे दौर पर भी भारतीय टीम में शामिल थे पर उन्हें किसी भी मैच में खेलने का अवसर नहीं मिल पाया। उन्होंने भारत की ओर से नौ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं पर अभी तक एकदिवसीय में खेलने का अवसर उन्हें नहीं मिल पाया है।

राउरकेला में भी होंगे प्रो लीग मुकाबले, एफआईएच ने की घोषणा

नई दिल्ली ।

ओडिशा के राउरकेला को अक्टूबर में शुरू होने वाले एफआईएच प्रो लीग के आगामी सत्र के लिए मंगलवार को भुवनेश्वर के बाद दूसरे भारतीय आयोजन स्थल के रूप में शामिल किया गया। राउरकेला में नए स्टेडियम का निर्माण जनवरी में होने वाले पुरुष विश्व कप के मुकाबलों की मेजबानी के लिए किया गया है। विश्व कप 13 से 29 जनवरी तक खेला जाएगा। विश्व कप के मुकाबलों की मेजबानी कर चुका भुवनेश्वर का कलिंग स्टेडियम भारत में दूसरा स्थल होगा जो एफआईएच प्रो लीग मुकाबलों का आयोजन करेगा। एफआईएच प्रो लीग 28 अक्टूबर 2022 से 5 जुलाई 2023 तक चलेगी। इस लीग के मुकाबलों का आयोजन भुवनेश्वर और राउरकेला के अलावा आस्ट्रेलिया में न्यूकासल और होबार्ट, अर्जेन्टीना में मेंडोजा और सेंटियागो डेल, बेल्जियम में एंटवर्प, इंग्लैंड में लंदन, नीदरलैंड के आइंडहोवेन और एम्सटर्डम तथा न्यूजीलैंड में क्राइस्टचर्च और वेलिंगटन में होगा। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने बयान में कहा- नए प्रो लीग सत्र के लिए नया कार्यक्रम तैयार किया गया है जिसमें कई टीम एक स्थल पर एकत्रित होकर एक-दूसरे के खिलाफ 2 मैच खेलेंगी। उन्होंने कहा- इस प्रारूप का खिलाड़ियों पर काफी सकारात्मक असर होगा क्योंकि प्रत्येक टीम और अधिकारियों के यात्रा के समय में काफी कमी आएगी। एफआईएच ने साथ ही कहा कि वह प्रो लीग के आगामी सत्र में 'प्रमोशन' (टीम बेहतर लीग में जाना) और 'रेलीगेशन' (टीम का निचली लीग में खिसकना) के प्रणाली को लागू करेगा।

अंतिम स्थान पर रहने वाली टीम रेलीगेट हो जाएगी जबकि 2022 एआईएच नेशन्स कप जीतने वाली टीम को 2023 में प्रो लीग में खेलने का मौका मिलेगा। एफआईएच के सीईओ थियेरी वील ने कहा- प्रमोशन और रेलीगेशन के सिद्धांत को लागू करने से प्रो लीग में रोमांच आएगा। साथ ही नया प्रारूप खिलाड़ियों, राष्ट्रीय संघ, क्लब और प्रशंसकों सभी के लिए फायदेमंद होगा।

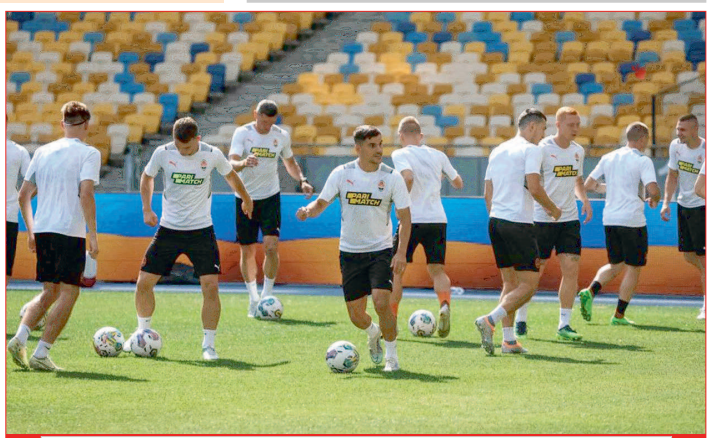

कीव में रुस के हमले के बाद पहली बार यूक्रेनी प्रीमियर लीग मुकाबले शुरु हुए

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 28 अगस्त को भुज में करेंगे स्मृति वन का लोकार्पण

गांधीनगर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार, 28 अगस्त को कच्छ के भुज शहर में स्मृति वन का लोकार्पण करेंगे। 26 जनवरी, 2001 को आए विनाशक भूकंप ने कच्छ को तबाह कर दिया था। भूकंप का शिकार बने नागरिकों की याद में इस स्मृति वन का निर्माण किया गया है। इस त्रासदी के बाद एक अभूतपूर्व सफर तय करते हुए कच्छ फिर से पटरी पर लौटा है और आज कच्छ के विकास का डंका पूरी दुनिया में बज रहा है। तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने स्मृति वन बनाने का संकल्प व्यक्त किया था। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में राज्य सरकार ने इस परियोजना को धरातल पर उतारने के लिए उत्कृष्ट कार्य किया है, नतीजतन अब यह परियोजना साकार हो गई है। स्मृति वन में बनाया गया विशेष संग्रहालय लोगों के आकर्षण का केंद्र बनेगा। इस संग्रहालय के निर्माण का उद्देश्य भूकंप के उन पलों को फिर से जीवंत करना और उस विभीषिका से ली गई सीख को बताने के साथ ही युवाओं में भूगर्भशास्त्र के प्रति रुचि पैदा करना है। भूगर्भशास्त्र से संबंधित विभिन्न रोचक जानकारियों तथा भूकंप की स्मृतियों को यहां अलग-अलग गैलरियों में प्रदर्शित किया जाएगा। इसके लिए आधुनिक टेक्नोलॉजी और उपकरणों का उपयोग किया गया है।

भूकंप का अनुभव करने के लिए विशेष थियेटर

2001 में आए विनाशक भूकंप की अनुभूति के लिए एक विशेष थियेटर का निर्माण किया गया है जो दुनिया में सबसे बड़े स्टिम्युलेटर में से एक है। यहां कंपन, ध्वनि और प्रकाश के संयोजन से एक विशेष परिस्थिति का अनुभव कराया जाएगा। संग्रहालय में कुल आठ ब्लॉक हैं, जिन्हें पुन: संरचना, पुन: परिचय, पुन: प्रत्यावर्तन, पुन: निर्माण, पुन: विचार, पुन: आवृत्ति और पुन: स्मरण नाम दिया गया है। यहां ऐतिहासिक हड़प्पा सभ्यता की बस्तियों, भूकंप से संबंधित वैज्ञानिक जानकारी, गुजरात की कला और संस्कृति, चक्रवात का विज्ञान, रियल टाइम आपातकालीन स्थिति के संबंध में कंट्रोल रूम द्वारा सलाह व सुझाव तथा भूकंप

के बाद भुज की सफलता गाथाओं एवं राज्य की विकास यात्रा को वर्कशॉप एवं प्रेजेंटेशन के जरिए दर्शाया गया है।

वर्चुअल रियलिटी, इंटरेक्टिव प्रोजेक्शन से उम्दा अनुभव

आगंतुकों को यहां एक उम्दा अनुभव देने के लिए उद्देश्य से आधुनिक टेक्नोलॉजी का उपयोग किया गया है। इसमें 50 ऑडियो-विजुअल मॉडल, होलोग्राम, इंटरेक्टिव प्रोजेक्शन और वर्चुअल रियलिटी का उपयोग किया गया है। लोग यहां जीवाश्मों की प्रदर्शनी भी देख सकेंगे। इस स्थल पर स्थानीय कला, संस्कृति और भूकंप के बाद कच्छ की सफलता गाथा के साथ ही विज्ञान का एक अद्भुत समन्वय किया गया है।

डिजिटल मशाल से श्रद्धांजलि

आगंतुक पुन: स्मरण ब्लॉक में बनी गैलरी में पहुंचकर भूकंप के शिकार बने नागरिकों को श्रद्धांजलि दे सकेंगे। यहां टच पैनल पर डिजिटल मशाल प्रज्जवलित करने पर वह एलईडी दीवार से होकर सीलिंग के बाहर एक प्रकाश बीम की तरह निकलेगी जिसे पूरे भुज शहर से देखा जा सकेगा।

स्थानीय खावड़ा स्टोन का उपयोग

कच्छ के विशेष रंग को शामिल करने के उद्देश्य से इस संग्रहालय की दीवारों और फ्लोर पर स्थानीय खावड़ा स्टोन का उपयोग किया गया है। इस पत्थर की विशेषता यह है कि यह समय के साथ-साथ लोगों की चहल-पहल से और अधिक मजबूत और खूबसूरत बन जाता है।

470 एकड़ क्षेत्र में साकार हुआ स्मृति वन प्रोजेक्ट

यह प्रोजेक्ट भुज के भुजिया डुंगर (पहाड़) पर 470 एकड़ क्षेत्र में निर्मित होगा। पहले चरण में 170 एकड़ क्षेत्र को विकसित किया जा रहा है। इसमें 50 चेकडैम, सन पॉइंट, 8 किलोमीटर लंबाई का पाथवे, 1.2 किलोमीटर की आंतरिक सड़क, 1 मेगावाट क्षमता का सौर ऊर्जा संयंत्र, 3 हजार आगंतुकों की क्षमता वाला पार्किंग, 300 वर्ष से भी अधिक पुराने किले का नवीनीकरण, 3 लाख पौधों का रोपण, पूरे क्षेत्र में इलेक्ट्रिक लाइटिंग और 11,500 वर्ग मीटर क्षेत्र में भूकंप को समर्पित संग्रहालय का समावेश होता है। श्रद्धांजलि के रूप में यहां चेकडैम की दीवारों पर कुल 12,932 पीड़ित नागरिकों के नाम शिलापट्ट पर उकेरे गए हैं।

जापान और दक्षिण अफ्रीका में भी भूकंप को समर्पित संग्रहालय

जापान में कोबे अर्थक्वेक मेमोरियल म्यूजियम है, जहां भूकंप से बचे लोगों की कहानियां, प्रबंधन और स्थनांतरण से संबंधित गतिविधियों के बारे में बताया जाता है। भूकंप के बाद की परिस्थितियों का वर्णन भी यहां किया गया है। दक्षिण अफ्रीका में तुलबाग अर्थक्वेक म्यूजियम है, जहां स्थानीय लोग भूकंप से संबंधित अपने अनुभवों को वीडियो और प्रदर्शनियों के माध्यम से बताते हैं। इसी तरह अब भुज में भी भूकंप से संबंधित विशेष म्यूजियम लोगों के आकर्षण का केंद्र बनेगा।

अपने राज्यों में सरकारी दफ्तरों से गांधी की तस्वीर हटाने वाले गुजरात में चुनाव प्रचार कर रहे हैं :अशोक गहलोत

अहमदाबाद। राजस्थान के मुख्यमंत्री और गुजरात कांग्रेस समिति के वरिष्ठ निरीक्षक अशोक गहलोत ने आज कहा कि महात्मा गांधी और सरदार पटेल के गुजरत में आज ऐसे लोग चुनाव प्रचार करने की हिम्मत कर रहे हैं जिन्होंने अपने राज्यों में सरकारी कचहरी से गांधी जी की तस्वीर हटा दी है। गुजरात विधानसभा चुनाव को लेकर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव गांधी भवन में पार्टी पदाधिकारियों, विधायकों, लोकसभा प्रभारी, जिला-तहसील कांग्रेस संगठन के प्रमुखों को संबोधित करते हुए अशोक गहलोत ने कहा कि आगामी चुनाव कांग्रेस मजबूती के साथ लड़ेगी। पिछले 2। वर्ष से कांग्रेस गुजरात में सत्ता में नहीं है, इसके बावजूद जनता की आवाज मजबूती और हिम्मत के साथ उठ रही है। दूसरी ओर अपने राज्यों में सरकारी दफ्तरों से गांधी की तस्वीर हटाने वाले लोग गांधी और सरदार के गुजरात में चुनाव प्रचार करने की हिम्मत कर रहे हैं। गुजरात की जनता ऐसे अवसरवादी लोगों की लुभवानी घोषणा और वादों पर भरोसा नहीं करेगी। कांग्रेस के गुजरात में शिक्षा क्षेत्र में स्कूल-कॉलेज, स्वास्थ्य क्षेत्र में प्राथमिक, सामूहिक स्वास्थ्य केन्द्र, सरकारी अस्पताल, सिविल अस्पताल, कृषि क्षेत्र में किसान, सिंचाई के अलाव बंदरगाह, जीआईडीसी, बड़े उद्योगों, रोड-रास्ते समेत विभिन्न क्षेत्रों में जो काम किए थे वह बोलेंगे और आगामी दिनों में कांग्रेस जनहित योजनाएं लाकर गुजरात में जनता सरकार स्थापित करेंगे। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि कांग्रेस की हिम्मत उसके कार्यकर्ता हैं। कांग्रेस का नेतृत्व गुजरात को लेकर कटिबद्ध है और इसीलिए अशोक गहलोत को गुजरात के बतौर वरिष्ठ निरीक्षक भेजा गया है। भाजप ईडी का उपयोग कर इलेक्शन डिपार्टमेंट के तौर पर काम कर रही है। भूतकाल में आजादी की लड़ाई में कई लोग अंग्रेजों के साथ जुड़े थे और वर्तमान में भी अंग्रेजों की विचारधारा का अनुशरण करने वाले लोग डरा-धमकाने समेत विभिन्न हथकंडे अपनाकर लोकतांत्रिक रूप से चुने गए लोगों को तोड रहे हैं। गुजरात कांग्रेस आगामी चुनाव में राज्य की सभी 182 सीटों पर मजबूती के साथ लड़ेगी। अशोक गहलोत और केसी वेणुगोपल ने कहा कि आज देश में संविधान, लोकतंत्र खतरे हैं ऐसे में देश के एकसूत्र में जोड़ने के लिए कांग्रेस द्वारा देशभर में सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के नेतृत्व में । सितंबर से 'भारत जोड़ो' यात्रा का प्रारंभ किया जाएगा। गुजरात विधानसभा चुनाव समेत भारत जोड़ो कार्यक्रम के अंतर्गत 5 सितंबर को राहुल गांधी गुजरात आएंगे और कांग्रेस कार्यकर्ता समेत बूथ की जिम्मेदारी निभा रहे साथियों को संबोधित करेंगे।

कांग्रेस माइनोरिटी विभाग द्वारा भारत जोड़ो सद्भावना सम्मेलन का आयोजन

सूरत भूमि, सूरत। कांग्रेस के भारत जोड़ो यात्रा के अंतर्गत भारत जोड़ो सद्भावना सम्मेलन का आयोजन सूरत शहर कांग्रेस माइनॉरिटी विभाग द्वारा एसएमसी कम्युनिटी हॉल फुलवारी भरी माता रोड पर किया गया। जिसमें ऑल इंडिया कांग्रेस माइनोरिटी चेयरमैन इमरान प्रतापगढ़ी, एवं जीपीसीसी माइनोरिटी के इंचार्ज अनुरोध जैन, तथा गुजरात मा इन रोटी के प्रमुख वजीर खान पठान एवं एआईसीसी के माइंड ट्री जीपीसीसी के पदाधिकारी सहित बहुत भारी संख्या में कांग्रेस के कार्यकर्ता उपस्थित थे इमरान प्रतापगढ़ी ने सूरत शहर में ढोल नगाड़े के साथ स्वागत किया गया इस अवसर पर सूरत शहर

कांग्रेस प्रमुख हंसमुख देसाई द्वारा स्वागत किया गया इमरान प्रतापगढ़ी ने अपने वक्तव्य में डिलक्स बानो गैंगरेप और उनके परिजनों की हत्या के आरोपियों को स्वतंत्रता पर्व के अवसर पर माफी मांगने के उपलक्ष में छोड़ देने की निंदा की और ब्लिक्स बानो को न्याय देने की मांग की। कांग्रेस की हर यात्रा तमिलनाडु के कन्याकुमारी से सात सितंबर को आरंभ होगी और इसके तहत 12 राज्यों तथा दो केंद्रशासित प्रदेशों से होते हुए 3500 किलोमीटर की दूरी तय होगी। यात्रा के पूरा होने में 150 दिनों का समय लगेगा।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने पार्टी की प्रस्तावित इस 'भारत जोड़ो' यात्रा के संदर्भ में सोमवार को सिविल सोसायटी के कई प्रमुख लोगों के साथ बैठक की और कहा कि यह यात्रा उनके लिए 'तपस्या' की तरह है तथा भारत को एकजुट करने की लंबी लड़ाई के लिए वह तैयार हैं।

सूरत जिले में लाल दरवाजा के पास स्थित नारायण संन्यास आश्रम मठ में भागवत सप्ताह का आयोजन

सूरत भूमि, भरत चौधरी, सूरत । सूरत जिले में लाल दरवाजा के पास नारायण संन्यास आश्रम पिछले कई वर्षों से कई सेवाओं को अंजाम दे रहा है, जिसमें विशेष गाय सेवा जिसमें बड़ी संख्या गौशाला में गायों की संख्या उपलब्ध है और नारायण संन्यास आश्रम महंत, जो समाज को मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं। निरंतर धर्म और राष्ट जागरण कार्यक्रमों के माध्यम से इस सानिध्य में विशेरा नंदजी निरंतर कार्यरत हैं। सूरत जिले का यह बहुत पुराना पौराणिक मंदिर जिसमें इस पवित्र माह में विशेष मंदिर के भक्तों के लिए भागवत कथा का आयोजन किया जाता है जिसमें कथा सुनने के साथ-साथ भक्त बड़ी संख्या में महाप्रसाद का लाभ उठा रहे हैं। कथा के अनेक अवसरों पर कथावाचक श्री जोगीदास दादा दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर रहे हैं।

गुजरात भाजपा प्रमुख सीआर पाटील को लेकर अरविंद केजरीवाल का बड़ा दावा

अहमदाबाद। गुजरात के दो दिवसीय दौरे पर आए आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील को लेकर बड़ा दावा किया है। केजरीवाल ने इसे लेकर एक ट्वीट किया है। केजरीवाल के ट्वीट के बाद गुजरात की राजनीति गरमा गई है। अरविंद केजरीवाल ने अपने ट्वीट में कहा 'गुजरात में भाजपा आम आदमी पार्टी से घबराई हुई है। सूत्रों के मुताबिक जल्द ही गुजरात के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटील को हटाया जा रहा है। क्या भाजपा इतनी ज्यादा डरी हुई है?' गौरतलब है गुजरात विधानसभा के इस साल के अंत में चुनाव होनेवाले हैं, जिसे लेकर भाजपा, कांग्रेस और समेत अन्य राजनीतिक दल अपनी अपनी रणनीति बना रहे हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल हर सप्ताह गुजरात दौरा कर रहे हैं और एक के बाद एक वादे कर वोटरों को रिझाने का भरपूर प्रयास कर रहे हैं। अरविंद केजरीवाल ने गुजरात में उनकी सरकार आने पर आज सरकारी विभागों से जुड़े कर्मचारियों की समस्या दूर करने का वादा किया। केजरीवाल के ट्वीटर हेंडल से ट्वीट किया गया। जिसमें कहा गया कि गुजरात राज्य परिवहन निगम समेत होमगार्ड्स के सभी कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान आम आदमी पार्टी की सरकार बनने के एक महीने के भीतर ही कर देंगे।

24 और 25 अगस्त को सूरत के मैरियट में हाई लाइफ प्रदर्शनी फैशन की दुनिया को बदलने के लिए एक बार फिर सूरत में होगी।

सूरत।

सूरत ट्रेंडसेटर एक नए युग का गवाह बनने जा रहा है। 24 और 25 अगस्त को सूरत मैरियट में हाईलाइफ प्रदर्शनी एक बार फिर फैशन की दुनिया को बदलने के लिए सूरत लौट रही है। आप लोग भी आकर फैशन पैराडाइज का हिस्सा बनें।

हाईलाइफ प्रदर्शनी में व्यक्तिगत शैली, घर की सजावट और लक्जरी उत्पादों के डिजाइनर भारत की सबसे लोकप्रिय फैशन प्रदर्शनी में सूरत शहर में आयेंगे। पूरे भारत के शीर्ष प्रसिद्ध डिजाइनर अपनी कला के कुछ बेहतरीन डिजाइनर कार्यों का प्रदर्शन करेंगे। इसमें वेडिंग ड्रेसेज, डिजाइनर कॉस्ट्यूम और ज्वैलरी से लेकर फैशन आइटम्स, घरेलू सामान से लेकर नए जमाने की कलाकृति तक शामिल होगी।

एमवे इंडिया 100% प्लास्टिक वेस्ट न्यूट्रल बना

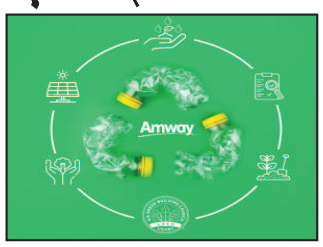

मुंबई । देश में सबसे बड़ी एफएमसीजी डायरेक्ट सेलिंग कंपनियों में से एक एमवे इंडिया अपने विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व (ईपीआर) संग्रहण 2 के आधार पर 100% पोस्ट- कंज्यूमर प्लास्टिक वेस्ट का प्रबंधन करने और एमवे विनिर्माण सुविधा में उत्पन्न 100त्न प्री-कंज्यूमर प्लास्टिक वेस्ट रिसाइकल करने के बाद प्री और पोस्ट कंज्यूमर प्लास्टिक वेस्ट न्यूट्रल कंपनी बन गई है। कंपनी ने 800 मीट्रिक टन पोस्ट-कंज्यूमर प्लास्टिक वेस्ट 3 संग्रह और रिसाइकल

किया है, जो 5 करोड़ यूनिट से अधिक प्लास्टिक प्रोडक्ट वेस्ट के प्रबंधन के बराबर है जिसमें विभिन्न आकार की बोतलें, ट्यूबें, कैप, जार और पाउच शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, इसने प्री- स्टिक वेस्ट न्यूट्रलिटी प्राप्त करने के लिए अपने विनिर्माण संयंत्र में 100% खतरनाक प्रोडक्ट्स और प्लास्टिक वेस्ट रिसाइकल और फिर से इस्तेमाल किया है। पर्यावरण और समाज संबंधी समग्र प्रभाव के दृष्टिकोण के जरिए अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाते हुए, कंपनी ने अपनी संवहनीयता महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए कुछ स्पष्ट कदम उठाए हैं, जिससे लोगों की बेहतर जीवन, स्वस्थ जीवन जीने में मदद करने की अपनी दृष्टि को फिर से बहाल किया है।

इस उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए, एमवे इंडिया के एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट, रेगुलेटरी अफेयर्स, आदिप रॉय ने कहा, "एमवे में, स्वस्थ धरती के प्रति हमारी प्रतिबद्धता हमारे प्रोडक्ट्सु, प्रक्रियाओं और फिलॉसफी में परिलक्षित होती है। संवहनीयता केवल अनुपालन से नहीं जुड़ी है बल्कि एमवे की संस्कृति का अंतर्निहिति हिस्सा है। प्री और प्रोस्टड-कंज्यूरमर प्लास्टिक वेस्ट न्यूट्रलिटी हासिल करना हमारी उपलब्धियों में से एक है। जैसे-जैसे हम आगे बढ़ेंगे, हम अपने प्रोडक्ट्स् की बोतलों को रिसाइकल किए गए प्लास्टिक से बनाकर हम जो परिकल्पना कर रहे हैं, उसके अनुरूप प्लास्टिक वेस्ट पॉल्यूशन कम से कम करने के तरीकों को पता लगाना जारी रखेंगे। हम दुनिया में सकारात्मक बदलाव लाकर और आने वाली पीढ़ियों की फलने-फूलने में मदद कर अधिक संवहनीय कंपनी बनने के प्रति प्रतिबद्ध और दृढ़संकप्लन हैं। एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट के रूप में, एमवे इंडिया प्लास्टिक वेस्ट के प्रबंधन के लिए केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) में पंजीकरण कराने वाले देश के पहले ब्रांड स्वा मियों में से एक है।

इसके अलावा, एमवे इंडिया में, मुख्य रूप से विनिर्माण और योजना निर्माण और खरीद विभागों की क्रॉस-फंक्शनल टीम ने एक साथ मिलकर संगठन के दीर्घकालिक संवहनीय विकास के उद्देश्य से, धरती पर हमारे व्यवसाय का प्रभाव कम से कम करने के लिए उल्लेखनीय प्रयास किया है। कुछ प्रमुख संवहनीयता पहलों में संयंत्र में नवीकरणीय ऊर्जा का इस्तेनमाल, सॉयल एंड वाटर कंजर्वेशन और संवहनीय कृषि पद्धतियां शामिल हैं। इसके अलावा, सतत संवहनीयता प्रयासों के माध्यम से, कंपनी कागज इस्तेऔमाल में कमी, आपूर्ति श्रृंखला अनुकूलन और सौर ऊर्जा के इस्तेममाल के माध्यम से लगभग 10.50 लाख KGCO2e तक कार्बन उत्सर्जन कम करने में सफल रही है, जो साल दर साल 47000 पेड़ों को बचाने के बराबर है।

टाटा मोटर्स ने रोमांचक नए इंटेलिजेंट फीचर्स के साथ नेक्सॉन ईवी प्राइम लॉन्च किया

सूरत । भारत की अग्रणी वाहन निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स ने अपने नए फॉरएवर दर्शन के अनुरूप आज सूरत में नेक्सॉन ईवी प्राइम को लॉन्च करने की घोषणा की। श्रीजी ऑटोमार्ट में, नेक्सॉन ईवी प्राइम हाई-एंड स्मार्ट फीचर्स जैसे मल्टी-मोड रीजन, रीजन पर ऑटोमैटिक ब्रेक लैंप एक्टिवेशन, क्रूज कंट्रोल, इनडायरेक्ट टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम (iT-PMS), स्मार्टवॉच इंटीग्रेटेड कनेक्टिविटी फीचर और 110 के चार्जिंग टाइमआउट के साथ उपलब्ध है। सेकंड।

ईवी स्वामित्व के अनुभव को नई ऊंचाइयों पर ले जाते हुए, कंपनी ने टाटा मोटर्स के अद्वितीय सॉफ्टवेयर अपडेट के माध्यम से इन नई सहज विशेषताओं को लगभग 22,000 मौजूदा नेक्सॉन ईवी मालिकों तक भी बढ़ाया है। यह अपडेट मौजूदा मालिकों को उनके ड्राइविंग अनुभव, कनेक्टिविटी और दक्षता में सुधार करके इलेक्ट्रिक में विकसित होने की उनकी यात्रा पर लाभान्वित करेगा। टाटा मोटर्स अपने मौजूदा ग्राहकों को अपने अधिकृत सेवा केंद्रों पर पहला सॉफ्टवेयर अपडेट मुफ्त में प्रदान करेगी, जो ईवी के शुरुआती राजदूतों द्वारा किए गए प्रयासों पर आधारित है। टाटा मोटर्स जल्द ही ग्राहकों के लिए आसान ट्रांजिशन के लिए एक शैक्षिक कार्यक्रम पेश करेगी। बाद में सभी ग्राहकों को भुगतान के आधार पर सॉफ्टवेयर अपडेट प्रदान किए जाएंगे।

टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड के मार्केटिंग, सेल्स और सर्विस स्ट्रैटेजी के प्रमुख विवेक श्रीवत्स के अनुसार, च्नेक्सॉन ईवी ने पूरे देश का ध्यान खींचा है और लॉन्च के बाद से इलेक्ट्रिक वाहन सेगमेंट का नेतृत्व किया है। लगभग 65 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ ईवी के इच्छुक लोगों के लिए यह डिफ़ॉल्ट विकल्प है। नेक्सॉन ईवी प्राइम के साथ हम उम्मीद करते हैं कि हम अपने उत्पाद न्यू फॉरएवर को बनाए रखने की अपनी रणनीति को और मजबूत करेंगे। मौजूदा मालिकों के लिए इस सॉफ़्टवेयर अपडेट के अलावा, हमने टाटा ईवी स्वामित्व अनुभव के हिस्से के रूप में ग्राहकों की अपेक्षा में एक नया बेंचमार्क स्थापित किया है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)